शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 28 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 49 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.6	29.2
जमशेदपुर	37.0	26.5
डालटनगंज	41.5	28.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

अमित शाह बोले: जाने वाली है खरगे की नौकरी

हार का ठीकरा ईवीएम पर ही फोड़ेंगे बहन और भाई

कुशीनगर (उप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दावा किया कि चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस की हार का ठीकरा पार्टी नेताओं राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी पर नहीं, बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर फूटेगा और उनकी नौकरी जाने वाली है. शाह ने कुशीनगर में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली में दावा किया कि इस लोकसभा चुनाव के बाद भी नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे और कांग्रेस के लोग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को दोष देंगे. उन्होंने कहा, चार जून को मोदी जी की, भाजपा की विजय निश्चित है. चार तारीख की दोपहर को आप देखना, राहुल बाबा के लोग प्रेस कांफ्रेंस करेंगे कि हम ईवीएम के कारण हार गये. हार का ठीकरा भाई-बहन (राहुल गांधी और प्रियंका गांधी) पर नहीं फूटेगा. यह ठीकरा खरगे साहब पर फूटेगा और उनकी नौकरी जाने वाली है. शाह ने दावा किया, छह चरण का चुनाव समाप्त हो गया है. मेरे पास पांच चरण का आंकड़ा है. पांच चरण में मोदी जी 310 सीटें जीत चुके हैं. छठा चरण हो गया है. अब सातवां होने वाला है. आप लोगों को 400 पार कराना है. उन्होंने दावा किया, मैं चार तारीख का परिणाम बताता हूं. राहुल बाबा, आपकी पार्टी को 40 सीटें भी नहीं मिलेंगी और अखिलेश बाबू और तेजस्वी बाबू आपके प्रति सहानुभूति से मैं बात करूं तो आपकी दोनों की चार सीटें भी नहीं आ रही हैं.

अखिलेश यादव बोले: हमारा साथ दें बहुजन

जो 400 पार की बात करते थे, अब 400 हारने जा रहे

गाजीपुर (उप्र)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा और बसपा पर साठगांठ का आरोप लगाते हुए सोमवार को बहुजन समाज का आह्वान किया कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बनाये संविधान की रक्षा के लिए चुनाव में वह इंडिया गठबंधन का साथ दे. यादव ने एक चुनावी रैली में कहा, यह चुनाव जहां हमारे आपके भविष्य को बचाने का है. वहीं, यह चुनाव संविधान को बचाने का भी है. यह संविधान ही है जो हमें सम्मान दिलाता है, जो हमारे अधिकारों की रक्षा करता है. इधर देखने को मिल रहा है कि भाजपा और बसपा ने अंदर ही अंदर हाथ मिला रखे हैं, इसलिए हम बहुजन समाज के लोगों से भी अपील करना चाहते हैं कि यह चुनाव बाबा साहब के संविधान को बचाने का भी है इसलिए हमारे इंडिया गठबंधन का साथ दीजिए. अगर यह लोग (भाजपा) सत्ता में आ गए तो वह कुछ भी कर सकते हैं. यह वही लोग हैं जिन्होंने कई मौकों पर जो लोकसभा में सांसद अपनी बात रखना चाहते थे उन्हें रखना नहीं दिया. उन्होंने भाजपा के 400 पार के नारे पर तंज करते हुए कहा, ''जो लोग 400 पार की बात कर रहे थे, वह 400 सीटें हारने जा रहे हैं. जो बहुत बड़ी-बड़ी बातें कहते थे, इधर उनका आत्मविश्वास लड़खड़ाया है. उनकी जबान भी लड़खड़ा रही है. उन्होंने भाजपा पर तंज करते हुए कहा, जो लोग इस वक्त सत्ता में हैं, वे जान गए हैं कि चार जून के बाद उनकी सरकार बनने वाली नहीं है.

तेजस्वी यादव ने मंच से दी मोदी को चुनौती, कहा

यह दिल्ली या झारखंड नहीं बिहार है, छूकर तो देखिए

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ सोमवार को तेजस्वी यादव ने कई रैलियों को संबोधित किया. तेजस्वी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि नोटबंदी घोटाला, वैक्सीन घोटला, बिहार में सृजन और बालिकागृह घोटाला करने वाले तेजस्वी को जेल भेज रहे हैं. यह दिल्ली या झारखंड नहीं बिहार है. हाथ लगाकर तो दिखाइए जतना सच बता देगी. तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारा दर्द गरीबों और युवाओं के दर्द से बड़ा नहीं है. पीएम नरेंद्र मोदी 10 साल से मुद्दों पर कुछ नहीं बोलते. वह केवल बेकार की बात करते हैं. मोदी जी की भाषा में काफी गिरावट आ चुकी है. लगता ही नहीं है कि कोई प्रधानमंत्री भाषण दे रहे हैं. भाई-बहनों के लिए आपने क्या किया? यह बताइए. एक 34 साल का युवा आपको रोड पर ले आया. मुजरा, मटन, मछली केवल म, म, म करते रहते हैं. लेकिन, म से महंगाई पर कुछ भी नहीं बोलते हैं. पहले महंगाई इनको डायन लगती थी अब महबूबा लगनी लगी है. तेजस्वी यादव ने कहा कि 17 साल में पांच लाख लोगो ंको नौकरियां दी गई. आरक्षण की सीमा को 75 प्रतिशत किया. मोदी जी आपने क्या किया? यह बताओ. तेजस्वी ने कहा, बिहार में भाजपा का कमल मुरझा गया है. चार जून को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है. अब इसमें कोई शक नहीं रह गया है. मोदी जी जा रहे हैं. बिहार की जनता ने यह पक्का कर दिया है.

राहुल गांधी बोले: रद्द करेंगे अग्निवीर योजना

चार जून के बाद मोदी जी देश के पीएम नहीं रहेंगे

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि अगर विपक्षी गठबंधन इंडिया सत्ता में आएगा तो सेना में अग्निवीर योजना को रद्द कर दिया जाएगा और हर महिला के खाते में प्रति माह 8,500 जमा किए जाएंगे. बिहार में तेजस्वी यादव के साथ कई रैलियों में राहुल ने दोहराया कि मोदी फिर से पीएम नहीं बन पाएंगे क्योंकि देश भर में विपक्षी गठबंधन के पक्ष में स्पष्ट लहर है. मोदी ने नोटबंदी-जीएसटी लागू करके रोजगार के रास्ते बंद किए और सेना में अग्निपथ योजना लागू करके जवानों को मजदूर बना दिया. 4 जून को जब इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो अग्निपथ योजना को रद्दकर हम कूड़ेदान में फेंकने जा रहे हैं. मोदी के परमात्मा द्वारा भेजे जाने संबंधी कथित बयान पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, चार जून के बाद अगर भ्रष्टाचार के बारे में ईडी मोदी से सवाल करेगी, तो वह कहेंगे, मैं कुछ नहीं जानता... मुझे परमात्मा ने भेजा था. कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मोदी ने 22 अरबपति बनाए हैं, हम करोड़ों लखपति बनाएंगे. उन्होंने कहा, यह चुनाव देश को बचाने, लोकतंत्र को बचाने और गरीबों के आरक्षण को बचाने के लिए है. चुनावी सभाओं को राजद नेता तेजस्वी यादव, भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने भी संबोधित किया. कांग्रेस के अंशुल अभिजीत जहां पटना साहिब सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं राजद की मीसा भारती पाटलिपुत्र से महागठबंधन की उम्मीदवार हैं.

मंत्री आलमगीर आलम की रिमांड और तीन दिन बढ़ी

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

कांग्रेस नेता एवं झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की रिमांड अवधि तीन दिन और बढ़ा दी गयी है. सोमवार को उनको ईडी कोर्ट में पेश किया गया. इस दौरान ईडी ने पूछताछ के लिए तीन दिन और रिमांड की मांग की. सुनवाई के बाद अदालत में तीन दिन रिमांड की अनुमति प्रदान कर दी. अब टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी मंत्री आलमगीर आलम से ईडी तीनों दिनों तक और पूछताछ कर सकेगी.

इससे पहले सोमवार को आलमगीर आलम की पांच दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद ईडी ने उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें रांची पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में पेश किया. ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका ने अदालत से आलमगीर आलम को 5 दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगी. जिसका मंत्री आलमगीर के अधिवक्ता ने विरोध किया. इसके बाद कोर्ट ने ईडी को तीन दिनों तक पूछताछ करने की अनुमति दी. पीएमएलए अदालत ने शुरुआत में आलम को 17 मई से छह दिन की हिरासत में भेजा था और बाद में 22 मई को उनकी हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ा दी गई थी.

आलम के वकील किसलय प्रसाद ने कहा कि ईडी ने आगे की पूछताछ के लिए हिरासत अवधि तीन दिन बढ़ाने का निवेदन किया, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया. प्रसाद ने बताया कि ईडी ने अतिरिक्त पूछताछ की आवश्यकता पर जोर दिया. आलम राज्य के संसदीय मामलों के मंत्री हैं और वह पाकुड़ सीट से विधायक हैं. वह राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित गड़बड़ियों और रिश्वतखोरी को लेकर जांच के दायरे में हैं.

15 मई को गिरफ्तार हुए थे आलमगीर आलम

ईडी ने 5 मई को आलमगीर के पीएस संजीव लाल समेत नौ ठिकानों पर रेड की थी. इस दौरान संजीव के हेल्पर जहांगीर और मुन्ना सिंह के ठिकानों से ईडी ने 35.23 करोड़ बरामद किये थे. इसके बाद ईडी ने संजीव और जहांगीर को गिरफ्तार कर लिया था. ईडी ने 12 मई को मंत्री आलमगीर को समन भेज कर 14 मई को पूछताछ के लिए बुलाया था. 14 मई को ईडी ने आलमगीर से नौ घंटे पूछताछ की थी. फिर 15 मई को एजेंसी ने छह घंटे की पूछताछ के बाद मंत्री को गिरफ्तार कर लिया था. टेंडर पास करने के एवज में कमीशन में मोटी रकम वसूलने के मामले में उनकी संलिप्तता सामने आई थी.

इन दो मंत्रियों पर भी लटकी तलवार

आलमगीर आलम के बाद इसी केस में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन कैबिनेट के दो और मंत्रियों के नाम जुड़ गए हैं. इन मंत्रियों में कृषि मंत्री बादल व अल्पसंख्यक कल्याण, युवा कार्य एवं पर्यटन विभाग के मंत्री हफीजुल हसन शामिल हैं. इन पर आरोप है कि इन्होंने अपने लोगों को टेंडर दिलवाया और उसके बदले में कमीशन वसूला. ईडी को इन दोनों मंत्रियों की भूमिका की जानकारी अब तक गिरफ्तार पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम, मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल आदि ने पूछताछ में दी है. इससे संबंधित कुछ दस्तावेज भी ईडी के हाथ लगे हैं, जिसके सत्यापन के बाद इन दोनों की भूमिका संदेह के घेरे में है. मंत्री बादल कांग्रेस और हफीजुल हसन झामुमो से हैं. ईडी के सूत्रों के अनुसार इन दोनों मंत्रियों को ईडी जल्द समन करने जा रही है और उनसे पूछताछ भी करेगी. इनके अलावा, आइएएस मनीष रंजन से भी ईडी मंगलवार 28 मई को पूछताछ करेगी.

आईएएस मनीष रंजन से आज पूछताछ

आलमगीर, संजीव लाल और जहांगीर ने कबूला आईएएस मनीष रंजन का नाम !

रांची। टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी मंत्री आलमगीर आलम उनके पीएस संजीव लाल और जहांगीर आलम से हुई अब तक की पूछताछ में वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन की बड़ी भूमिका सामने आई है. इन तीनों के कबूलनामे के बाद अब झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव मनीष रंजन से ईडी सामने-सामने बैठा कर पूछताछ करना चाहती है. पहले समन पर उपस्थित नहीं होने के बाद ईडी ने मनीष रंजन को दूसरा समन भेजकर मंगलवार 28 मई को पूछताछ करने के लिए बुलाया है. पुख्ता जानकारी के मुताबिक, टेंडर घोटाला से जुड़े इस मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मनीष रंजन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण है. इतना ही नहीं अब तक हुई जांच में इस पूरे घोटाले में कई प्रभावशाली लोगो की भी बड़ी भूमिका सामने आ रही है. ईडी का दावा है कि यह सारा पैसा टेंडर मैनेज करने के एवज में मिले कमीशन का है.

हेमंत की बेल पर हाईकोर्ट में सुनवाई आज, सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली थी याचिका

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत की गुहार लगाई है. उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में नियमित जमानत याचिका दाखिल की है. इसके साथ ही उन्होंने याचिका पर जल्द सुनवाई का आग्रह अदालत से किया है. उनके अधिवक्ता ने मेंशन मेमो के माध्यम से हाईकोर्ट से यह आग्रह किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है. हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा. हेमंत की याचिका जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सूचीबद्ध हुई है. बता दें कि हेमंत सोरेन ने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली थी. जिसके बाद अब उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 जनवरी की रात को हेमंत सोरेन को इस्तीफा देने के बाद गिरफ्तार किया था. वहीं इसी केस में अफसर अली, अंतू तिर्की, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह और इरशाद की भी गिरफ्तारी हो चुकी है.

मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम बेल मांगने पर बोले केजरीवाल

उनकी तहेदिल से इच्छा है कि केजरीवाल मर जाए

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर सुप्रीम कोर्ट से सात दिनों की आगे भी अंतरिम बेल मांगी है. इस पर विपक्षी भाजपा ने कड़ा ऐतराज किया है. ऐतराज जताने पर भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए केजरीवाल ने कहा कि उनकी तहेदिल से इच्छा है कि अरविंद केजरीवाल मर जाए. उन्होंने कहा, मैंने सात दिनों की अंतरिम बेल सिर्फ अपने टेस्ट कराने के लिए मांगी है. मेरा 7 किलो वजन एक महीने में गिर गया है. यदि किसी व्यक्ति का एक महीने में 7 किलो वजन गिर जाए, तो यह गंभीर बात हो सकती है. डॉक्टरों ने मुझे कई सारे टेस्ट कराने को कहा है. वह आगे कहते हैं, मैंने इसके लिए एक सप्ताह ही मांगा है. बिना किसी वजह के ही वजन का घटना चिंता की बात है. संभव है कि शरीर के अंदर कोई गंभीर बीमारी पनप रही हो, जिसका पता न चल पा रहा हो. ऐसी स्थिति में ये टेस्ट कराने हैं. यदि बीमारी दूसरे या तीसरे चरण में पहुंच गई तो बहुत देर हो जाएगी.

बिजली उपभोक्ताओं को लगने वाला है जोर का झटका

रवि भारती। रांची

आचार संहिता समाप्त होने के बाद राज्य के बिजली उपभोक्ताओं और वाहन चालकों की जेब ढीली होने वाली है. झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग वर्ष 2024-25 के लिए नई बिजली दर निर्धारित करने की प्रक्रिया शुरू करेगा. वितरण निगम नई बिजली दर के लिए नियामक आयोग को टैरिफ पिटीशन सौंप चुका है. इसी साल फरवरी में विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2023-24 के लिए बिजली दर जारी किया था. जिसमें ओवर ऑल 7.66 फीसदी बिजली दर में वृद्धि की गई थी. बिजली वितरण निगम ने 39.71 फीसदी बिजली दर में वृद्धि का प्रस्ताव सौंपा था, जिसके एवज में आयोग ने ओवरऑल बिजली दर में 7.66 फीसदी की वृद्धि की स्वीकृति दी थी.

साल में दूसरी बार महंगी होगी बिजली

महंगाई का लगेगा तड़का बढ़ जाएगा टोल टैक्स

वाहन चालकों की भी कटेगी जेब

चुनाव समाप्त होने के बाद वाहन चालकों की भी जेब ढीली होने वाली है. जानकारी के मुताबिक एनएचएआई ने टोल टैक्स लगाने के लिए कवायद शुरू कर दी है. टोल टैक्स में बढ़ोतरी इस वित्तीय वर्ष के शुरूआत एक अप्रैल से ही होनी थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते वाहन चालकों को राहत मिल गयी थी, और एक जून तक टोल नहीं बढ़ाने का आदेश भारत सरकार की ओर से भेजा गया था. एनएचएआई ने झारखंड सहित सभी राज्यों के रिजनल पदाधिकारियों को पत्र लिख कर लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण तक टोल में वृद्धि नहीं करने का निर्देश दिया था.

सभी राज्यों के लिए टोल वृद्धि का प्रस्ताव तैयार

मिली खबरों के मुताबिक देश के सभी राज्यों के लिए टोल टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव तैयार है. जानकारी के अनुसार हर प्रकार के वाहनों के लिए पांच रुपए से 15 रुपए तक टोल टैक्स में वृद्धि का प्रस्ताव है. इस संबंध में एनएचएआइ ने मार्गदर्शन भी मांगा है. जून के पहले सप्ताह में ही टोल टैक्स में वृद्धि की जा सकती है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,200
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

सेंसेक्स शिखर पर पहुंचने के बाद फिसला

मुंबई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली गिरावट रही. कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय पहली बार रिकॉर्ड 76,000 अंक के स्तर के पार चला गया था, जबकि एनएसई निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में बिकवाली दबाव से इनमें गिरावट आई.

एक जून को इंडिया एलायंस की बैठक

नयी दिल्ली। एक जून को देश के 8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग के साथ ही चुनाव खत्म हो जाएगा. नतीजे 4 जून को आएंगे. लेकिन नतीजों के आने से पहले ही विपक्ष जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहा है. इसलिए चुनाव में गठबंधन की जीत होने पर पीएम समेत कौन-सा पद किस दल के पास होगा. इस बात की चर्चा और आगे की रणनीति के लिए इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक जून को इंडिया ब्लॉक के नेताओं को बैठक के लिए बुलावा भेजा है.

प्रज्वल 31 को पेश होंगे एसआईटी के सामने

बेंगलुरु। विदेश जाने के ठीक एक महीने बाद कर्नाटक के हासन से जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने कहा है कि वह 31 मई को एसआईटी के समक्ष पेश होंगे, जो उनपर लगे कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रहा है. उन्होंने अपने खिलाफ मामलों को झूठे और राजनीतिक साजिश का हिस्सा बताते हुए कहा कि वह अवसाद में चले गये थे. प्रज्वल ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से शुक्रवार को सुबह 10 बजे एसआईटी के सामने पेश होकर जांच में सहयोग करूंगा और आरोपों पर जवाब दूंगा.

मॉनसून पर मिली है बड़ी खुशखबरी

नयी दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर पूर्वानुमान जारी किया है. इसके मुताबिक, इस साल मॉनसूनी बारिश सामान्य से अधिक होने की उम्मीद है. आईएमडी के मुताबिक, 32% ऐसा संभावना है कि मॉनसून सामान्य से ऊपर रहने वाला है. रिपोर्ट के मुताबिक, देश के ज्यादातर वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों के लिए भी खुशखबरी है. आईएमडी का कहना है कि मॉनसून कोर जोन में एलपीए की सामान्य बारिश (106%) से अधिक हो सकती है. विभाग के डीजी एम महापात्र ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि इस बार मॉनसून सामान्य से अधिक रहने वाला है. इसलिए हम इस साल अच्छी बारिश की उम्मीद कर सकते हैं.

न्याय करें मी लॉर्ड वकीलों के काले कोट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका

अंग्रेजों की परपंरा अपने देश में छुड़ा रही है पसीना

एजेंसी। नयी दिल्ली

काला कोट वकीलों की पहचान माना जाता है, लेकिन गर्मी में यह रंग न पहनने की सलाह दी जाती है. इस बीच सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें गर्मियों के दौरान वकीलों के ड्रेस कोड में राहत देने की अपील की गई है. इसके तहत मांग गई है कि वकीलों को गर्मियों के दिनों काला कोट न पहनने की छूट दी जाए. याचिका में अदालत से मांग की गई है कि एडवोकेट ऐक्ट, 1961 के नियमों में संशोधन किया जाए. इससे वकीलों को गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से राहत मिल सकेगी. याचिका में कहा गया है कि अदालत सभी राज्यों के बार काउंसिल को इस संबंध में आदेश दे. इसके तहत उन महीनों की सूची तैयार की जाए, जब काला कोट पहनना गर्मी के चलते मुश्किल भरा हो सकता है. याचिका में अदालत से मांग की गई है कि एडवोकेट ऐक्ट, 1961 के नियमों में संशोधन किया जाए. इससे वकीलों को गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से राहत मिल सकेगी. अंग्रेजों की परपंरा ढोते-ढोते अपने देश के वकीलों की हालत खराब कर रही है. यह ब्रिटेन के लिए ठीक हो सकती है, जहां सालों भर ठंड रहती है, भारत के लिए यह कतई न्यायसंगत नहीं है.

अध्ययन के लिए कमेटी का गठन हो

याचिका में कहा गया है कि अदालत सभी राज्यों के बार काउंसिल को इस संबंध में आदेश दे. इसके तहत उन महीनों की सूची तैयार की जाए, जब काला कोट पहनना गर्मी के चलते मुश्किल भरा हो सकता है. अर्जी में यह भी कहा गया है कि गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से होने वाले नुकसान के अध्ययन के लिए एक कमेटी का भी गठन किया जाए, जिसमें मेडिकल एक्सपर्ट्स शामिल हों. याची ने कहा कि इस बात की स्टडी तो होनी ही चाहिए कि कैसे गर्मी के दिनों में काला कोट पहनने से सेहत, कार्यक्षमता पर विपरीत असर पड़ सकता है.

वकीलों को ड्रेस कोड से छूट दें

एडवोकेट शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने बेंच से अपील की कि परंपरागत ड्रेस कोड में छूट दी जाए. वजह यह है कि मैदानी इलाकों में गर्मी के दिनों में पारा बहुत ज्यादा हो जाता है. उस स्थिति में काला कोट पहनना मुश्किल भरा होता है. काला कोट पहनने की परंपरा ब्रिटिश दौर से जुड़ी हुई है, लेकिन यह हमारे लिए सही नहीं है. गर्मी में ऐसी ड्रेस पहनना ठीक नहीं है. काला रंग गर्मी को आकर्षित करता है. गर्मी से वकीलों को तपना पड़ता है और उससे उनकी कार्यक्षमता पर भी असर पड़ता है. उन्होंने कहा कि सभी को अधिकार है कि वह सुरक्षित माहौल में काम कर सके.

गर्मी में काला कोट पहनना मुश्किल भरा काम

याची ने कहा कि वकीलों के लिए मोटे काले कोटों का पहनना मुश्किल भरा होता है. इससे उनके लिए कामकाज की स्थिति असुरक्षित और मुश्किल भरी होती है. यह असुविधाजनक है. इससे सुरक्षित वर्कप्लेस का अधिकार भी प्रभावित होता है. उन्होंने कहा कि जो लोग पहले ही किसी बीमारी का शिकार हैं, उनके लिए तो यह और मुश्किल भरा हो सकता है.

नक्सली धमकी के बाद कर दिया पद्मश्री लौटाने का ऐलान

एजेंसी। नारायणपुर

वैद्यराज हेमचंद मांझी को बताया है भ्रष्टाचारी और दलालपोस्टर चिपका कर दी गई है जान से मार डालने की धमकी

कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज करने वाले वैद्य हेमचंद मांझी के ऐलान से सनसनी फैल गई है. हेमचंद मांझी ने लगातार नक्सलियों की ओर से मिल रही धमकियों के बाद पद्म सम्मान सरकार को लौटाने का ऐलान किया है. नक्सलियों की ओर से जारी पर्चे और बैनर में मांझी के लिए माओवादियों ने वैद्यराज को भ्रष्टाचारी और कंपनी का दलाल बताया है. माना जा रहा है कि इसी से डर कर मांझी ने पद्म सम्मान लौटने का ऐलान किया है.

वैद्यराज को मिली धमकी के बाद से इलाके में दहशत है. लंबे वक्त से वैद मांझी का परिवार नक्सलियों के निशाने पर रहा है. विस चुनाव से पहले भी माओवादियों ने मांझी को निशाने पर लिया था. उस वक्त मांझी तो बाल बच गये थे, लेकिन उनका भतीजा मारा गया था. खतरे के चलते सरकार की ओर से परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई गई है. हेमचंद्र को सुरक्षा देने के बाद भी घर के लोग दहशत में हैं. माओवादियों ने दो मोबाइल टावरों को जला कर मौके पर पर्चे लगाए हैं. इसमें पद्म सम्मान से सम्मानित मांझी को आमदई खदान का समर्थक होना बताया गया है. पोस्टर में नक्सलियों ने वैद्यराज को भ्रष्टाचारी होने का भी आरोप लगाया है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सरकारी कार्य में लाभ का योग है. पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृषभ भाग्य का साथ मिलेगा. पर किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़ धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन समय सामान्य है. क्रोध से बचें. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क दिन आनंददायक बीतेगा. पर पेट रोग से बचें. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर लें.

सिंह शिक्षा को लेकर व्यस्तता रहेगी. शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें. अन्न दान करें.

कन्या माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न लाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें.

तुला किसी से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक कार्य और पराक्रम के बल पर अच्छा आय होगा. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. कार्य को लेकर ज्यादा प्रमाद न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर शारीरिक और मानसिक सुख मिलेगा. पर वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ बाहरी खर्चों से मन खिन्न होगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे. अन्न दान करें.

मीन आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी.

आज दुमका में पीएम नरेंद्र मोदी की जनसभा

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को झारखंड आएंगे. इस दिन वे दुमका में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे. इससे पहले पीएम मोदी की जनसभा पहले जामा के मधुबन में, फिर राजमहल संसदीय क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा में तय हुई थी. लेकिन, बाद में पीएम का कार्यक्रम दुमका में तय हुआ है.

30 को दुमका दौरे पर आएंगे राहुल गांधी : कांग्रेस नेता राहुल गांधी 30 मई को झारखंड दौरे पर दुमका आ रहे हैं. यहां वे इंडिया गठबंधन की तरफ से झामुमो प्रत्याशी नलिन सोरेन के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. इससे पहले राहुल गांधी झारखंड के चाईबासा और गुमला के बसिया में चुनावी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं.

सीबीएसई की सप्लीमेंट्री परीक्षा जुलाई में

रांची। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) एक परीक्षा के बाद दूसरी परीक्षा की तैयारी में जुट जाती है. इसी के तहत बोर्ड 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी करने और कॉपी पुनर्मूल्यांकन की तिथि जारी करने के बाद अब कंपार्टमेंट/सप्लीमेंट्री परीक्षा की तैयारी में जोरशोर से जुट गयी है. सीबीएसई की गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा जुलाई में होगी. इस बार परीक्षा के पैटर्न में कुछ बदलाव किए गए हैं. इसके अनुसार इस बार तीन ग्रुप सप्लीमेंट्री परीक्षा के लिए योग्य हैं. जो विद्यार्थी 10वीं कक्षा में दो विषयों में फेल हुए हैं और जो 12वीं के एक विषय में फेल हैं, वे कंपार्टमेंटल परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं.

विधि व्यवस्था की गिरती हुई स्थिति से दहशत में जनता : प्रतुल शाहदेव

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (एक्स) पर पोस्ट कर लिखा कि बीच राजधानी में देर रात को एक पॉश इलाके में स्थित बहुचर्चित बार में डीजे की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है. बेखौफ अपराधी उस बार के शीशे को भी गोली से छलनी कर देते हैं. सरकार का इकबाल कहां है ?अपराधियों के मन में कानून का खौफ कहां है ?अभी तो पुलिस हाई अलर्ट में है.

चिंताजनक : झारखंड राज्य के 13 जिलों में 20 हजार हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि बंजर, सांख्यिकी निदेशालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

5.71 लाख हेक्टेयर भूमि हो गई बंजर, सबसे अधिक पश्चिम सिंहभूम में

रवि भारती। रांची

झारखंड में पांच लाख 71 हजार 878 हेक्टेयर भूमि बंजर हो गई है. वहीं राज्य के 13 जिलों में 20 हजार हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि बंजरपन की चपेट में आ गयी है. इसका खुलासा राज्य सरकार के सांख्यिकी निदेशालय की रिपोर्ट से हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में 79 लाख 70 हजार 75 हेक्टेयर भूमि उपयोग के लिए प्रतिवेदित की गई है. इसमें से सात लाख नौ हजार 548 हेक्टेर भूमि का उपयोग कृषि को छोड़ कर दूसरे कामों के लिए हो चुका है. वहीं राज्य में बेकार पड़ी कृषि योग्य जमीन तीन लाख 49 हजार 236 हेक्टेयर है.

24.78 लाख हेक्टेयर परती है भूमि: झारखंड में 24 लाख 78 हजार 342 हेक्टेयर परती जमीन है. वहीं एक बार से अधिक बुआई वाली भूमि दो लाख 53 हजार 417 हेक्टेयर है. एक लाख एक हजार 985 हेक्टेयर में विभिन्न तरह के वृक्ष लगे हुए हैं, जबकि 22 लाख 39 हजार 481 हेक्टेयर जंगल भूमि है. वहीं स्थायी चारागाह के लिए एक लाख 13 हजार 620 हेक्टेयर भूमि है.

13 जिले की जमीन बंजर की चपेट में

राज्य के 13 जिले ऐसे हैं, जिसमें 20 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि बंजर हो गई है. इनमें रांची में 28535 हेक्टेयर, गुमला में 38134, सिमडेगा में 24069, पश्चिम सिंहभूम में 55181, पूर्वी सिंहभूम में 46763, सरायकेला में 20085, पलामू में 26708, गढ़वा में 26497, लातेहार में 25365, गिरिडीह में 38463, बोकारो में 40311, धनबाद में 31102 और दुमका में 25642 हेक्टेयर भूमि बंजर हो गई है.

मनरेगा आयुक्त ने दिया है निर्देश

मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने निर्देश दिया है कि सभी 28 पीआइएएस जलछाजन परियोजना के तहत बंजर-परती भूमि चिह्नित कर उसे इस लायक बनाया जाए, जिससे वहां भूगर्भ जल स्तर में सुधार किया जा सके. इसे प्राथमिकता के तौर पर करने को कहा गया है, ताकि इससे जल व मिट्टी का संरक्षण किया जा सके.

किस जिले में कितनी जमीन हो गई बंजर

जिला	जमीन (हेक्टेयर में)
रांची	28535
खूंटी	19656
लोहरदगा	9306
गुमला	38134
सिमडेगा	24069
पश्चिम सिंहभूम	55181
पूर्वी सिंहभूम	46763
सरायकेला	20085
पलामू	26708
गढ़वा	26497
लातेहार	25365
हजारीबाग	19501
रामगढ़	12939
चतरा	10192
कोडरमा	9710
गिरिडीह	38463
बोकारो	40311
धनबाद	31102
दुमका	25642
जामताड़ा	7789
गोड्डा	17675
देवघर	17556
साहेबगंज	10255
पाकुड़	10444

कल्पना ने संथाल में झोंकी ताकत, कहा- देश पूंजीपति पार्टी से नहीं चलेगी

'इंडिया' वाले आ रहे हैं दिल्ली

विशेष संवाददाता। रांची

गोड्डा, राजमहल और दुमका में चार चुनावी सभाओं को किया संबोधित

कल्पना मुर्मू सोरेन ने संथाल परगना में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. वे संथाल में तूफानी चुनावी दौरा और सभा कर रही हैं. सोमवार को उन्होंने चार चुनावी सभाओं को संबोधित किया. इस क्रम में पोड़ैयाहाट में गोड्डा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव के लिए, राजमहल सीट से झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा के लिए पाकुड़ और दुमका लोकसभा से झामुमो प्रत्याशी नलिन सोरेन के लिए शिकारीपाड़ा में चुनावी सभाएं की.

कल्पना सोरेन ने अमर शहीद तिलका मांझी को नमन कर अपने संबोधन की शुरुआत की. पोड़ैयाहाट में उन्होंने कहा कि मैं अपने बड़े भाई 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशी प्रदीप यादव के लिए आपके समक्ष आयी हूं. यह वह क्रांतिकारी भूमि है, जहां से बाबा तिलका मांझी ने तीर-धनुष से अंग्रेजों का मुकाबला तब किया था, जब किसी ने ऐसा करने का सपना भी नहीं देखा था. आज भी शोषकों के खिलाफ वही लड़ाई है, बस स्वरूप बदल गया है. दिशोम गुरुजी ने बचपन में अपने संघर्षशील पिता को खोया. इसके बाद उन्होंने महाजनों के खिलाफ आंदोलन किया. लोगों को हक-अधिकार दिलाया.

महान क्रांतिकारियों के संघर्ष के बाद झारखंड मिला : कल्पना ने कहा कि दिशोम गुरुजी और अनेकों महान क्रांतिकारियों के संघर्ष के बाद ही हमें झारखंड राज्य मिला. आज हम अपने आप को गर्व से झारखंडी कहते हैं, यह उन्हीं की देन है. चुनाव का यह आखिरी चरण है. भाजपा वालों को चेता देना है कि यहां बड़े-बड़े पूंजीपतियों की पार्टी भाजपा नहीं, बल्कि गरीब-गुरुबा, आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यकों का 'इंडिया' गठबंधन चलेगा. उन्होंने कहा कि 'इंडिया' वाले दिल्ली आ रहे हैं.

जिस जमीन के कारण हेमंत जेल में, उसमें उनका नाम नहीं

कल्पना ने कहा कि जिस जमीन के नाम पर हेमंत जी को जेल में डाला गया है, उसमें उनका नाम ही नहीं है. हेमंत जी को षड्यंत्र के तहत जेल में डालने की एक ही वजह थी कि पिछले 20 साल में भाजपा, राज्य में जो काम नहीं कर पायी, उससे लंबी और गहरी लकीर हेमंत जी ने चार साल में खींच दी. हेमंत जी की जेल की चाबी आप लोगों के पास है. इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को वोट देकर हेमंत जी को जेल से निकालने में मदद करें. उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आग्रह किया कि 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशी प्रदीप यादव को भारी मतों से विजयी बनाएं.

अंबेडकर की बदौलत समाज में आगे बढ़ रही हैं महिलाएं

कल्पना सोरेन ने कहा कि आज महिलाएं समाज में आगे बढ़ रही हैं. यह सब बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की बदौलत हो पाया है. उन्होंने कहा कि मैं भी अपने परिवार की सेवा में खुश थी, लेकिन इन भाजपा वालों ने चुनाव से ठीक पहले, जन-जन के प्यारे, आपके बेटा और भाई हेमंत जी को जेल में डालने का काम किया. इसके बाद हेमंत जी की आवाज बन कर उन्हें जनता के बीच आना पड़ा.

स्थानीय नीति व सरना धर्म कोड पर चुप है भाजपा

कल्पना सोरेन ने कहा कि आज दिशोम गुरुजी के बेटे हेमंत सोरेन को भी भाजपा ने डर के मारे जेल में डाल दिया है. हेमंत जी राज्य के लोगों को हक-अधिकार दे रहे थे. अच्छी शिक्षा, राशन, पेंशन आदि से जोड़ रहे थे, जिससे भाजपा को तकलीफ हो गयी. हेमंत जी ने 1932 खतियान, पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण, सरना आदिवासी धर्म कोड विधानसभा से पारित करवाया, मगर इन मुद्दों पर भाजपा वालों ने चुप्पी साध ली हैं.

चोरी करने और कराने वालों को जाना पड़ेगा जेल : मरांडी

- देवघर में एम्स, एयरपोर्ट और रेलवे लाइन निशिकांत दुबे की देन

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएमएम, कांग्रेस और राजद ने काम करने के लिए नहीं कमाने के लिए सरकार बनाया है. इतना कमाया कि उनके घर को तो छोड़ दीजिए, उनके नौकर के घर से भी करोड़ों रुपये के नोटों का पहाड़ मिलता है. इसी कारण आज हेमंत सोरेन और आलमगीर आलम जेल में बंद हैं. कई और लोग जेल में जाएंगे. जो चोरी करेंगे और चोरी कराएंगे, उनको जेल जाना ही पड़ेगा. मरांडी सोमवार को गोड्डा लोकसभा के पोड़ैयाहाट विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

इंडी गठबंधन के लोगों ने कोयला बेचा, पत्थर-बालू चुराया

मरांडी ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोगों ने कोयला बेचा. पत्थर की चोरी करायी. बालू चोरी करायी था. मनरेगा में कमीशन लिया था. उसी से पैसे इकट्ठा किया था. जनता को लूटनेवाले ऐसे लोगों की जगह जेल में ही है. यह पैसा आम जनता का है. उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि सांसद निशिकांत दुबे ने कितना काम किया है. गोड्डा तक रेल लाइन बिछाना कोई साधारण काम नहीं है. यहां से कई जगहों की ट्रेने चल रही हैं. गोड्डा में पावर प्लांट लगा, फैक्ट्री लगवायी. यहां एम्स बनकर तैयार हो गया है. एयरपोर्ट भी बन गया है. गोड्डा में एक जून को मतादन होना है. निशिकांत दुबे को सांसद बनाकर नरेंद्र मोदी को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री बनाना है.

राजकुमार पाहन की अग्रिम जमानत पर अगली सुनवाई 15 जून को होगी

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन घोटाला मामले में जमीन के मूल रैयत राजकुमार पाहन की अग्रिम जमानत याचिका पर पीएमएलए कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई. अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तिथि 15 जून निर्धारित की है. मामले में पूर्व में दोनों पक्षों की ओर से बहस हुई थी. ईडी ने इस मामले में राजकुमार पाहन को भी आरोपित बनाते हुए उसके खिलाफ आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया है. ईडी के चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने समन जारी किया है. इसके बाद उस पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. गिरफ्तारी से बचने के लिए राजकुमार पाहन ने एक मई को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है. यह मामला बड़गाई अंचल के अधीन 8.86 एकड़ जमीन के फर्जीवाड़े से जुड़ा है. इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था.

रक्षा मंत्री ने फोन से जनसभा को संबोधित किया, कहा

संपत्ति लूटनेवाले नेता जेल में हैं बंद

संवाददाता। रांची

खराब मौसम की वजह से सोमवार को साहिबगंज के उधवा प्रखंड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जनसभा रद्द कर दी गई. उनका हेलिकॉप्टर खराब मौसम की वजह से लैंड नहीं कर पाया. लेकिन उन्होंने फोन से जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि ताला मरांडी को विजयी बना कर नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे के सपने को पूरा करें. आज झारखंड की स्थिति दयनीय हो गयी है. यहां के मुख्यमंत्री और नेता जेल में बंद हैं. सिंह ने एक जून को होनेवाले अंतिम चरण के मतदान में ताला मरांडी के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की.

इंडि गठबंधन भारत को बनाना चाहते हैं इस्लामिक देश: अमर बाउरी : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड सहित देश की 140 करोड़ जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के काम में जुट गयी है. श्रीधर दियारा की जनता जो पहले पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिक थे, वहां से प्रताड़ित होकर अपने देश वापस आये हैं. पड़ोसी देशों में हिंदुओं की संख्या 22% थी, वहीं अब घट कर मात्र 2% हो गई. पूरे विश्व में हिंदुओं के लिए मात्र एक देश भारत ही है, जहां वे सब शरण ले सकते हैं.ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकता संशोधन कानून लाकर दूसरे देशों में बसे और प्रताड़ित हो रहे हिंदुओं को वापस भारत में नागरिकता देने का काम किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं इंडि गठबंधन देश को इस्लामिक देश बनाने के प्रयास में हैं. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं. उनके घरों से करोड़ों रुपये बरामद किये गये. कांग्रेस, राजद और झामुमो की गठबंधन वाली सरकार झारखंड के खनिज संपदा को लूटने का काम कर रही है. इन्होंने पहाड़, जंगलों, खनिजों को बेचकर अपनी तिजोरी भारी है.

कल्पना दूसरे नंबर की बहू, हम हैं नंबर एक बहू : सीता सोरेन

संवाददाता। रांची

दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन ने जामताड़ा में आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी व देवरानी कल्पना सोरेन पर हल्ला बोला. कहा कि यहां दूसरे नंबर की बहू नहीं चलेगी. वह(सीता सोरेन) झामुमो अध्यक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बड़े बेटे दुर्गा सोरेन की पत्नी व असली बहू हैं. वह बहू नंबर वन हैं. इस प्रदेश को दो नंबर की सरकार व दो नंबर की बहू नहीं चाहिए. प्रदेश की जनता को दो नंबरी बेटों, दो नंबरी काम करने वालों व दो नंबर की बहू ने ठगने का काम किया है. कहा कि अब आपके सामने नंबर वन बहू आयी है, जो जनता के लिए काम करेगी. सीता ने कहा कि दिल्ली से लेकर यहां तक इंडिया गठबंधन भ्रष्ट लोगों की टीम से मंच सजा रहा है. इससे पहले रविवार को जामताड़ा की सभा में कहा कि हेमंत जी भ्रष्टाचार की वजह से जेल में हैं. उन्होंने अब अपनी पत्नी को आगे कर दिया है. वह उनको अपनी जीती हुई सीट दे रहे हैं. सीता सोरेन ने कहा कि मुझको लगता है कि चंपई सोरेन की कुर्सी खतरे में पड़नेवाली है.

क्लासिफाइड

चुनावी समर कभी साथ थे, आज हो गये आमने-सामने, गोड्डा, राजमहल व दुमका में एक जून को मतदान

संथाल परगना में अपनों से ही पार पाना होगी बड़ी चुनौती

प्रमुख संवाददाता। रांची

संथाल परगना झारखंड की राजनीति की धुरी है. संथाल की राजनीति झारखंड की दिशा और दशा भी तय करती है. एक जून को संथाल परगना की तीन सीटों गोड्डा, राजमहल और दुमका में मतदान होना है. खास बात यह है कि इन तीनों सीटों पर झामुमो और भाजपा उम्मीदवारों को अपनों से ही पार पाना होगा. इस वजह से राजमहल, गोड्डा और दुमका में इस बार दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है.

गोड्डा में निशिकांत दुबे को अपने से ही जूझना होगा : गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को अपनों से ही जूझना होगा. हाल के दिनों में गोड्डा लोकसभा अंतर्गत आनेवाले मधुपुर के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री राज पालिवार के कांग्रेस में जाने खबर आई थी. कांग्रेस के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया था, जिसमें मांडू के भाजपा विधायक जेपी पटेल के साथ राज पालिवार के कांग्रेस में शामिल होने की बात कही गई थी. हालांकि यह पोस्ट बाद में हटा लिया गया था. राज पालिवार फिलहाल प्रदेश भाजपा में उपाध्यक्ष पद पर हैं और मधुपुर इलाके में एक वर्ग में इनकी खास पकड़ है. अगर आपसी खटास का यही हाल रहा, तो निशिकांत की जीत की राह में मुश्किल हो सकती है.

राजमहल में लोबिन ने दिलचस्प बना दिया मुकाबला

राजमहल में झामुमो उम्मीदवार विजय हांसदा को अपने ही दल के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम से जूझना पड़ रहा है. विजय हांसदा ने 2014 और 2019 में राजमहल सीट से जीत दर्ज की है. लेकिन उनके रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा लोबिन हेंब्रम बन गए हैं. वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राजमहल सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. यूं कहें कि दोनों कभी साथ-साथ थे, आज एक-दूसरे के आमने-सामने हैं. लोबिन कई बार बयान भी दे चुके हैं कि इस बार विजय हांसदा हार जाएंगे. इससे पहले लोबिन अपनी ही सरकार के खिलाफ पाकुड़ से लेकर राजमहल तक अन्याय यात्रा निकाल चुके हैं. चुनाव मैदान में उनके आने से राजमहल का मुकाबला दिलचस्प हो गया है.

दुमका में सीता सोरेन की राह में भी हैं रोड़े

दुमका के सीटिंग सांसद सुनील सोरेन का टिकट छीन कर भाजपा ने सीता सोरेन को टिकट थमा दिया. इससे सुनील सोरेन का दुख अलग किस्म का हो गया. सवाल अब भी दुमका में बरकरार है. वहीं सीता सोरेन का मुकाबला झामुमो के नलिन सोरेन से है. लेकिन इतना तो तय है राजमहल हो या फिर गोड्डा, यहां के बड़े नेताओं की नाराजगी सांसद उम्मीदवार के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है. दूसरी ओर दुमका में सुनील सोरेन को टिकट मिलना और फिर छीना जाना और इसे बर्दाश्त करना, उनके लिए कितना सहज होगा, यह तो समय ही बताएगा. झामुमो छोड़ कर भाजपा में आईं सीता सोरेन को पार्टी के कार्यकर्ता स्वीकार कर पाते हैं या नहीं, यह भी देखनेवाली बात होगी.

नाबालिग से रेप के दोषी को 10 साल की सजा

रांची। पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने सोमवार को नाबालिग से दुष्कर्म मामले के दोषी मिथुन महतो को दस साल की सजा सुनाई है. साथ ही उस पर दस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है. जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे छह माह की सजा काटनी होगी . पूर्व में कोर्ट ने मिथुन महतो को दोषी करार दिया था. मामले में अभियोजन पक्ष ने सात गवाह पेश किया था. आरोपित मिथुन और नाबालिग पीड़िता दोनों एक मिठाई के दुकान में काम करते थे. इसी दौरान दोनों में दोस्ती हुई थी. इसके बाद आरोपित ने नाबालिग से संबंध बनाया था. पीड़िता के परिजनों को इसकी जानकारी तब हुई जब वह गर्भवती हो गई. मामले को लेकर नगड़ी थाना में केस दर्ज कराई गई.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, मंगलवार 28 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 49 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बूथ संख्या 154 में वोट बहिष्कार को लेकर प्रशासन गंभीर, सहिया ने भी नहीं किया था मतदान

छौड़िया गांव के ग्राम प्रधान व बीएलओ को नोटिस जारी

संवाददाता । घाटशिला

धालभूमगढ़ प्रखंड के छौड़िया गांव स्थित बूथ संख्या 154 में मतदाताओं द्वारा मतदान बहिष्कार को लेकर प्रशासन अब गंभीर दिखने लगा है. वोट बहिष्कार के कारण प्रशासन की हुई फजीहत को लेकर अधिकारी अलर्ट मोड पर आ गये हैं. इसको लेकर सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी के कार्यालय धालभूमगढ़ से छबिसा के ग्राम प्रधान सीता राम किस्कू, छौड़िया के ग्राम प्रधान चन्द्र मोहन हांसदा एवं 154 नंबर बूथ के बीएलओ सह आंगनबाड़ी सेविका छीता रानी हांसदा के नाम नोटिस जारी कर 24 घंटे के अंदर मतदान का बहिष्कार क्यों किया गया, इसको लेकर जवाब देने को कहा गया है.

आंगनबाड़ी सेविका को जारी नोटिस में कहा गया है कि मतदान प्रक्रिया के सफल संचालन को लेकर बूथ नंबर 154 में प्रतिनियुक्त किया गया था. वावजूद इसके आपने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया. आपने अपना मत का भी प्रयोग नहीं कर मतदान बहिष्कार में हिस्सेदार बनीं और मतदान प्रक्रिया को बाधित किया.

जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र के इसी बूथ पर पड़ा था मात्र एक वोट. फाइल फोटो

आप 24 घंटे में इसका जवाब दें नहीं तो आपको निर्वाचन बाधित करने की विभिन्न धाराओं को तहत पदमुक्त करने के बाद प्राथमिकी दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी को सूचित किया जायेगा. दूसरी ओर ग्राम प्रधान को जारी नोटिस में भी कहा गया है कि जांच के क्रम में पता चला है कि सभी मतदाताओं को विभिन्न प्रकार से डराया धमकाया गया था. साथ ही यह फरमान जारी किया गया था कि जो भी बूथ पर मतदान करने जायेगा उस पर जुर्माना लगाया जायेगा.

आपके इस कुकृत्य गंभीर निर्वाचन अपराध की श्रेणी में आता है, इसलिए विभिन्न धाराओं के तहत जवाब नहीं देने पर मामला दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी को सूचित किया जायेगा. प्रशासन के इस कार्रवाई से ग्रामीणों में हड़कंप है. यह नोटिस 25 मई की देर शाम जारी किया गया है. हालांकि अभी तक सीओ को ग्राम प्रधान और बीएलओ की ओर से कोई लिखित जानकारी नहीं दी गई है.

टाटा स्टील को ऋण मामले में कोलकाता हाइकोर्ट से झटका

जमशेदपुर । टाटा स्टील को कोलकाता हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. हाईकोर्ट ने स्टील डेवलपमेंट फंड के तौर पर लिये गये 2751.17 करोड़ रुपये के लोन की माफी के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी. इस याचिका के आलोक में सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दी. यह कहा गया है कि टाटा स्टील चाहे तो इसको ऊपरी अदालतों या संयुक्त प्लांट कमेटी के पास मामला ले जा सकती है. कंपनी ने इसकी अधिकारिक जानकारा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को सौंपी है. इसमें कंपनी ने कहा है कि अभी कंपनी कानूनी जानकारी हासिल कर रही है. इसके बाद अगला कदम उठायेगी. इससे पहले केंद्र सरकार से राशि में छूट देने की मांग की गयी थी, लेकिन इसे केंद्र सरकार ने खारिज कर दी.

चांडिल डैम रोड आदर्श कॉलोनी में चोर ले गए 50 पेटी शराब व 1.41 लाख नकद

सरकारी शराब दुकान से 5.11 लाख की चोरी

संवाददाता । चांडिल

चांडिल डैम रोड आदर्श कॉलोनी स्थित सरकारी शराब दुकान से रविवार की रात लाखों की चोरी हुई है. चांडिल थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया है. अनुमानित करीब पांच लाख रुपये की चोरी हुई हैं. जानकारी के अनुसार चोरों ने तीन लाख 70 हजार रुपए की 50 पेटी शराब और एक लाख 41 हजार रुपये की चोरी कर ली है. बताया जाता है कि सरकारी शराब दुकान में भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड की शराब और कैश काउंटर में नकद राशि रखा था. दुकान में चोरी कैसे हुई है? आबकारी विभाग उसकी जांच कर रहा है.

चोरी की घटना की सूचना मिलने के बाद आबकारी विभाग की जांच करने चांडिल पहुंची. आबकारी विभाग के अवर निरीक्षक अखिलेश सिंह मामले की जांच कर रहे हैं.

जांच करते आबकारी विभाग के कर्मी.

उन्होंने बताया कि विभिन्न ब्रांड की शराब और नकद राशि की चोरी हुई है. इस संबंध में फील्ड इंचार्ज ने चांडिल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. शराब दुकान में रात को दो सिक्युरिटी गार्ड ड्यूटी में रहते हैं. उनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है. रविवार की रात ड्यूटी में तैनात सिक्युरिटी गार्ड बगैर सूचना के कहीं चला गया था.

इसी दरम्यान दुकान में चोरी की घटना घटी. इसके पूर्व भी ईचागढ़ के एक सरकारी शराब दुकान में चोरी की घटना घट चुकी है. वहीं चिलगु के एक शराब दुकान से लाखों रुपये गबन का मामला सामने आया था.

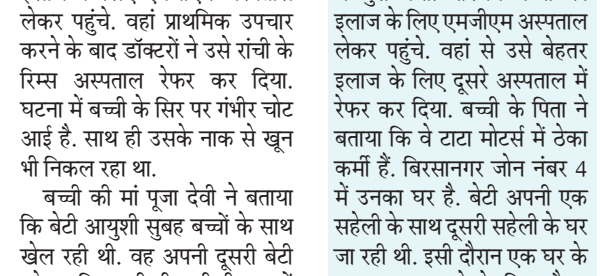

ब्रीफ खबरें

गुदड़ी के कमरगांव में एक व्यक्ति की हत्या

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिला के नक्सल प्रभावित क्षेत्र गुदड़ी प्रखंड के गुदड़ी थाना क्षेत्र के बांदु पंचायत स्थित कमरगांव में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है. बताया जाता है कि दो दिन पहले कमरगांव में छऊ नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. उक्त व्यक्ति छऊ नृत्य देखकर अपने घर लौटा था, जिसकी रात में हत्या कर दी गई. हत्या का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है. इधर एएसपी पारस राणा ने हत्या की पुष्टि करते हुये कहा कि कमरगांव में हत्या हुई है. सोमवार को पुलिस शव लाने गांव गई थी. मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

दो दिवसीय पूजा शुरू भोक्ता उड़ान आज

घाटशिला । सार्वजनिक शिव पूजा कमेटी बड़ाजुड़ी की ओर से दो दिवसीय शिव पूजा का शुभारंभ सोमवार को किया गया. सोमवार की रात्रि भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए रात्रि जागरण करेंगे. इस दौरान पूजा में भाग लेने वाले सभी भक्त रात में जागरण कर भगवान शिव की अराधना करेंगे. भक्तों के मनोरंजन के लिए आयोजन कमेटी की ओर से छऊ नृत्य का आयोजन किया गया है. मंगलवार को मुख्य पूजा का आयोजन किया जायेगा. सुबह के समय बड़ाबांध तालाब से भोक्ता पूजा कर रजनी फोड़ा करते हुए शिव मंदिर तक नाचते गाते आयेंगे.

चाणक्य चौधरी बने जेएसए के प्रेसिडेंट

जमशेदपुर । जमशेदपुर स्पोर्टिंग एसोसिएशन (जेएसए) की नयी कमेटी का गठन कर दिया गया है. जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के जेएफसी मीडिया रुम में इसका आयोजन हुआ, इसमें प्रेसिडेंट टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट कारपोरेट सर्विसेज चाणक्य चौधरी, वर्किंग प्रेसिडेंट व चेयरमैन फुटबॉल सब कमेटी मुकुल विनायक चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट बेली बोधनवाला, टाटा स्टील यूआइएसएल के एमडी रितुराज सिन्हा, टाटा स्टील के एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ प्रणय सिन्हा, विभूति धंड अडेसरा और रजक कुमार सिंह को शामिल किया गया है.

एमबीएनएस में मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता

जमशेदपुर । एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में 'मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता आयोजन का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता, उनकी का विषय 'स्थिरता और पर्यावरण अनुकूल हाउसकीपिंग प्रैक्टिस' था. इस प्रतियोगिता के निर्णायक कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा के एनएसएस समन्वयक डॉ दारा सिंह गुप्ता थे. निदेशक अनुपा सिंह, प्रिंसिपल मिस पिंकी सिंह, सहायक प्रोफेसर दीपिका भारती, सपना कुमारी रॉय और भबतारण भकत ने छात्रों द्वारा तैयार किए गए मॉडलों का मूल्यांकन करने में डॉ दारा सिंह गुप्ता की सहायता की.

चौका में चल रहा लौह अयस्क में मिलावट का गोरखधंधा

ट्रक चालक से पूछताछ के बाद हुआ मामले का पर्दाफाश

संवाददाता । चांडिल

चौका थाना क्षेत्र में अब मिलावट का गोरखधंधा जोरों पर चलने लगा है. यहां कोयला व लौह आयस्क में मिलावट की जाती है. इसका खुलासा कांड्रा स्थित एक कंपनी में लौह आयस्क की जांच में कम ग्रेड निकलने के बाद ट्रक चालक से पूछताछ के दौरान हुआ. ट्रक चालक ने मिलावट के इस गोरखधंधे का खुलासा किया और बताया कि किस प्रकार अच्छे ग्रेड के लौह अयस्क में मिलावट कर उसे कम ग्रेड का किया जाता है. इस प्रकार मिलावट कर लाखों रुपये की हेराफेरी की जाती है.

चौका थाना क्षेत्र में सड़क किनारे इस प्रकार का मिलावट करने का धंधा चलने का खुलासा होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म है. लोगों का कहना है कि ऐसे में चौका थाना क्षेत्र गोरखधंधा करने वालों का हब बन जाएगा. आने वाली पीढ़ी गलत तरीके से रुपये कमाने के लिए ऐसे गोरखधंधे के प्रति अधिक ध्यान देगी.

बताया जा रहा हे कि कांड्रा स्थित अमलगम कंपनी ओडिशा के बडबिल से अच्छे ग्रेड का लौह अयस्क खरीदकर मंगाता है. लेकिन परिवहन के दौरान लौह अयस्क में मिलावट की जाती है.

इस मिलावट वाले लौह आयस्क को कंपनी में पहुंचाया जाता है. ऐसा कर कंपनी का लाखों रुपये की चोरी कर उसे नुकसान पहुंचाया जा रहा है. इसका खुलासा कंपनी में लौह आयस्क उतारने के पूर्व ग्रेड की जांच करने के दौरान हुआ. कम ग्रेड मिलने पर कंपनी के अधिकारियों ने ट्रक चालक से पूछताछ की.

इस दौरान ट्रक चालक ने बताया कि चौका थाना क्षेत्र स्थित सिद्धि विनायक कंपनी के सामने अच्छे ग्रेड का लौह अयस्क को उतारकर इसमें खराब ग्रेड का लौह अयस्क मिलाया जाता है. उक्त स्थान पर कोयला में भी मिलावट की जाती है.

मिलावट के लिए रखा लौह अयस्क. (इनसेट) ट्रक चालक

पुलिस की जानकारी में अभी नहीं आया मामला

पूछताछ के दौरान ट्रक चालक ने बताया कि ट्रक मालिक ही ऐसा करवाते हैं. बड़बिल से आने के दौरान ट्रक को सीधे चौका पहुंचाया जाता है. वहां मिलावट करने के बाद उसे वापस कांड्रा लाया जाता है. इसके बाद कंपनी के अधिकारियों ने पुलिस और ट्रक चालक के साथ मिलावट करने वाले स्थान पर पहुंचे और जांच की. चौका में मिलावट करने वाले स्थान पर जगह-जगह कम मिलावट किए जाने वाले सामग्री का ढेर लगा था. जांच के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने ट्रक चालक की बातों को सही पाया. कंपनी प्रबंधन इस मामले में बड़ा एक्शन लेगा. वहीं इस संबंध में चौका थाना प्रभारी ने बताया कि इस प्रकार का कोई मामला पुलिस की संज्ञान में नहीं आया है. मिलावट होने की जानकारी मिलने पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी.

मॉल कर्मी का अपहरण कर सिर मुंडवाया, मांगी रंगदारी, गिरफ्तार

जमशेदपुर । बिष्टुपुर स्थित एक मॉल के कर्मी का अपहरण कर सिर मुंडवाने और मारपीट कर रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है. घटना रविवार दोपहर की है. इस संबंध में पीड़ित के परिजनों ने मॉल के बाहर जमकर हंगामा किया और मॉल के मुख्य द्वार को बंद करने का भी प्रयास किया. हालांकि मौका रहते बिष्टुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत करवाया. पुलिस ने पीड़ित के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है. जानकारी के अनुसार पीड़ित मो. साहिल और आरोपी रवि कुमार यादव मॉल में ही काम करते हैं. बीते दिनों साहिल ने रवि की शिकायत मॉल प्रबंधन से कर दी. शिकायत पर मॉल प्रबंधन ने रवि के खिलाफ कार्रवाई की थी. साहिल की शिकायत से नाराज होकर रवि ने अपने एक दोस्त के साथ रविवार को मॉल से ही साहिल का अपहरण किया और उसे घाघीडीह मैदान के पास ले गया. वहां उसके साथ मारपीट कर रंगदारी मांगी. इसके बाद साहिल का सिर मुंडवा कर उसे छोड़ दिया.

काशीडीह में तीसरे तल्ले पर खेल रही बच्ची गिरी, रिम्स रेफर

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के साकची थाना अंतर्गत काशीडीह बागान एरिया स्थित रामजी साव बिल्डिंग से सोमवार की सुबह बच्चों के साथ खेल रही 7 वर्षीय आयुशी कुमारी तीसरे तल्ले के सीढ़ी से गिर गई. इसके बाद परिजन उसे लहूलुहान अवस्था में इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे. वहां प्राथमिक उपचार करने के बाद डॉक्टरों ने उसे रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया. घटना में बच्ची के सिर पर गंभीर चोट आई है. साथ ही उसके नाक से खून भी निकल रहा था.

बच्ची की मां पूजा देवी ने बताया कि बेटी आयुशी सुबह बच्चों के साथ खेल रही थी. वह अपनी दूसरी बेटी को दूध पिला रही थी. इसी बीच बच्चों के चीखने की आवाज सुनकर वह भी उस ओर दौड़ी और वहां जाकर देखा आयुशी बिल्डिंग से नीचे जमीन पर गिरी हुई है. स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया. बच्ची अपने परिवार के साथ उसी बिल्डिंग में किराए पर रहती है.

कुत्ते से बचकर भाग रही बच्ची छड़ पर गिरी

जमशेदपुर । बिरसानगर थाना अंतर्गत गुड़िया मैदान के पास एक कुत्ता 10 वर्षीय बच्ची को काटने दौड़ा. कुत्ते से बचने के लिए भाग रही बच्ची सड़क किनारे रखे छड़ पर गिर गई. छड़ किशोरी के गुप्तांग में घुस गया. परिजन बच्ची को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे. वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया. बच्ची के पिता ने बताया कि वे टाटा मोटर्स में ठेका कर्मी हैं. बिरसानगर जोन नंबर 4 में उनका घर है. बेटी अपनी एक सहेली के साथ दूसरी सहेली के घर जा रही थी. इसी दौरान एक घर के पास कुत्ता काटने के लिए दौड़ा. भागने के क्रम में सड़क किनारे मकान बनाने के लिए रखे गए छड़ पर वह गिर गई और छड़ उसके गुप्तांग में घुस गया. स्थानीय लोगों ने फोन पर जानकारी दी. इसके बाद वे ड्यूटी से घर पहुंचे और बेटी को लेकर अस्पताल पहुंचे.

कचरा डंपिंग यार्ड से शव बरामद

गैंताडीह निवासी राजू अग्रवाल की पत्थर से कूचकर हत्या की आशंका

संवाददाता । जमशेदपुर

परसुडीह थाना अंतर्गत एलबीएसएम कॉलेज के पास स्थित कचरा डंपिंग यार्ड से रविवार रात एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. युवक की पहचान गैंताडीह निवासी राजू अग्रवाल (46 वर्षीय) के रूप में हुई है. राजू का शव जहां से बरामद किया गया है, वह उसके घर से बस 500 मीटर की दूरी पर है. परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. शव के पास से पुलिस ने एक बांस और पत्थर बरामद किया है. आशंका जतायी जा रही है कि राजू की हत्या पत्थर से कूचकर की गयी है.

राजू की पत्नी प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि उसका पति शराब का आदि था. वह शाम को ही घर से शराब लेकर निकला था. रात को उसका साथी उसे घर पर ढूंढता हुआ आया था. जब राजू काफी देर तक घर वापस नहीं लौटा तो सभी उसे खोजने के लिए उस जगह गये, जहां वह अक्सर अपने दोस्तों के साथ शराब पीता था. उसी स्थान पर राजू का शव पाया गया. पत्नी ने बताया कि राजू अपने घर से ही राशन सप्लायी का काम करता था.

राजू की फाइल फोटो.

इधर पुलिस ने राजू की पत्नी के बयान पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गयी है.

परसुडीह थान प्रभारी फैज अकरम ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं की गहनता से जांच कर रही है. कहा कि अवैध संबंध को लेकर भी जांच की जा रही है. थाना प्रभारी ने बताया कि राजू का पर्स और एक मोबाइल गायब है, जिसे तलाशा जा रहा है. पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी.

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

जमशेदपुर । उलीडीह थाना अंतर्गत साकेत अस्पताल के पास रविवार की रात मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुखियाडांगा निवासी राहुल कुमार को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने सोमवार को राहुल को जेल भेज दिया है. इस संबंध में पीड़ित के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. उलीडीह थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित ने एक बाइक ईएमआई पर लिया था.

घाटशिला में रेमल का नहीं दिखा असर

संवाददाता । घाटशिला

चक्रवाती तूफान रेमल रविवार की रात्रि समुद्र तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ने के कारण इसका ज्यादा असर घाटशिला अनुमंडल में देखने को नहीं मिला. रविवार से सोमवार की शाम तक एक दो बार बारिश की फुहारे थोड़ी देर के लिए पड़ी और थोड़ी तेज हवा चली. लेकिन तूफान को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही थी वह फुस्स साबित हुआ. हालांकि घाटशिला अनुमंडल में सोमवार को दिन भर बादल की लुकाछिपी जारी रहा, जिसके कारण लोगों को गर्मी का अहसास नहीं हुआ और दिन भर मौसम सुहाना रहा. जानकार बताते हैं कि 28 मई को भी हल्की बारिश के साथ थोड़ी बहुत हवा का असर देखने को मिलेगा. रेमल तूफान को लेकर कहा जा रहा था कि कोल्हान में इसका ज्यादा असर देखने को मिलेगा. बार-बार घने बादल तो बन रहे थे, लेकिन बारिश नहीं हुआ. तापमान में काफी गिरावट आई है. 40 डिग्री सेल्सियस तापमान से गिरकर 33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा.

जंगली हाथियों के दल से ग्रामीण भयभीत

संवाददाता । बहरागोड़ा

प्रखंड क्षेत्र के मुटुरखाम व चिंगारा पंचायत सीमा क्षेत्र अवस्थित जंगल में जंगली हाथियों का एक दल डेरा डालने से आसपास के ग्रामीण भयभीत है. वहीं ग्रामीण तथा वन विभाग के लोग जंगली हाथियों के विचरण का नजर बनाए रखे हुए हैं. वहीं रात के समय जंगल से जंगली हाथियों का दल गांव की ओर रुख कर रहे हैं. जिसके कारण ग्रामीण रात जागा कर रहे हैं.

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में लगभग 25 हाथियों का झुंड है रात को जंगल से निकाल कर गांव की ओर प्रवेश करता है.

सुबह जंगल की ओर रुख कर जाते हैं. जिसके कारण लोग काफी भयभीत है शाम होते ही बुजुर्ग, महिला व बच्चे घर में ही दुबके रहने को मजबूर है.

वहीं विगत 25 मई को गोबरबनी गांव के ग्राम प्रधान सुरेंद्रनाथ हाँसदा अपने मतदान केंद्र धोलाबेड़ा जाने के क्रम में हाथियों ने पटक कर मार डाला था. उक्त घटना के बाद से ही आसपास गांव के ग्रामीण काफी भयभीत हैं.

बदहाली कोल्हान विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 67.90 प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं

केयू में होगी 300 आवश्यकता आधारित शिक्षकों की बहाली

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

कोल्हान विश्वविद्यालय अपने स्थापना कल से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है. विश्वविद्यालय में शिक्षक लगातार सेवानिवृत्ति होते गए लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं हुई. इस कमी को पूरा करने और शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए विश्वविद्यालय में 300 से अधिक नीड बेस्ड (आवश्यकता आधारित) शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी. इससे संबंधित रोस्टर फाइल विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयार कर ली है. इसे जून के दूसरे सप्ताह में उच्च शिक्षा विभाग को भेजा जाएगा. वहां से मंजूरी मिलने के बाद नियुक्ति के लिए आवेदन की तिथि घोषित की जाएगी.

कार्मिक विभाग में फंसा प्रस्ताव

झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों में स्थायी सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय को इकाई मानकर आरक्षण रोस्टर क्लियरेंस की प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रस्ताव कार्मिक विभाग को भेजा गया है. इस प्रक्रिया को पूरी कर शिक्षकों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करने की बात थी, लेकिन पांच महीने बाद भी कार्मिक विभाग के पास ही प्रस्ताव लंबित है.

इस प्रक्रिया के तहत नियुक्त शिक्षकों को हर महीने 57 हजार 700 रुपए मानदेय मिलेगा. इनकी नियुक्ति यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार की जायेगी. इस संबंध में कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि नीड बेस्ड शिक्षकों की नियुक्ति स्थायी शिक्षकों के रिक्त पदों पर होगी. इन पदों पर स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति होने पर नीड बेस्ड शिक्षकों की सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी.

बता दें कि हाल ही में जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय समेत राज्य के पांच विश्वविद्यालयों में विवि में पहले ही आवश्यकता आधारित शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. कोल्हान विश्वविद्यालय में चुनाव आचार संहिता की वजह से नियुक्ति प्रक्रिया फिलहाल रुकी हुई है. आगामी 6 जून को आचार संहिता खत्म होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर पहल करेगा.कोल्हान विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 994 स्वीकृत पद हैं. इनमें से 675 (67.90 फीसदी) पद रिक्त हैं. इन्हीं रिक्त पदों पर स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की जानी है.

खास बातें

- अचार संहिता खत्म होने के बाद शुरू होगी प्रक्रिया
- प्रतिमाह 57 हजार 700 रुपये मानदेय मिलेगा

हालांकि पिछले साल पांच दर्जन से अधिक शिक्षक बैकलॉग कोटे से कोल्हान विश्वविद्यालय को मिल चुके हैं. लेकिन रिक्त सीटों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं होने से समस्या बनी हुई है. शिक्षकों की कमी का सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को हो रहा है. रोस्टर फाइल तैयार है, जिसे जून में उच्च शिक्षा विभाग के पास भेजा जायेगा.

चक्रधरपुर के माता शीतला मंदिर में नवदुर्गा पूजा में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के लोको कॉलोनी में चल रहे पांच दिवसीय माता शीतला पूजा के चौथे दिन नव दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. पूजा के दौरान माता की प्रतिमा को चामुंडेश्वरी देवी का रुप दिया गया था. यहां भक्तों ने माता के चामुंडुश्वरी देवी के रुप में विधिवत तरीके से पूजा अर्चना की.

इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने सबसे पहले कुमकुम पूजा की. इसके बाद एक कुंवारी कन्या को माता दुर्गा का रुप दिया गया. मंदिर परिसर में ही माता की प्रतिमा के समक्ष कुंवारी कन्या की नव दुर्गा के रुप में पूजा अर्चना कर आरती उतारी गई. इस दौरान माता

शीतला व माता दुर्गा के जयकारे से आसपास का क्षेत्र भक्तिमय हो उठा. पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद बांटे गये. इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालु मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

बोलानी में सेल अधिकारी के घर का ताला तोड़कर चोरी

किरीबुरू। सेल, बोलानी खदान के सहायक महाप्रबंधक (भूगर्भ) हरिहर साहू का बोलानी ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित आवास संख्या-ई-6/20 का ताला तोड़ अज्ञात चोरों ने लैपटॉप व अन्य सामान की चोरी की. इस संबंध में हरिहर साहू द्वारा बोलानी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया गया है. उन्होंने कहा कि वे बीते कुछ दिनों से बोलानी से बाहर छुट्टी पर गये हुए था. लोगों ने बताया कि उनके आवास के पीछे का दरवाजा खुला है. जब वे बोलानी पहुंचे तो देखा कि गोदरेज से लगभग 70 हजार कीमत का लैपटॉप, बैट्री आदि सामान गायब है.

मानगो की चटाई कॉलोनी के बंद पड़े मकान में चोरी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत चटाई कॉलोनी में बंद पड़े निर्माणाधीन मकान में रविवार रात चोरों ने हाथ साफ कर दिया. उक्त निर्माणाधीन मकान रविंद्र मालाकार का है. रविंद्र मालाकार ने बताया कि चटाई कॉलोनी स्थित पुराने मकान में मरम्मत का काम चल रहा हैं. प्रतिदिन काम समाप्त होने के बाद संध्या बेला ताला बंद कर चले जाते हैं. आज सुबह जब वह मकान में काम करने आए तो देखा कि मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है. भीतर प्रवेश करके देखा तो मकान में लगा मोटर गायब था.

लिपुंगा गांव में छाता पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

किरीबुरू। नक्सल प्रभावित लिपुंगा गांव में आदिवासी समुदाय के लोगों ने पारम्परिक छाता मेला पर्व (जेठ पर्व) हर्षोउल्लास के साथ मनाया. इस दौरान गांव के दिऊरी द्वारा पूजा-अर्चना की गई. तत्पश्चात ग्रामीणों ने बांस से बनाई गई छाता नुमा आकृति को अच्छे से सजाकर सखुआ की लंबी बल्ली के उपरी हिस्से में बांध व उसे जमीन में गाड़ उसके चारों तरफ पारम्परिक नृत्य करते रहे. इस दौरान तीरंदाजी, चटाई व झाड़ू,बनाने, हंडी फोड़, मेढक रेस, दौड़, वाद्य यंत्र बजाना आदि अनेक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

वार्ड 17 के मुख्य मार्ग पर किया जाएगा पौधरोपण

आदित्यपुर। हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जायेगा. ऐसे में इस दिन आदित्यपुर के वार्ड 17 के मुख्य मार्ग में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. इस दिन मुख्य मार्ग के सरिता कॉम्प्लेक्स से हरिओम नगर तक पौधरोपण किया जायेगा. इस बात की जानकारी पूर्व पार्षद नीतू शर्मा ने दी. महिला संगठन तेजश्विनी ग्रुप इस कार्यक्रम का आयोजन करेगा. इस कार्यक्रम के तहत सड़कों के दोनों ओर छायादार पौधे लगाये जायेंगे. पौधों की सुरक्षा के लिए गेवियन भी लगाये जायेंगे.

बोरदा पुल के समीप तीन बाइक सवार घायल हुए

चक्रधरपुर। शादी समारोह में शामिल होने चक्रधरपुर के धातकीडीह से बाइक से तीन युवक चाईबासा जा रहे थे. बोरदा पुल के समीप तीनों बाइक से गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गये. बताया जाता है कि चाईबासा निवासी निखिल सत्कर्मकार चाईबासा में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपने दो चचेरे भाइयों को लेने चक्रधरपुर के धातकीडीह आया था. धातकीडीह से निखिल सत्कर्मकार अपने चचरे भाई आर्यन तमड़िया व सुमित दास को लेकर बाइक से चाईबासा जा रहा था. इसी दौरान बोड़दा पुल से कुछ दूरी पर एक गड्ढे में उसकी बाइक आ गई.

शहादत दिवस के लिए नई कमेटी का गठन

चक्रधरपुर। 9 जून को बंदगांव प्रखंड की कारिका गांव में भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया जाएगा. सोमवार को कारिका गांव में भगवान वीर बिरसा मेमोरियल क्लब की बैठक आयोजित की गई. कार्यक्रम के लिए नई कमेटी का भी गठन किया गया. जहां सर्वसम्मति से कमेटी का अध्यक्ष बिरसा मुंडू, उपाध्यक्ष लक्षु राम मुंडरी, सचिव जादोराय मुंडरी, उप सचिव सुली सण्डी पूर्ति, कोषाध्यक्ष जेठा पूर्ति, उप कोषाध्यक्ष मंगरा मुंडू को बनाया गया. गोपाल मुंडा, बिरसा पूर्ति, सावन मुंडा, लाम्बोरा मुंडू, किनु मुंडा, सुखराम मुंडा, विकास पूर्ति सदस्य बनाये गए.

निर्धारित सरकारी दर 1750 रुपये प्रति बोरा की जगह 1050 रुपये ही मिलती है मजदूरी

कोल्हान वन क्षेत्र में नक्सली व ठेकेदार कर रहे बीड़ी पत्ता मजदूरों का शोषण

शैलेश सिंह। चक्रधरपुर

पश्चिम सिंहभूम के कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र के जंगलों में लंबे समय से शरण लिये भाकपा माओवादी नक्सलियों का आय का सबसे बड़ा स्रोत बीड़ी अर्थात् केंदु पत्ता का कारोबार है. बीड़ी पत्ता के इस कारोबार से नक्सली, ठेकेदार व कुछ विभागीय अधिकारी लाखों रुपये की अवैध कमाई कर रहे हैं. वे सभी बीड़ी पत्ता कारोबार में काम कर रहे मजदूरों का शोषण करके कमा रहे हैं.

उल्लेखनीय है कि पश्चिम सिंहभूम के घने जंगलों में पाये जाने वाले बीड़ी पत्ता को जंगल में रहने वाले ग्रामीण पैसे देने वाला पौधा अथवा पेड़ मानते हैं. इन्हीं बीड़ी पत्तों को बेचकर ग्रामीण अपनी जरूरतें पूरी करते हैं.

भीषण गर्मी व विषैले जीव-जन्तुओं की परवाह किये बगैर वे बीड़ी पत्ता को घने जंगल में जाकर तोड़ने से लेकर उसका पोड़ा बना ठेकेदार द्वारा जंगल में बनाये गये फांड़ी तक पहुंचाते हैं. इसके बावजूद इन बीड़ी पत्ता मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित मजदूरी भी उन्हें नहीं मिल पाती है. इनकी मजदूरी का अधिकांश पैसा भी ठेकेदार, नक्सली व विभागीय पदाधिकारी आपस में बंदरबांट कर ले रहे हैं.

बीड़ी पत्ता वाले जंगल की होती है नीलामी : बीड़ी पत्ते वाले जंगल की नीलामी झारखंड वन विकास निगम एक वर्ष के लिये करता है. पश्चिम सिंहभूम स्थित कोल्हान, पोड़ाहाट, सारंडा रिजर्व वन क्षेत्र से बीड़ी पत्ता का प्रतिवर्ष करोड़ों-अरबों रुपये का कारोबार होता है.

इस कारोबार में आधा वैध व आधा से अधिक अवैध कारोबार शामिल है. बीड़ी पत्ता संग्रह को लेकर वन विकास निगम द्वारा विभिन्न वन प्रमण्डलों के जंगलों को अलग-अलग रेंज, कम्पार्टमेंट, बीट आदि के रूप में बांटकर उसकी नीलामी की जाती है. उक्त निगम बीड़ी पत्ता तोड़ने का मजदूरी दर प्रति मानक बोरा 1750 रुपये निर्धारित है.

एक मानक बोरा में 500 पोड़ा बीड़ी पत्ता आता है. एक पोड़ा में 42-52 बीड़ी पत्ता होता है. 100 पोड़ा बीड़ी पत्ता की मजदूरी मजदूरों को 140 रुपये मात्र दिया जा रहा है. अर्थात सरकारी दर से लगभग 1050 रुपया कम मजदूरों को दिया जा रहा है. यह तो हुई मजदूरी घोटाला या मजदूरों का शोषण.

अधिकारियों से सांठ-गांठ कर दिखाते हैं कम पैदावार : बीड़ी पत्ता का दूसरा बड़ा खेल काफी रोचक है. बीड़ी पत्ता के ठेकेदार निगम के कुछ अधिकारियों से सांठ-गांठ कर क्षमता से कम बीड़ी पत्ता का पैदावार दिखाकर कम मानक बोरा का निविदा प्राप्त कर उस जंगल से अधिक बोरा पत्ता की तुड़ाई करवाते हैं. ऐसे जंगलों में नक्सल का प्रभाव होता है, जिस कारण वन विभाग के लोग जंगल में ठेकेदार द्वारा बनाये गये फांड़ी को देखने नहीं जाते. रेंज मुख्यालय में बैठकर वे लोग परिवहन हेतु आपसी सांठ-गांठ से टीपी काट देते हैं.

दूसरा बड़ा खेल जंगल में ठेकेदार मुंशी व मैनेजर के माध्यम से कराता है. वह एक-दूसरे ठेकेदार की सीमा से बीड़ी पत्ता की तोड़वा कर उसे अपनी फांड़ी में मंगा लेता है. हालांकि हर सीमा क्षेत्र का अलग-अलग रंग का बोरा पहचान हेतु निगम ठेकेदार को पैसे से नम्बरिंग के अनुसार उपलब्ध कराती है. उसके बावजूद बीड़ी पत्ता के वैध कारोबार में अधिक अवैध खेल चल रहा है.

नक्सली वसूलते हैं प्रति बोरा 160 रुपये लेवी

बीड़ी पत्ता ठेकेदार को इस कारोबार हेतु पहले नक्सलियों को प्रति बोरा 120 रुपये लेवी दिया जाता था. लेकिन इस बार नक्सलियों ने इस दर को बढ़ाकर 160 रुपये कर दिया है. कोल्हान जंगल में नक्सलियों ने बिना लेवी का समझौता हुये बीड़ी पत्ता संग्रह करने की अनुमति तो दी है, लेकिन उठाव अथवा परिवहन पर रोक लगा दी है. इससे इस कार्य में लगे ठेकेदार परेशान हैं. यही नक्सली बीड़ी पत्ता मजदूरों के हक-अधिकार व शोषण की लड़ाई लड़ने की बात कहते रहे हैं, लेकिन इनके प्रभाव क्षेत्र में ही मजदूरों का सबसे ज्यादा शोषण हो रहा है, जिसमें नक्सली स्वयं शामिल हैं.

मजदूरों को कितना पैसा मिल रहा जानकारी नहीं : निरंजन

वन विभाग के डिवीजनल प्रबंधक, जमशेदपुर निरंजन कुमार से सम्पर्क करने पर उन्होंने बताया कि बीड़ी पत्ता की नीलामी झारखंड वन निगम, रांची से होती है. इस बार प्रति मानक बोरा मजदूरी दर 1750 रुपये निर्धारित है. एक मानक बोरा में 500 पोड़ा बीड़ी पत्ता आता है. उन्होंने कहा कि जंगल स्थित फांड़ी से गोदाम तक बीड़ी पत्ता ले जाने हेतु ठेकेदार को उस रेंज के वन विभाग द्वारा टीपी दिया जाता है. मजदूरों को कितना पैसा मिल रहा है, उसकी जानकारी नहीं है.

भाजपा झूठ की राजनीति करती है : दीपक बिरुवा

चाईबासा। झामुमो कार्यकर्ताओं ने ओडिशा मयूरभंज रायरंगपुर क्षेत्र से झामुमो सांसद प्रत्याशी अंजली सोरेन एवं एमएलए प्रत्याशी सोनाराम टुडू के पक्ष में जन संपर्क अभियान चलाकर जनता से समर्थन मांगा. बहलदा के बड़ेडीह में ग्रामीणों के साथ बैठक की. मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा एवं झामुमो कार्यकर्ता व समर्थकों ने झामुमो प्रत्याशी अंजली सोरेन एवं एमएलए प्रत्याशी सोनाराम टुडू के पक्ष में तीर धनुष छाप पर वोट देने की अपील की.

मौके पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि भाजपा के 10 साल के शासन में महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं पर अत्याचार सहित कई अनियमितताएं हुई हैं. भाजपा झूठ की राजनीति करती है. जनता भाजपा के झूठे वादों से त्रस्त है. अब भाजपा वाले 400 पार का नारा लगाते हुए देश का संविधान बदलने एवं आरक्षण को समाप्त करने की बात कह रहे हैं. ऐसा कभी नहीं होने दिया जाएगा. इसके पूर्व स्थानीय ग्रामीणों ने नगाड़े की धुन पर नाचते गाते मंत्री दीपक बिरुवा का स्वागत किया.

प. सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स में बनाए जा रहे नए सदस्य

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की सत्र 2023-25 की पांचवीं कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को हुई. एक रेस्टोरेंट में चैंबर के अध्यक्ष राजकुमार ओझा की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में विशेष कोषाध्यक्ष आयुष दोदराजका ने पिछले आय-व्यय का संपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया. राधा मोहन बनर्जी को ट्रांसपोर्ट समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित कर उनका पत्र दिया गया. बैंक समिति के अध्यक्ष जक्की खान को भी चैंबर ने पत्र देकर नामित किया. रघुनंदन फिरोजीवाला को वस्त्र एवं जूता समिति का अध्यक्ष नामित किया गया. जीएसटी समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता को चैंबर ने पत्र देकर नामित किया.

चैंबर द्वारा निर्णय लिया गया कि चाईबासा में चैंबर के सदस्य बनाने की प्रक्रिया इस माह के बाद बंद कर दी जाएगी. जगन्नाथपुर और चक्रधरपुर अनुमंडल में सदस्य बनाने की अंतिम तिथि 30 जून है. मौके पर महासचिव संतोष सिन्हा, सह सचिव इम्तियाज खान, छोटेलाल गुप्ता, छोटेलाल तामसोए, अमित ठाकुर, जगविंदर प्रताप सिंह, प्रकाश उपाध्याय, प्रमोद खिरवाल, पवन अग्रवाल, सर्वेश प्रसाद, संजय प्रसाद साथ ही अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे.

ईचागढ़ में चलाया नशा मुक्ति अभियान

संवाददाता। चांडिल

नालसा, झालसा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार व अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति चांडिल के तत्वावधान में सोमवार को ईचागढ़ प्रखंड के रानीडीह में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया. ईचागढ़ प्रखंड के पारा लीगल वॉलिंटियर कार्तिक गोप ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गांव में प्रभात फेरी निकाली. इस दौरान लोगों को जागरूक किया गया और नशे से दूर रहने की अपील की गयी. मौके पर कार्तिक गोप ने कहा कि देश के भविष्य और तरक्की के लिए नशा सबसे बड़ी रुकावट है. यह परिवार और समाज के लिए एक अभिशाप है. इसके बावजूद लोग इसके आदी होते जा रहे हैं.

कार्तिक गोप ने कहा कि नशा एक सामाजिक समस्या है, जो दीमक की तरह समाज, परिवार और देश को

एक व्यक्ति के नशा करने से पूरा परिवार नष्ट

विनाश की ओर ले जाता है. नशा करना एक प्रकार से आत्महत्या करने जैसा है. एक व्यक्ति के नशा करने से पूरा परिवार नष्ट हो जाता है. उसकी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है. नशे के कारण इंसान एक दिन पूरी तरह बर्बाद हो जाता है. उन्होंने कहा कि नशा करना तो दूर नशा करने के लिए प्रेरित करना भी घोर पाप है. नशे के कारण दिन प्रतिदिन हिंसा, शोषण, बलात्कार, दुर्घटना जैसे अमानवीय कृत्य हो रहे हैं. इसलिए नशा के खिलाफ सभी को एकजुअता दिखाते हुए इससे मुक्ति पाना होगा. कार्यक्रम में ठाकुर दास गोप, रानी गोप, अनुरुद्ध गोप, कामदेव गोप समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे.

एनआईटी जमशेदपुर में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग कोर्स शुरू

संवाददाता। आदित्यपुर

खास बातें

- स्मार्ट विनिर्माण, उद्योग 4 .0 का महत्वपूर्ण पहलू
- कई प्रतिष्ठित संस्थानों के वक्ता हो रहे शामिल

एनआईटी जमशेदपुर के उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग में उद्योग 4.0 की ओर से स्मार्ट विनिर्माण नामक पांच दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम की शुरुआत सोमवार से हुई है. प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में आयोजित उद्घाटन समारोह में आधुनिक विनिर्माण तकनीक के क्षेत्र में एक ज्ञानवर्धक यात्रा की नींव रखी गई है.

उद्घाटन सत्र में एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रोफेसर गौतम सूत्रधर, मुख्य अतिथि जयदेव पाटसानी, रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड जमशेदपुर के प्लांट 4 के हेड और सम्मानित अतिथि प्रोफेसर अंजनी कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष ने कोर्स की जानकारी दी. स्मार्ट विनिर्माण, उद्योग 4.0 का एक महत्वपूर्ण पहलू है. इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक प्रगति के उपयोग के साथ, निर्माता अधिक कुशल, अतुलनीय और परस्पर जुड़े उत्पादन सिस्टम तैयार कर सकते हैं. यह परिवर्तनकारी बदलाव निर्माताओं को डिजिटलीकरण द्वारा परिभाषित युग में फलने-फूलने का अधिकार देता है.

पांच दिवसीय पाठ्यक्रम में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, सीएसआईआर लैब्स और उद्योग विशेषज्ञों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ता शामिल हो रहे हैं. देश भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, डॉक्टरेट उम्मीदवारों और संकाय सदस्यों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें नामांकन कराया है. यह कोर्स अमूल्य अंतर्दृष्टि और कौशल से लैस करने का वादा करता है, जो नेविगेट करने के लिए महत्वपूर्ण है. एनआईटी जमशेदपुर में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग कोर्स के इस उद्घाटन संस्करण में सभी प्रतिभागियों के लिए एक परिवर्तनकारी सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है.

पूर्वी सिंहभूम लघु उद्योग भारती की कमेटी का सामूहिक इस्तीफा

संवाददाता। आदित्यपुर

प्रांतीय बैठक की सूचना नहीं देने से हुए नाराज

प्रांतीय बैठक की सूचना नहीं मिलने पर लघु उद्योग भारती (लउभा) की पूर्वी सिंहभूम कमेटी ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है. पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष अमलेश झा, उपाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह, महासचिव राजेश्वर जायसवाल और कोषाध्यक्ष पंकज कुमार झा ने अपना-अपना इस्तीफा ईमेल से प्रदेश अध्यक्ष विजय छापड़िया को भेजा है.

बता दें कि लघु उद्योग भारती की पूर्वी सिंहभूम ईकाई में 70 सक्रिय सदस्य हैं, जो लगातार 2 बार से अमलेश झा को अपना अध्यक्ष चुने थे. इस्तीफे की वजह बताते हुए अमलेश झा ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्षों से प्रदेश नेतृत्व निष्क्रिय हो गया था, जबकि संगठन का उद्देश्य राष्ट्रहित और उद्योग हित है.

उन्होंने बताया कि डेढ़ वर्षों में उद्योग हित में सकारात्मक विचार, आवश्यक दिशा निर्देश, उद्योग उन्मुख कार्यक्रम का घोर अभाव देखा जा रहा था.

बता दें कि प्रदेश कमेटी की इसी कार्यशैली से खफा होकर पिछले साल दिसंबर में सरायकेला के उद्यमियों ने संगठन से अलग हटकर इसरो नामक नया संगठन बना लिया है, जिसमें वर्षों से संगठन से जुड़े वरिष्ठ उद्यमी शामिल हैं.

बताया जाता है कि रविवार को आदित्यपुर के किसी होटल में लघु उद्योग भारतीय की प्रांतीय कमेटी की बैठक बुलाई गई थी, जिससे पूर्वी सिंहभूम कमेटी को अलग रखा गया था. इसी वजह से स्वयं को उपेक्षित समझते हुए पूर्वी सिंहभूम की पूरी कमेटी ने सामूहिक इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है.

पटमदा के बामना गांव में सर्पदंश से महिला की मौत

जमशेदपुर। जमशेदपुर से सटे पटमदा थाना अंतर्गत बामनी गांव निवासी 52 वर्षीय महिला सुकुरमणि सिंह की सर्पदंश के बाद एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. रविवार-सोमवार रात 2 बजे सुरुरमणि को सांप में डसा था. तबीयत बिगड़ने पर इसे सोमवार की सुबह इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि सुकुरमणि कमरे में जमीन पर अकेले ही सोई हुई थी. देर रात उसके एक हाथ की उंगली पर अचानक सांप ने डंस लिया.

विद्यार्थियों को दिए स्वस्थ जीवन शैली के मंत्र

संवाददाता। चाईबासा

रोटरी क्लब चाईबासा द्वारा स्थानीय मारवाड़ी हिन्दी मध्य विद्यालय में एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं के बीच स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए स्कूल स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया.

क्लब द्वारा डॉ विजय मुंधडा, डॉ वीणा मुंदड़ा एव प्राचार्य निर्मल त्रिपाठी का स्वागत करते हुए उनका रोटरी क्लब की तरफ से आभार प्रकट किया. चाईबासा रोटरी क्लब स्वस्थ जीवन शैली जागरूकता कार्यक्रम के अलावा अन्य स्कूलों में भी आई स्क्रीनिंग टेस्ट तथा सीपीआर ट्रेनिंग का श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. डॉ विजय मुंदडा मुंदडा ने उन्हें स्वस्थ आहार, नाश्ता ना छोड़ना, पर्याप्त मात्रा में फल और सलाद लेना, जंक फूड से बचना, मोबाइल पर समय कम करना और शारीरिक गति में संलग्न रहना ,साइकिल चलाना, व्यायाम करना ,योगा करना के बारे में शिक्षित किया. डॉ वीणा मूंदड़ा ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी.

क्लब की तरफ से डॉक्टर एवं प्राचार्य को एक स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन रीतेश मूंधड़ा ने किया. धन्यवाद ज्ञापन हर्ष राज मिश्रा ने किया. मौके पर सुनीत खिरवाल, रमेश दत्तानी, नरेंद्र ठक्कर, शीतल मुंदड़ा, नवजीत सिंह, दीपक प्रसाद, प्रवीण पटेल, सौरभ प्रसाद, महेश खत्री, सुशील चौमाल, अंजू राठौर, प्रशांत गुप्ता, राजेश राठौर एवं विद्यालय के शिक्षक श्री अरुण कुमार आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

जलमीनार बंद, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बेन्दा गांव का जल मीनार पिछले दो साल से भी अधिक समय से बंद है. ग्रामीणों के मुताबिक गांव में लगभग 30 परिवार और लगभग 250 लोग निवास करते हैं. जलमीनार खराब होने से ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. फिलहाल ग्रामीण दूसरे टोले में निर्मित जलमीनार एवं कुएं से अपनी प्यास बुझाने को मजबूर हैं. वहीं कई ग्रामीणों ने कहा कि वे कई बार संबंधित विभाग के ठेकेदार को भी सूचना दी गई है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं किया गया है.

दुर्घटना में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के पाथरी पंचायत अंतर्गत डींगासाई गांव की महिला लक्षी नायेक (59) की बीती रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, महिला बाइक से बहरागोड़ा बाजार से अपने गांव लौट रही थी. बहरागोड़ा चौरंगी मुख्य सड़क पर केंवलाडींगा के समीप बाइक के फिसलने से महिला घायल हो गई थी. स्थानीय लोगों की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद महिला को पीआरएम मेडिकल कॉलेज बरीपदा ले गए. वहां चिकित्सा के दौरान डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.

चाईबासा में पंडित नेहरू की पुण्य तिथि मनाई

चाईबासा। सोमवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाईबासा के कांग्रेस भवन में कांग्रेसियों ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरु की पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई. इस अवसर पर सर्व प्रथम कांग्रेसियों ने स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरु की तस्वीर पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की. इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर दास, जगदीश सुन्डी, रंजीत यादव, तोहिद आलम, मोहम्मद सलीम,जहांगीर आलम, सकीला बानो, इम्तियाज खान, सुरेंद्र टोपनो, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैया, रुप सिंह बारी, सुशील कुमार दास इत्यादि मौजूद थे.

पुण्यतिथि पर याद किये गए जवाहरलाल नेहरू

घाटशिला। झारखंड कांग्रेस प्रदेश सचिव सनत कालू चक्रवर्ती के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस पार्टी ने आईसीसी कंपनी गेट के सामने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस अवसर पर कालू चक्रवर्ती ने कहा कि पंडित नेहरू के मूल्य सदैव हम सबका मार्गदर्शन करते रहेंगे. मौके पर बादल गिरी, विजय सीट, भुजंगा भूषण मन्ना, रपिंदर सिंह, राजा दत्ता, बाबू राव, मुचीराम मांझी, शेख आजाद, रवि दास, आफताब आलम, वीरेन सोरेन, गोपू विश्वास, सचिन सरकार, संदीप त्रिपाठी, अजय दे, प्रमोद सिंह, सुकुमार दत्ता, विश्वनाथ प्रताप सहित अन्य उपस्थित रहे.

शिक्षा व्यवस्था थोलकोबाद के नाम पर बना था अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय

जिस गांव के नाम पर स्कूल वहीं के बच्चों का नहीं हो रहा नामांकन

संवाददाता। किरीबुरू

नक्सलियों द्वारा 2005 में उड़ाये गये आवासीय विद्यालय के सामने खडे. मासूम बच्चे आवासीय विद्यालय में नामांकन हेतु गुहार लगाते.

सारंडा जंगल स्थित थोलकोबाद गांव कभी नक्सलियों की राजधानी थी. इस गांव के नाम पर अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय थोलकोबाद, कैम्प मनोहरपुर खोला गया है. लेकिन विडंबना है कि इस गांव के बच्चों का ही नामांकन उक्त विद्यालय में नहीं हो रहा है. इस कारण थोलकोबाद और आस-पास के गांवों में सरकार और शिक्षा विभाग के प्रति ग्रामीणों में आक्रोश है.

उल्लेखनीय है कि दशकों पूर्व जब झारखंड अलग राज्य भी नहीं बना था, तब से बिहार सरकार ने सारंडा के सुदूरवर्ती गांव थोलकोबाद में उक्त स्कूल का निर्माण किया था. आवासीय स्कूल का निर्माण का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र के गरीब आदिवासियों के बच्चों को यहां रख कर प्रारम्भिक शिक्षा देना था.

2005 में 85 बच्चे पढ़ते थे आवासीय कैम्प विद्यालय में : वर्ष 2005 से पूर्व थोलकोबाद स्थित अनुसूचित जनजाति आवासीय कैम्प विद्यालय में लगभग 85 बच्चे पढ़ते थे. वर्ष 2001 में सारंडा में नक्सलियों का आगमन एवं उनके द्वारा थोलकोबाद को अपना मुख्यालय बनाने के बाद से ही मानो इस गांव समेत पूरे सारंडा जंगल को किसी की नजर लग गई.

नक्सलियों ने वर्ष 2005 में थोलकोबाद के ग्रामीणों को इकठ्ठा कर आवासीय विद्यालय के सारे बच्चों व शिक्षकों को बाहर निकाल दिया. इसके बाद बच्चों के सामने ही आइइडी लगाकर पूरे स्कूल भवन को उड़ा दिया.

कई वर्षों तक बच्चे अपने-अपने घर मे रहे. लेकिन बाद में इस स्कूल को मनोहरपुर में स्थानान्तरित कर अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय, थोलकोबाद, कैम्प मनोहरपुर से संचालित कर नामांकित सारे बच्चों को वहां ले जाया गया.

नामांकन शुरू होने की कोई जानकारी नहीं दी गई : थोलकोबाद निवासी बिमल होनहागा, गुमिदा होनहागा व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव के कई बच्चों का नामांकन इस स्कूल में कराना था, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने नामांकन प्रारम्भ होने संबंधी कोई जानकारी नहीं दी. बाद में पता करने पर बताया कि इस स्कूल में नामांकन की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है. स्कूल में अब सीट खाली नहीं है.

ऐसे में हमारे गांव के गरीब बच्चे कहां जायें. ग्रामीणों ने सरकार व शिक्षा विभाग से मांग की है कि इस स्कूल को पहले की तरह हमारे गांव थोलकोबाद में लाया जाये. गांव में नया स्कूल भवन व छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग सीटों की संख्या बढ़ाकर पढ़ाई की बेहतर सुविधा प्रदान की जाये, क्योंकि अब गांव में नक्सल समस्या नहीं है. नामांकन से जुड़े मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पर कार्यवाही हो.

ब्रीफ खबरें

डीडीसी ने की पंचायतवार योजनाओं की समीक्षा

भवनाथपुर। प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को गढ़वा डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा ने पंचायतवार योजनाओं की समीक्षा बैठक की. इस दौरान प्रखंड कर्मी के साथ-साथ सभी पंचायत के मुखिया उपस्थित थे. बैठक में मुख्य रूप से संचालित प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास, मनरेगा योजनाओं की विस्तारपूर्व जानकारी ली. जिसमें कुछ योजनाओं में धीमी गति पर डीडीसी ने असंतोष जताया और संबंधित विभाग के लोगों को एक सप्ताह में कार्य को प्रगति पर लाने का निर्देश दिया. डीडीसी श्री मिश्रा ने बताया कि अभी सरकार के निर्देशानुसार चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की जा रही है.

मनरेगा योजनाओं को चालू कराने की मांग

केतार। प्रमुख चंद्रावती देवी ने डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा को आवेदन देकर कहा है कि प्रखंड अंतर्गत मनरेगा से संबंधित सभी तरह की योजना को बंद कर दिया गया है. जिस कारण मनरेगा मजदूरों के सामने भयावह की स्थिति उत्पन्न हो गई है. श्रीमती देवी ने कहा कि पूर्व से जो योजना संचालित थी उसे भी रोककर रख दिया गया है, जिसके कारण लाभुकों का मनरेगा से मोह भंग होते जा रहा है. धीरे धीरे लाभुक प्रखंड कार्यालय भी आना जाना बंद कर रहे हैं. इसलिए जितना जल्द हो सके मनरेगा से संबंधित, टीसीबी, मेडबंदी, लूज बॉर्डर स्ट्रक्चर, समतलीकरण जैसे योजना को तत्काल शुरू कराया जाय.

बाइक से गिरकर अधेड़ महिला घायल, रेफर

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद थाना के महूदंड गांव निवासी अंतु परहिया के 55 वर्षीय पत्नी सोना देवी बाइक पर से गिरकर घायल हो गयी, बताया जा रहा है कि महिला बाइक पर बैठ कर कहीं जा रही थी.उसी क्रम में अनियंत्रित होकर बाइक से नीचे गिर गयी. जिसके बाद महिला बेहोश हो गयी. बेहोशी की हालत में महिला को परिजनों ने अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में भर्ती कराया. जहां से डॉक्टरो ने इलाज के बाद मेदिनीनगर रेफर कर दिया.

भंडरा से नाबालिग लड़की लापता, मामला हुआ दर्ज

भंडरा(लोहरदगा)। भंडारा थाना क्षेत्र के भैंसमुंदो टंगरा टोली गांव से 12 वर्षीय नाबालिग लड़की लापता हो गई है. लापता लड़की की पहचान आशा कुमारी पिता बजरंग महली,ग्राम लकेया थाना सिसई जिला गुमला का निवासी है. वर्तमान में वह अपने नाना के यहां ग्राम भैसमुंदो टंगरा टोली में रहती थी. 24 मई की दोपहर को अचानक बिना बताए घर से निकलकर कहीं चली गई . जो आज तक घर वापस नहीं लौटी है. नाबालिग लड़की आशा कुमारी के नाना ने गुमशुदगी का मामला भंडरा थाने में दर्ज कराया है. उधर किशारी के परिजन सभी संभावित जगहों पर उसे ढूंढ रहे है.

गुमला में युवक ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

गुमला । सदर थाना क्षेत्र के उर्मी निवासी सूरज साहु 25 वर्ष ने रविवार की रात घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया ओर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया. जानकारी के अनुसार रविवार की रात पति पत्नी के बीच विवाद के बाद सूरज ने फांसी लगाकर अपना जीवन लीला समाप्त कर लिया.

लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद वोटों की गिनती के लिए मतदानगणना कर्मियों को मिला प्रशिक्षण

पोस्टल बैलेट काउंटिंग के लिए दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता। मेदिनीनगर

लोकसभा आम चुनाव के तहत पलामू संसदीय क्षेत्र के लिए मतों की गिनती चार जून को गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज परिसर में होगी. इसी को लेकर इलेक्ट्रानिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम (ईटीपीबीएस) के तहत आने वाले ई पोस्टल मतों की गणना कैसे की जाए, इसे लेकर सोमवार को जिला सूचना व विज्ञान पदाधिकारी रणबीर सिंह ने समाहरणालय सभागार में काउंटिंग सुपरवाइजरों व काउंटिंग असिस्टेंट को प्रशिक्षण दिया. ईटीपीबीएस के तहत प्राप्त ई पोस्टल बैलेट को गणना के पहले क्यूआर कोड स्कैनर से ई पोस्टल बैलेट को स्कैन करके उसकी वैद्दता की जांच की जाती है जाँच के दौरान सही पाये गये ई पोस्टल बैलेट को, पोस्टल बैलेट के गणना हेतु बने मतगणना हौल में इनकी गिनती की जाती है. इस दौरान उन्होंने सभी को मतों को खोलने और गिनने की प्रक्रिया के विषय के बारे में जिला सूचना व विज्ञान पदाधिकारी के द्वारा प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इस दौरान फॉर्म 13 ए, 13 बी,13 सी को कैसे स्कैन करना है तथा उसके पश्चात उसे कैसे खोलना है आदि के बारे में बताया गया. स्कैनिंग के उपरांत रिजेक्टेड व वैलिड मतपत्र को अलग-अलग बास्केट में रखना है इससे संबंधित अन्य जानकारी भी दी गई. प्रशिक्षण में प्रशिक्षण कोषांग एवं पोस्टल बैलेट कोषांग के पदाधिकारी उपस्थित थे.

मतगणनाकर्मियों को प्रशिक्षण देंगे प्रशिक्षित प्रशिक्षक

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशिरंजन के आदेशानुसार सटीक, नियमित, निष्पक्ष व पारदर्शी मतगणना के लिए प्रशिक्षकों की टीम 28 मई को स्थानीय गिरिवर प्लसटू उच्च विद्यालय में मतगणकों को प्रशिक्षण देगी. इसके लिए सोमवार को समाहरणालय के ब्लॉक-ए के सभागार में मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण में सदर एलआरडीसी प्यारेलाल व छतरपुर एलआरडीसी विजय कुमार केरकेट्टा ने पोस्टल बैलेट की गणना की बारीकियों व मतगणना संबंधी अनेक सावधानियों के बारे में बताया. जिला प्रशिक्षक परशुराम तिवारी ने मतगणना सहायक, मतगणना पर्यवेक्षक व सूक्ष्म प्रेक्षकों के कार्यों एवं सीयू से मतों की गणना करते हुए 17सी के भाग-2 में उम्मीदवारों के प्राप्त मतों को दर्ज करने, मतगणना एजेंट से हस्ताक्षर कराने तथा उन्हें भी एक प्रति देने संबंधी नियमों की क्रमानुसार जानकारी दी. जिला प्रशिक्षक रामानुज प्रसाद ने वीवीपैट के पर्चियों की गणना प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया. वहीं अमरेन्द्र पाठक व अशोक सिंह ने कंट्रोल यूनिट के रिजल्ट सेक्शन से एड्रेस टैग एवं ग्रीन पेपर सील हटाने की विधि एवं मतों के प्रदर्शन तथा इसके दुहराव की जानकारी दी.

जल जीवन मिशन योजना फेल, पानी पहुंचाने के नाम पर लाखों की लूट

बोरिंग फेल,फिर भी बना दिया पांकी में जलमीनार

शिवशंकर पासवान। पांकी (पलामू)

संवेदक और मुखिया पति पर मनमानी करने का आरोप

जिले के पांकी प्रखंड के सुड़ी पंचायत में जल जीवन मिशन योजना के तहत लगाए गए जलमीनार हाथी का दांत साबित हो रहा है. यहां बोरिंग करने में मनमानी की गयी है. बोरिंग फेल होने के बावजूद संवेदक द्वारा जलमीनार बना दी गयी है. बोरिंग में पानी नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है. लोग आज भी बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं.

जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन योजना के तहत पांकी प्रखंड के सुड़ी गांव में लाखों की योजना से लोगों के घरों तक पाईप बिछाकर पानी पहुंचाने को लेकर बोरिंग कर जल मिनार लगाया गया, ताकि सभी के घरों तक पानी पहुंच सके.

यह जलमीनार एक सिर्फ दिखावा बनकर रह गया. जब से बोरिंग कर जलमीनार लगाया गया है, तब से लेकर आज तक एक बूंद भी पानी यहां नल से नहीं गिरी. गांव में युवा समाजसेवी सह पूर्व पंसस संतोष चंद्रवंशी, मनोज पासवान, कलावती देवी, सीता कुंवर, घुनरी देवी आदि लोगों का कहना है कि बोरिंग फेल होने के बावजूद भी ठेकेदार ने जल मीनार बैठा दिया.और कोरम पूरा कर लिया गया. आलम यह है कि छह माह से यह पानी टंकी का जल मीनार सरकारी शोभा बनकर रह गई है और लोग यहां पानी को तरस रहे हैं. गांव के लोगों ने पेयजल विभाग और संवेदक पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पानी की विकराल समस्या है, आसपास के सारे कुएं - तालाब सूख चुके हैं. यहां के लोगों को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि बोरिंग और जल मीनार बैठाने में बड़े पैमाने पर धांधली बरती गई है. पंचायत के मुखिया पति लोकनाथ यादव, मुखिया पुत्र और उनके बिचौलियों ने काम कराया है. लोगों को घरों तक पानी पहुंचाने के लिए पाइप बिछा कर उनके घर के पास नल का कनेक्शन दिया गया है. ताकि लोगों को उस नल कनेक्शन से पानी मिल सके. लेकिन पाइप बिछाने और नल कनेक्शन देने में काफी अनियमितता बरती गई है. गुणवत्ता पूर्ण तरीके से काम नहीं किया गया. जिसका कारण हैं कि नल कनेक्शन जहां तहां बर्बाद हो गया.

जल संकट

- बूंद - बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं सुड़ीवासी
- शोभा की वस्तु बन गई पांकी के सुड़ी गांव की जलमीनार

संवेदक और मुखिया पति पर मनमानी करने का आरोप

जल मीनार से पानी नहीं मिलने से नाराज पांकी प्रखंड के सुड़ी गांव के गांव में युवा समाजसेवी सह पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष चंद्रवंशी, मनोज पासवान, कलावती देवी, सीता कुंवर, घुनरी देवी आदि लोगों ने संवेदक के साथ पंचायत के मुखिया पति लोकनाथ यादव, मुखिया पुत्र और उनके बिचौलियों पर मनमानी करने का आरोप लगाया है. लोगों का आरोप है कि मुखिया पति लोकनाथ यादव पक्ष विपक्ष की भावना रखते हुए जल जीवन मिशन के तहत बोरिंग और जल मीनार लगाने में गड़बड़ी किया है. संतोष चंद्रवंशी ने कहा कि जहां मुखिया का विपक्ष लगा वहां मुखिया पति के द्वारा कम बोरिंग कराने का काम किया गया.

नहीं मिला एक बूंद भी पानी

पांकी के सुड़ी गांव के लोगों का आरोप है कि उन्हें जल मीनार से नल कनेक्शन के द्वारा एक बूंद भी पानी नहीं मिला. पानी मिलने से पहले ही नल कनेक्शन खराब हो गया है. जहां तहां नल कनेक्शन टूट फूट गया है. कई जगहों पर पाइप लाइन सही तरीके से नहीं बिछाया गया है. गांव के युवा समाजसेवी सह पूर्व पंसस संतोष चंद्रवंशी ने खराब हुए नल कनेक्शन दिखाते हुए कहा कि यहां ठेकेदार की मिलीभगत से मुखिया पति व, मुखिया पुत्र और उनके बिचौलियों के द्वारा बोरिंग और जल मीनार लगाने का काम किया गया है.

बांसडीह घाटी में ऑटो पलटी, आठ हुए घायल

गुमला। गुमला प्रखंड क्षेत्र के बांसडीह घाटी में सोमवार की सुबह ऑटो के पलटने से ऑटो सवार आठ लोग घायल हो गए. घायलों में इलिसबा मिंज 22 वर्ष, बेटी सृष्टि मिंज पांच वर्ष, बेटा रीचर्ड मिंज सात वर्ष, इलिसबा की मां विमला मिंज, इनके रिश्तेदार नीच डुमरी के जयंती टोप्पो 35 वर्ष, भूषण टोप्पो 25 वर्ष, अमृता टोप्पो,अनामिका टोप्पो आदि के नाम शामिल है. स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया. जानकारी के अनुसार नीचे डुमरी के जयंती टोप्पो के परिवार को हिमाचल प्रदेश जाना था. हिमाचल प्रदेश जाने से पहले सभी लोग विमला मिंज के घर मेहमानी गए थे और आज हिमाचल प्रदेश जाने के लिए गुमला आ रहे थे. बांसडीह घाटी के समीप ऑटो पलट गया और सभी घायल हो गए.

कांडी में चहारदीवारी निर्माण के लिए लोगों ने दिया सहयोग

कांडी। प्राचीन पोखरा के नजदीक शिव मंदिर का चहारदीवारी निर्माण को लेकर दर्जनों लोगों ने पहले दिन ही अपना सहयोग प्रदान कर उदारता का परिचय दिया है. सहयोग देने वालों में बाबूलाल प्रसाद 21 हजार, रामनाथ प्रसाद छरी एक टेलर, प्रमोद चौरसिया छरी एक ट्रीप, मुखिया विजय राम 50 बैग सीमेंट, अनूप कुमार बीडीसी प्रतिनिधि 2000, कृष्ण बारी 5100, जेपी सोनी 5100, राजेश होटल 5100, सत्येंद्र प्रसाद गुरुजी 5000, उदय राम गुरुजी 2100, भोला घड़ी दुकान 2100, विनोद मेहता 2100, मनी सोनी 2100, दीपक सोनी 2100, शशि फास्ट फूड 1100, बबलू प्रसाद 2100, मुरली प्रसाद होटल 1100, गुड्डू माही 2100, ने अपना अपना सहयोग प्रदान किया.

नपं ने जलजमाव हटाया,पानी की निकासी के लिए पाइप बिछवाई

संवाददाता लातेहार

नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर आठ में फैली गंदगी व जलजमाव की खबर शुभम संदेश ने अपने 27 मई के अंक में प्रकाशित की थी. खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत हरकत में आया. नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर क्षेत्र पर्यवेक्षक रंधीर कपूर स्थल पर पहुंचे. उन्होंने मजदूरों से गंदगी को साफ कराया. साथ ही जलजमाव ना हो और पानी की निकासी हो सके, इसके लिए पाइप लाइन बिछवाया.

लोगों को इस रास्ते से आने-जाने में हो रही थी काफी परेशानी

बता दें कि वार्ड नंबर आठ में गंदगी फैसले और जलजमाव होने से न सिर्फ पैदल चलने वालों को बल्कि वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही थी. यह सड़क कई जगहों को जोड़ती है. जुबली रोड से इसी सड़क का प्रयोग कर लोग प्राचीन शिव मंदिर और साप्ताहिक मंगलवारीय बाजार जाते हैं. इस पथ का इस्तेमाल ना सिर्फ लातेहार बल्कि हेरहंज और बालुमाथ के व्यापारी भी करते हैं.

पानी भरने गयी नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

मनातू (पलामू)। जिले के मनातू थाना क्षेत्र में हैंडपंप पर पानी भरने के दौरान 14 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना के आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया है. गिरफ्तार आरोपी देवनाथ सिंह उर्फ देवनाथ कुमार के खिलाफ पॉक्सो समेत कई गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है. जानकारी के अनुसार 25 मई को हैंडपंप पर पानी भर रही पीड़िता के पास देवनाथ सिंह पहुंचा और अपहरण कर लिया. अपहरण के बाद आरोपी नाबालिग को गांव के नदी किनारे ले गया, जहां दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया. घटना के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी परिजनों को दी और परिजनों ने पूरे घटना की जानकारी मनातू थाना पुलिस को दी. छानबीन में पुलिस को पता चला कि आरोपी देवनाथ सिंह अपने एक करीबी रिश्तेदार के घर पर छिपा हुआ है. इसके बाद पुलिस ने आरोपी को उसके रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार कर लिया. मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पोक्सो समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

पलामू एसपी ने दिये एक लाख 20 हजार रुपये

पैसे के अभाव में जब अस्पताल ने जवान का शव देने से मना किया

अरूण कुमार सिंह। मेदिनीनगर

पलामू में पूर्व एसपी चंदन कुमार सिन्हा की चर्चा लोगों क तत्काल खून मुहैया कराने के लिए होती थी . वर्तमान एसपी अपने जवानों की त्वरित मदद के लिए चर्चा में रहती हैं.

बताया जा रहा है कि पलामू जिले में प्रतिनियुक्त आरक्षी प्रदीप पासवान (जो गढ़वा जिला के रहने वाले थे) का लीवर और किडनी से संबद्ध बीमारी का इलाज एआइजी अस्पताल हैदराबाद में चल रहा था जहां काफी खर्च हो जाने के बावजूद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका . इलाज के दौरान ही उनका परिवार आर्थिक रूप से बिल्कुल टूट चुका था . उनकी मौत के बाद अस्पताल ने बकाया 1 लाख 20 हजार रुपये देने के बाद ही शव देने की बात कही तो प्रदीप पासवान के परिजनों ने पलामू के पुलिस मेंस एसोसिएशन से बात की . एसोसिएशन के लोगों ने पूरी बात पलामू एसपी रिष्मा रमेशन को बतायी तो उन्होंने तत्काल एक लाख 20 हजार रुपये हैदराबाद भिजवायी तब जाकर जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव आ सका .

एसपी के इस कार्य की सराहना करते हुए पुलिस मेंस एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि जब कभी पुलिस जवान पर संकट आता है, पुलिस अधीक्षक खुद खड़ी होकर जवानों की मदद करती हैं . उनकी पहल से ही जवान का शव आज सुबह उनके गांव कलशबारिया आ सका . गढ़वा पुलिस एवं पलामू पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा पुलिस जवान के गांव गढ़वा जिला के कलश बारिया में सलामी दी गई . सलामी में मुख्य रूप से पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रदेश संयुक्त सहायक मंत्री लालेश्वर राम, पलामू जिला के मेंस एसोसिएशन के सचिव लालू उरांव,सहित कई पुलिस जवान और अधिकारी शामिल हुए.सलामी कार्यक्रम के बाद पुलिस मेंस एसोसिएशन पलामू के द्वारा तत्काल दाह संस्कार के लिए 25 हजार रुपए की सहयोग राशि भी पीड़ित परिवार को दी गयी .

अव्यवस्था

ब्लॉक परिसर के बाहर खड़े वाहन पर मशीनें, नहीं मिल रहा नगरवासियों को लाभ

आम लोगों की सुविधा के लिए खरीदी गई मशीनें फांक रहीं धूल

संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

नपं में नागरिक सुविधाओं के लिये क्रय की गई महंगी मशीनों का लाभ नागरिकों को नहीं मिल रहा है. सारी मशीनें खड़ी खड़ी कबाड़ हो रही हैं. मशीनों का उपयोग नहीं होने से उनकी खरीद पर सवाल खड़े हो रहे हैं. जानकार बताते हैं कि महंगे मशीनों का खरीद नागरिक सुविधाओं की आड़ में कमीशन वसूलने के लिये की गई है.

नपं की ओर से शहर में लाईट लगाना हो, जलमीनार लगाना हो, वाहन या फिर मशीन की खरीददारी हो सबमें जबर्दस्त कमीशन खोरी हुई है. कमीशनखोरी के आगे शहरवासियों की सुविधाओं का तनिक भी ख्याल नहीं रखा गया. कमीशनखोरी का आलम यह है कि नपं की ओर से लाखों रुपये की लागत से खरीदा गया सैफ्टिक टैंक वाहन लावारिस की तरह ब्लॉक कैंपस में फेंका गया है. उक्त वाहन धूप, पानी और धूल फांककर खड़ा खड़ा कबाड़ा में तब्दील हो गया है. जबकि उक्त वाहन का एक दिन भी उपयोग नहीं किया गया है.

बताते चले कि नपं ने शहरवासियों की सुविधा के लिये एवं शौचालय टंकी की सफाई के लिये पांच वर्ष पूर्व लाखों रुपये की लागत से दो सैफ्टिक टैंक वाहनों को खरीदा गया था. किंतु वाहनों के संचालन के लिये चालकों की नियुक्ति नहीं की गई. नतीजा शहरवासियों को उसका लाभ आज तक नहीं मिल सका. इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि शौचालय टंकी से निकले अपशिष्ट को डिस्पोज करने के लिये कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण शौचालय टंकी की सफाई नहीं हो पा रही है. जल्द ही प्लांट निर्माण के लिये टेंडर कर टंकी की सफाई शुरू किया जायेगा.

किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है पुल

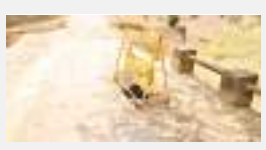

भवनाथपुर। थाना मोड़ मुख्य पथ से भवनाथपुर थाना को जोड़ने वाली पथ स्थित वर्षो पुरानी पुलिया किसी बड़े दुर्घटना को आमंत्रित कर रही है. उक्त पुलिया का निर्माण करीब 50 वर्ष पूर्व कराया गया था, जो अब जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गई है. पुल के नीचे से दोनों पिलर टूट चुकी है, साथ ही उक्त पुलिया के ऊपर की ढलाई टूटने से एक बड़ा सा होल बन चूका है. पुलिया जर्जर होने से पुलिस वाहन को भी बड़ी सावधानी से पुल से गुजरना पड़ता है, अगर पुलिस प्रशासन द्वारा किसी अवैध कार्य में संलिप्त बड़े वाहन को पकड़ा जाता है, तो उस वाहन को पुलिस द्वारा थाना मोड़ स्थित मुख्य पथ के किनारे ही खड़ा करना पड़ता है.

देवर ने भाभी के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की, दोनों गिरफ्तार

आशीष टैगोर। लातेहार

बरवाडीह के छिपादोहर थाना क्षेत्र में पति ने ही अपनी भाभी के साथ मिल कर अपनी पत्नी की हत्या की थी. हत्या कर शव को घर में लगे पाटन से लटका दिया था ताकि यह आत्महत्या प्रतीत हो सके. इतना ही नहीं उन्होने वहां एक हस्तलिखित सुसाइट नोट भी छोड़ दिया था.

उन्होने अपनी ओर से बचने की सारी तैयारियां कर रखी थी. लेकिन पुलिस की गिरफ्त से वे दोनो नहीं बच पाये. दरअसल गत 23 मई को बरवाडीह के छिपादोहर थाना क्षेत्र में गत 23 मई को एक नवविवाहिता मुनिता देवी का शव पुलिस ने घर में ही झूलता हुआ बरामद किया था. शव बरामद होने के बाद पुलिस हर बिंदु पर तफ्शीश कर रही थी. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर बरवाडीह एसडीपीओ वैंकटेश प्रसाद के नेतृत्व मे एक छापामारी टीम का गठन किया गया था. छापामारी टीम में पुअनि सह थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह, सअनि राजेश कुमार शामिल थे.

कबूला कि भाभी के साथ अवैध संबंध: टीम ने मुनिता के पति मनरूप कुमार सिंह (21) को हिरासत में ले कर सख्ती से पूछताछ की. पूछताछ में वह टूट गया और हकीकत कबूल कर दी.

न्यूज अपडेट

गायत्री प्रज्ञा कुंज में प्रखंड समन्वय समिति का गठन

लातेहार। गायत्री प्रज्ञा कुंज, चन्दनडीह लातेहार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया. अध्यक्षता लव कुमार तिवारी ने किया. मौके पर अखिल भारतीय गायत्री परिवार के प्रखंड समन्वय समिति का गठन किया गया. प्रखंड समन्वय दिलेश्वर यादव को बनाया गया. जबकि युवा समन्वयक प्रकाश गुप्ता, युवा उप समन्वयक संजीव कुमार और नारायण सोनी को बनाया गया. इस बैठक में दिलेश्वर यादव, कौशल शर्मा, प्रकाश गुप्ता, सन्दीप प्रसाद, सुनील कुमार, वीरेंद्र प्रसाद,नारायण सोनी एवं अन्य ने भाग लिया.

स्कूल जाने वाली सड़क वर्षों से खराब

किस्को/लोहरदगा। प्रखंड के सुदूरवर्ती देवदरिया पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जाने वाली सड़क दो किमी सड़क कच्ची होने के कारण स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में यह सड़क कच्ची होने के कारण स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. मामले में पंसस सुनील टोपनो का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए जिला प्रशासन को कई बार आवेदन दिया गया है परंतु अब तक कोई पहल नहीं की गई है.

जनता की समस्या का समाधान करता रहूंगा : अनिल

कैरो(लोहरदगा)। पूर्व विधायक स्व कमल किशोर भगत के छोटे भाई समाजसेवी अनिल टाना भगत लोहरदगा विधानसभा कैरो प्रखंड क्षेत्र के खरता नगजुवा पहुंचकर ग्रामीणों से रूबरू हुए. जनसमस्याओं के निपटारे के लिए पहल करने का भरोसा दिया. इस दौरान ग्रामीणों ने समाजसेवी अनिल टाना भगत के समक्ष आवास, वृद्धावस्था पेंशन, विकलांगता पेंशन, अबुआ आवास, पेयजल, सड़क, बिजली समेत कई अन्य समस्याओं से अवगत कराया . इसके निपटारा कराए जाने की बात रखी. मौके पर अरवींद उरांव, पर्वत उरांव, राजेश उरांव, कृष्णा उरांव, सुरेन्द्रर उरांव, धमेंद्र उरांव, प्रदीप उरांव, मंटू उरांव, पोलो उरांव, शंभु उरांव, देवन्द उराव बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

प्रशिक्षु आइपीएस को दी गयी विदाई

बरवाडीह(लातेहार)। 2021 बैच के प्रशिक्षु आईपीएस ललित मीणा का बरवाडीह थाना प्रभारी के रूप मे तीन माह का प्रशिक्षण अवधि समाप्त हो गया. रविवार की शाम थाना परिसर में विदाई समारोह का आयोजन उन्हें विदायी दी गयी. विदाई समारोह में श्री मीणा के अलावा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेंकटेश कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर संजय गुप्ता, थाना प्रभारी राधेश्याम सिंह, छिपादोहर थाना प्रभारी धीरज सिंह, मनिका प्रभारी जय प्रकाश शर्मा समेत कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे.

पेंशन के लिए बैंक का चक्कर लगा रहे लाभुक

महुआडांड़(लातेहार)। प्रखंड के सभी 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों का सहारा वृद्धा पेंशन भी इन दिनों उनका साथ छोड़ चुका है. प्रखंड में पिछले तीन महीनों से प्रतिदिन विभिन्न गांवों से बुजुर्ग प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर बैंक व सीएसपी के चक्कर लगाते नजर आ रहे हैं. 68 वर्षीय देबो देवी बताती हैं कि प्रत्येक महीना सरकार की ओर से वृद्धा पेंशन के रूप में एक हजार रुपये मिलता है जिससे दवा और इलाज में खर्च करती है. लेकिन पिछले तीन महीने से पेंशन का पैसा नहीं मिल रहा है. 74 वर्षीय जहाजी महलीन ने बताया कि पिछले तीन महीना से वृद्धा पेंशन के लिए 10 से 12 बार प्रखंड मुख्यालय आ चुकी हैं, लेकिन हर बार निराश होकर लौट जाती हैं. यहीं हाल प्रखंड के सैकड़ों बुजुर्गों का है. अधिकतर बुजुर्ग बताते हैं कि वे अपने पेंशन का पैसा इलाज व दवाई में खर्च करते हैं. विभाग की देरी से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

पलामू इप्टा ने मनाया 81वां स्थापना दिवस

मेदिनीनगर। 81वें स्थापना दिवस को इप्टा पलामू ने जन संस्कृति दिवस के रूप में मना। इप्टा ने 15 से 24 मई तक 10 दिवसीय बाल नाट्य कार्यशाला आयोजित किया गया था. कार्यशाला में सौरभ रंजन, मनीषा कुमारी, अंजली कुमारी, रेणु कुमारी, करिश्मा एक्का, सलोनी कुमारी, खुशी कुमारी, रिया कुमारी, सलमान हव्वारी, छोटू कुमार एवं अनुभव मिश्रा ने भाग लिया. मौके पर 25 मई को शाम में स्थानीय कोयल नदी के तट पर स्थित मरीन ड्राइव पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इप्टा पलामू के कलाकारों ने अपनी पहचान गीत अइल नगाड़ा ले के इप्टा मैदान में प्रस्तुत किया.

सड़क दुर्घटना में डीएमओ घायल, रेफर

लातेहार। एक सड़क दुर्घटना में सोमवार की अपराह्न जिला खनन पदाधिकारी नदीम सैफी घायल हो गये. उनका सदर अस्पताल लातेहार मे प्राथमिक इलाज कर रांची रेफर कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार श्री सैफी सोमवार को शहर के बानपुर इलाके में खनिज पट्टा की जांच के लिए गये थे. अचानक उनके कार का अगला पहिया ब्लास्ट कर गया और कार एक दीवार से टकरा गयी. इसमें कार का ड्राइवर व डीएमओ गंभीर रूप से घायल हो गये. दोनो को घायल अवस्था मे सदर अस्पताल लातेहार लाया गया. यहां उनका प्राथमिक इलाज कर रांची रेफर कर दिया गया.

शिव मंदिर की वर्षगांठ पर निकली कलश यात्रा

लातेहार। जिला मुख्यालय के धर्मपुर स्थित शिव मंदिर के पहले वर्षगांठ के दो दिवसीय अनुष्ठान की शुरूआत कलश यात्रा के साथ हुई. कलश यात्रा शिव मंदिर के प्रांगण से प्रारंभ हुआ.धर्मपुर होते हुए औरंगा नदी घाट तक पहुंची. यहां वैदिक मंत्रों उच्चारण के बीच कलशों में जल भरा गया. मौके पर मुख्य पुजारी धीरज मिश्रा ने मंत्रोचारण किया. इस मौके पर मुख्य यजमान महेश मिश्रा और सुधा मिश्रा मौजूद थे. कलश यात्रा उक्त मार्ग होते हुवे वापस मंदिर परिसर पहुंची.

वर्ष 2017-18 में एक करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से कराया गया था गहरीकरण, लेकिन तालाब की स्थिति यथावत

सुंदरीकरण के नाम पर लाखों खर्च के बावजूद जोड़ा तालाब बदहाल

संवाददाता। रामगढ़

बरकाकाना रेलवे जोड़ा तालाब के सुंदरीकरण के नाम पर अब तक लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद उसकी स्थिति बदहाल है. 2017-18 में एक करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से उक्त तालाब का गहरीकरण और सुंदरीकरण कराया गया. उस समय मिट्टी कटाई कर खेतों के किनारे जमा कर दिया गया था.

बीते वर्ष बरसात में सारी मिट्टी बहकर तालाब में समा गई. ऐसे में लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी स्थिति यथावत बनी हुई है. इधर, वर्ष 2019-20 की योजना के तहत तकरीबन 80 लाख रुपये की लागत

से दूसरे तालाब का सुंदरीकरण कराया गया था. स्थानीय लोग बताते हैं कि बार-बार टेंडर के जरिए तालाब के सुंदरीकरण के नाम पर राशि का बंदरबाट किया जाता है. विडंबना यह है कि योजना पूरी होने के बाद रेलवे के आला अधिकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा नहीं लेते हैं. तालाब का गहरीकरण नहीं होने के करण रेलवे जोड़ा तालाब सूखने की कगार पर हैं.

जानकार बताते हैं कि जारी वर्ष 2024 -25 में तालाब का सुंदरीकरण करना है. रेलवे की तरफ से तालाब के किनारे विद्युत लाइट, मॉर्निंग वॉक के लिए व्यवस्था दुरुस्त की जानी है, ताकि रेल कर्मी व अधिकारी व उनके बच्चे सुबह व शाम फुर्सत के समय टहल सके. बता दें कि रेलवे जोड़ा तालाब का पानी रेलवे अधिकारी व रेल कर्मी को आपूर्ति किया जाता है. रेल यात्रियों के लिए इसी तालाब के पानी से

क्या कहते हैं एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी शर्मा

ओपी शर्मा कहते हैं कि बरकाकाना रेलवे जोड़ा तालाब के संबंध में रेलवे अधिकारी एडीईएन परमानंद प्रसाद से बातचीत हुई है. इस बार बरसात के मौसम के बाद तालाब का गहरीकरण और सुंदरीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण किया जाएगा. योजना की शुरुआत में यूनियन के लोग भी योजना का मुआयना करेंगे और कार्य अच्छे से करवाएंगे.

बरकाकाना स्टेशन में सैकड़ो यात्री अपनी प्यास बुझाते हैं.

बरसात कम होने से बराकर का हलक समय पूर्व ही सूखा

संवाददाता। चौपारण

चौपारण-बरही को बांटने वाली बराकर नदी का हलक समय पूर्व ही सूखता जा रहा है. इसका मुख्य कारण बारिश कम होना और नदी से जेसीबी मशीन लगा कर 24 घंटे बालू का दोहन करना है. इससे विस्थापित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के चेहरे पर चिंता की लकीरें गहराती जा रही हैं.

मालूम हो कि चौपारण, बरही, चंदवारा प्रखंड के साथ-साथ चतरा जिले के कई प्रखंडों के छोटी-बड़ी नदी और नालों का पानी बराकर नदी से होते हुए तिलैया डैम में एकत्रित होकर डीवीसी द्वारा विस्थापित 56 मौजा की जमीन को जलमग्न कर देता है. डीवीसी इसी के पानी को बेचकर लाखों रुपये कमाता है. 2023 में बारिश बहुत कम होने से बच्छई, ओबरा, चक, मलिकाना, सेवई, गोबिंदपुर, लराही, गोरखवा, भटविगहा, टोइया, हजारी, हजारीधमना, करमाटांड, ढाब सलोनिया, डुमरी, लेंढिया, सिरमा सहित दर्जनों गांवों में जलस्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है और

चिंतनीय

- विस्थापित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के चेहरे पर चिंता की लकीरें गहराई
- मुहाने पर बसे गांव के सूखने लगे चापानल व कुएं, जिम्मेदार उदासीन

चापानल एवं कुएं पर सूखने का खतरा मंडराने लगा है. प्रखंड के समाजसेवी एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोग जिला प्रशासन, विधायक, सांसद और सरकार से मांग कर रहे हैं कि बराकर नदी से प्रतिदिन हजारों सेफ्टी बालू का दोहन बंद किया जाय. तस्कर जिस तरह से बालू का अवैध तरीके से दोहन कर रहे हैं, उससे एक तरफ सरकार को लाखों रुपये के राजस्व की क्षति हो रही है. वहीं वह समय दूर नहीं जब स्थानीय लोगों को भवन सहित अन्य कार्यों के लिए बालू अन्य जिला या प्रदेश से मंगवाना पड़ेगा. मुखिया, पंचायत समिति सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इसको लेकर पदाधिकारियों की नींद नहीं टूटी तो आने वाला समय बहुत ही भयावह होगा.

ब्रीफ खबरें

गबन के मामले में पूर्व मुखिया गिरफ्तार

हजारीबाग। कटकमसांडी प्रखंड की ढौठवा पंचायत के पूर्व मुखिया शेर मोहम्मद खान को 21 वर्ष बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत भेज दिया. उनपर वर्ष 2003 में सरकारी राशि गबन करने का मामला दर्ज किया गया था. सीओ सह बीडीओ सबिता सिंह ने बताया कि पूर्व मुखिया पर करीब ढाई लाख रुपये गबन करने का आरोप है. इस मामले में शेर मोहम्मद खान को हाई कोर्ट ने गबन की गई राशि उपायुक्त कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया था, लेकिन उनके द्वारा कोर्ट के निर्देशों की लगातार अवहेलना की जाती रही है. अंततः कोर्ट ने उनके खिलाफ लाल वारंट जारी कर कटकमसांडी थाना भेज दिया.

मोबाइल व लैपटॉप पर मिलेगा भूमि का लोकेशन

कोडरमा। यह जमीन किसकी है, यह जानने के लिए अंचल या अन्य कार्यालयों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी. अब मोबाइल फोन व कंप्यूटर पर जमीन की सही लोकेशन डिजिटाइज्ड मैप पर तुरंत मिल जाएगी. भारत सरकार के एनएलआरएमपी (नेशनल लैंड रिकॉर्ड मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम) के तहत यह सुविधा राज्य के 32,945 में से 31,996 गांवों में बहाल कर दी गई है. राजस्व ग्रामों के मूल नक्शा को डिजिटाइज्ड कर गूगल मैप में अपलोड किया गया है. ऐसे में आम जनता को जमीन के नक्शा के भारी झंझटों से राहत मिल सकेगी. गूगल के सेटेलाइट मैप में संबंधित भूमि का वास्तविक नक्शा व लोकेशन देख सकेंगे.

दारू प्रखंड क्षेत्र में हाथियों के कॉरीडोर में घुसने का परिणाम भुगत रहे हैं मानव

पूर्व मुखिया पति को हाथियों ने कुचला

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

हम हाथियों के घर में घुसते हैं, हाथी हमारे घर नहीं. जंगलों में हाथियों का अपना प्राकृतिक कॉरीडोर था, जहां वे विचरण करते थे. कालांतर में मानवों ने जंगलों में खलल डालना शुरू किया. विकास और आवास के नाम पर हाथियों के कॉरीडोर पर कब्जा कर अपना आशियाना बना लिया. अब जब हाथी अपनी राह चल रहे हैं, तो उन्हें बीच में मानवों का घर मिल रहा है. मानवों ने उनकी प्रकृति प्रदत्त राह पर इस कदर कब्जा कर लिया कि गजराज गुस्से में आ गए और अपनी राह को साफ करने के लिए अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने लगे. मानव अब कह रहे हैं कि हाथियों ने घरों को ध्वस्त कर दिया, फसलों को रौंद डाला और लोगों को मार डाला. आखिर गजराज करेंगे क्या? अगर उनका वजूद मिटाने पर आप तूल जाएंगे, तो वे अंतिम लड़ाई तो लड़ेंगे ही.

इसी क्रम में रविवार की रात दारू थाना क्षेत्र के बलिया निवासी कबलासी पंचायत के पूर्व मुखिया पति अशोक राम (48) को हाथियों ने कुचल कर मार दिया. वहीं एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद इस्माइल अंसारी, जो हाथी को देखकर भाग रहे थे, जमीन पर गिर गए. इस घटना में उनका हाथ फैक्चर हो गया.

दारू प्रखंड में विचरण करता जंगली हाथियों का झुंड.

हाथियों द्वारा तोड़े गए घर .

मृतक अशोक राम का (फाइल फोटो)

दहशत के माहौल में जीने को विवश दारू प्रखंड के लोग : प्रखंड के लोग हाथियों के आतंक के कारण दहशत के माहौल में जी रहे हैं. 34 हाथियों का झुंड जंगल में विचरण करते-करते कभी भी भोजन की तलाश में गांव की ओर आ जाता है. जंगली हाथी घरों पर हमला बोल देते हैं और अब तो वे गुस्से में आकर इंसान की हत्या कर रहे हैं. दारू प्रखंड के दारू, खरिका, पुरनाडीह, गडया, सोनडीहा, दारूडीह, पिपचो, सुलतानी, पेटी, हरली और आसपास के गांवों में हाथी अलग-अलग गुटों में बंट कर अकसर प्रवेश कर जाते हैं और घरों की चहारदीवारी और दीवार को तोड़कर घर में रखे अनाज खा जाते हैं. खेतों की फसलों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है. इतने लंबे वक्त गुजर जाने के बाद भी वन विभाग चुप्पी साधा हुआ है. जो जागरूक ग्रामीण अपने नुकसान की भरपाई के लिए विभाग से गुहार लगाते हैं सिर्फ उनको ही मुआवजा दिया जाता है, बाकी लोगों को अपने नुकसान की भरपाई खुद करनी पड़ती है.

जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण भोजन की कमी

इचाक निवासी प्रवीन मेहता का कहना है कि जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण हाथियों को जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता है और ये भोजन की तलाश में गांव की ओर आ जाते हैं. यदि गांव में किसी के घर से महुआ या ईख की सुगंध आती है तो हाथी उससे बहुत ही ज्यादा आकर्षित होते हैं और वे घर को तोड़कर वहां प्रवेश कर जाते हैं. हाथियों के झुंड में कुछ बच्चे भी होते हैं, जिनकी रक्षा के लिए वे काफी सतर्क रहते हैं. यदि कोई ग्रामीण हाथियों के करीब नजर आ गया, तो वे अपने बच्चों की रक्षा की दृष्टि से उस पर हमला कर देते हैं.

साथी के मर जाने से हाथियों में इंसानों के प्रति आक्रोश

इस संबंध में वानाहापा के मनोज कुमार ने बताया कि 12 मई को सलोनी में एक हाथी की करंट लगने से मौत हो गई थी. इसके बाद इन क्षेत्रों में हाथियों का लगातार आना-जाना हो रहा है और वह अब इंसान को भी अपना शिकार बना रहे हैं. कई लोगों ने यह भी कहा कि हाथी इंसान से आक्रोशित हैं. ऐसे में अब वह इंसान पर हमला कर रहे हैं, क्योंकि प्रत्येक दिन हाथियों का झुंड आसपास की बस्तियों में भी दस्तक दे रहा है. वहीं फॉरेस्ट विभाग ने हाथियों के आतंक से लोगों को निजात दिलाने के लिए टीम गठित की है, जिसमें विद्या भूषण केसरी फारेस्ट गोपी पासवान वनरक्षक और एलीफैंट रीडिंग टीम के 6 सदस्य शामिल है.

केस संख्या-1

दारू प्रखंड के बलिया में रविवार रात जंगली हाथियों को झूंड पहुंचा और पूर्व मुखियापति अशोक रविदास को हाथियों ने कुचल कर मार डाला. वहीं मोहम्मद इस्माइल हाथियों के झुंड देखकर भागने लगे तो गिरकर घायल हो गए.

केस संख्या-2

पिछले वर्ष एक भटके हुए हाथी ने पौपचो की एक वृद्ध महिला को घर में घुसकर कुचलकर मार दिया था. उससे पहले भी एक वृद्ध अपनी फसल की रखवाली करते-करते हाथियों के हाथों मारा गया था.

केस संख्या-3

सप्ताह पहले दारू प्रखंड के सोनडीहा निवासी दिलचंद महतो के घर को हाथियों ने तोड़ दिया. घर का एक कमरा सुरक्षित बचा था, जिसे दूसरे दिन दोबारा हाथियों ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया और अनाज को खा लिया.

भारतीय मजदूर संघ की नई कमिटी का किया गया गठन

संवाददाता। चरही

बाबू गावं कोर्रा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रांगण में भारतीय मजदूर संघ के एक दिवसीय अधिवेशन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का संचालन भामसं के जिला मंत्री नीरज सिंह ने किया. इसकी अध्यक्षता सीकेएस के परेज परियोजना के अध्यक्ष पप्पू दुबे कर रहे थे. इसमें मुख्य रूप से भामसं के प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कुमार, प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार और संजय चौधरी उपस्थित रहे. वक्ताओं ने कहा कि संघ हमेशा राष्ट्र हित, उद्योग हित और मजदूर हित में सोचता है. संघ का किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है. इस दौरान कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि संघ को और सशक्त बनाने तथा लोगों को जोड़ने के लिये परिश्रम करने की जरूरत है. इसके बाद पुराने हजारीबाग जिला कमिटी को भंग करते हुए एक नई कमिटी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष माया मेहता, कार्यकारी अध्यक्ष शिव कुमार सिंह, उपाध्यक्ष पप्पू कुमार दुबे, मंजू देवी, मनोज सिन्हा, जिला मंत्री नीरज कुमार सिंह, सह जिला मंत्री संजय तिवारी, लखी शर्मा, दीपक प्रकाश, संगठन मंत्री सुरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष रंजन दास, कार्यालय मंत्री अभय मिश्रा के अलावे मो.ऐहसान अंसारी, खुलेश्वर भोगता, ग्लैक्सी गौरव आदि को शामिल किया गया.

लोकसभा प्रत्याशी के घर से चोरी गये लाखों के सामान बरामद,दो को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संवाददाता। हज़ारीबाग़

हज़ारीबाग़ से निर्दलीय प्रत्याशी झापा पार्टी के राजकुमार कुशवाहा उर्फ़ बबलू कुशवाहा के दारू झुमरा स्थित घर पर शुक्रवार को सदर थाना पुलिस ने छापेमारी कर लाखों रुपये का चोरी का बोरिंग का सामान बरामद किया था. सदर पुलिस ने कार्रवाई के क्रम से बबलू कुशवाहा की बोरिंग कंपनी में कार्यरत कुछ कर्मचारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था. बताया जा रहा है कि इन गिरफ्तार कर्मचारियों में एक ने चोरी के मामले में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली है. इसी की निशानदेही पर पुलिस ने राजकुमार कुशवाहा के अन्य ठिकाने पर छापेमारी की और वहां से भी लाखों रुपये का बोरिंग का सामान बरामद किया. जिस व्यक्ति ने चोरी में संलिप्तता कबूल की है वह छत्तीसगढ़ का निवासी बताया जा रहा है और वह राजकुमार कुशवाहा की विजय बोरिंग कंपनी में काम करता है. इस व्यक्ति ने पुलिस को विजय बोरिंग कंपनी की कुछ अन्य क्रियाकलापों की जानकारी दी है जिसकी छानबीन चल रही है.

कुछ माह पूर्व संत कोलम्बस कॉलेज के समीप से शहर की गंगोत्री बोरिंग कंपनी के बोरिंग में इस्तेमाल किये जाने वाले लाखों रुपये के पार्ट्स और उपकरण चोरी हो गए थे. मामले को लेकर गंगोत्री बोरिंग की ओर से सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गयी थी. गंगोत्री बोरिंग कंपनी की ओर से विजय बोरिंग कंपनी पर चोरी की घटना में शामिल होने का संदेह व्यक्त करते हुए उसके प्रबंधक को भी नामजद अभियुक्त बनाया गया था. मामले में विजय बोरिंग कंपनी के छत्तीसगढ़ वाले स्टाफ और एक अन्य स्टाफ को जेल भेज दिया गया है.

सामने आये राजकुमार कुशवाहा, दी सफाई

इधर, इस मामले में नाम उछलने के बाद लोकसभा प्रत्याशी राजकुमार कुशवाहा ने प्रेस वार्ता कर कहा कि मेरा नाम बेवजह उछाला जा रहा है. जो दोषी थे उनको जेल भेज दिया गया है और मेरी बोरिंग वाली गाड़ी जो पुलिस ने जब्त की थी वो छोड़ दी गयी है. जो जेल गए हैं वो दोनों स्टाफ पहले गंगोत्री बोरिंग कंपनी में कार्य करते थे. उनका वहां पैसा बकाया था, जिसके बाद उन लोगों ने वहां काम छोड़कर मेरी कंपनी को ज्वाइन कर लिया. बदले की भावना से उन लोगों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया. आज इसके कारण वे सलाखों के पीछे हैं. हालांकि ये बात वो बता नहीं पाए कि क्या विजय बोरिंग कंपनी बिना वेरिफिकेशन किये किसी भी स्टाफ की बहाली कर लेती है. उन्होंने साफ़ किया कि मामले का पटाक्षेप हो गया है और दोषियों को जेल हो गयी है.

एबीजीपी ने केंद्रीय वित्त एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री को ज्ञापन सौंपा

उत्पाद की पैकेजिंग पर हो प्रथम बिक्री मूल्य

संवाददाता। हजारीबाग

ग्राहकों से होने वाली ठगी और उनके अधिकार को लेकर पिछले 50 साल से अनवरत आंदोलन और अन्य विभिन्न माध्यमों से सहायता करने वाली संस्था अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने केंद्रीय वित्त एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री को ज्ञापन सौंपा है. उपायुक्त के माध्यम से सौंपे गए इस ज्ञापन में ग्राहक पंचायत ने वस्तुओं के दाम पर उत्पादन से 100 अधिक अंकित किए जाने वाले मूल्य सहित अन्य विषयों को लेकर प्रश्न खड़े किए हैं. समाधान बताते हुए केंद्र सरकार से प्रत्येक उत्पादक और निर्माता को उत्पाद की पैकेजिंग पर प्रथम बिक्री मूल्य मुद्रित करना आवश्यक करने की मांग की गई है. सोमवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत और अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत स्वर्ण जयंती वर्ष की अलग-अलग टोलियों ने ज्ञापन सौंपा. पहली टोली का नेतृत्व वरीय पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता मनोज गुप्ता और दूसरी टोली का स्वर्ण जयंती वर्ष के प्रांत सदस्य बब्लु कुमार कर रहे थे. समिति में जिला समिति सदस्य दयानंद गुप्ता और प्रांत के सह सचिव अरविंद राणा शामिल थे.

एमआरपी के नाम पर लूट का सबसे बड़ा उदाहरण दवा

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रथम बिक्री मूल्य की अवधारणा शुरू करके पहला कदम उठाएं. प्रत्येक उत्पादक और निर्माता को उत्पाद की पैकेजिंग पर प्रथम बिक्री मूल्य मुद्रित करना आवश्यक होना चाहिए. प्रथम बिक्री मूल्य (एफएसपी) एमआरपी का पूरक होगा. यदि उपभोक्ता को एफएसपी के बारे में जानकारी हो तो वह खरीदारी करते समय तर्कसंगत विकल्प चुन सकता है. इससे उपभोक्ता को वास्तव में लाभ होगा. ज्ञापन में संस्था के मनोज गुप्ता ने बताया कि एमआरपी से संबंधित मुद्दों पर आंतरिक रूप से चर्चा की है. प्रथम अंकित मूल्य एमआरपी की शुरुआत एक सकारात्मक कदम है, लेकिन कानून इस बारे में कोई दिशानिर्देश नहीं देता है कि एमआरपी कैसे तय की जानी चाहिए. वर्तमान में निर्माता यह अनुमान नहीं लगाता कि उसके उत्पाद के लिए उचित एमआरपी क्या होगी. एमआरपी अपारदर्शी है और उपभोक्ता को एमआरपी की संरचना के बारे में कोई जानकारी नहीं है. हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां उपभोक्ता ऐसी कीमत चुकाता है जो उत्पाद की योग्यता या उत्पाद में सन्निहित मूल्यवर्धन से असंबंधित होती है. उपभोक्ताओं के हित में ग्राहक पंचायत की मांग है कि एमआरपी संरचना निष्पक्ष, पारदर्शी और आसानी से समझी जाने वाली होनी चाहिए. बाकायदा संगठन ने एमआरपी की छपाई के लिए अधिकतम सीमा निर्धारित करने वाले नियम/अधिनियम/विधान/आदेश लाने को कहा है. बताया कि वस्तुओं में एमआरपी के नाम पर लूट का सबसे बड़ा उदाहरण दवा है.

कार्यक्रम

राणी सती मंदिर में दादी उत्सव के प्रथम दिन मंगल पाठ का आयोजन

जय दादी के जयकारों से गूंजा राणी सती मंदिर परिसर

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के मालवीय मार्ग स्थित राणी सती मंदिर के 26 वर्ष पूर्ण होने पर दो दिवसीय दादी उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है. प्रथम दिन मंदिर परिसर में भव्य मंगल पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें कई महिलाओं ने दादी का मंगल पाठ किया. मंदिर के प्रधान पुजारी शशीकांत मिश्रा ने राणी सती दादी की पूजा-अर्चना करवा कर मंगल पाठ विधिवत रूप से प्रारंभ करवाया.

स्थानीय कलाकार अनीता शर्मा एवं रितु अग्रवाल ने दादी के जन्म से लेकर विदाई तक का भजन प्रस्तुत किया. पाठ के दौरान इत्र उत्सव, जन्मोत्सव बधाई, हल्दी महोत्सव,

सिंदूर महोत्सव, मेहंदी उत्सव, गजरा उत्सव, चुनरी उत्सव एवं दादी पाठशाला जैसे कई उत्सव किए गए. सभी महिलाएं राजस्थानी परिधान में पाठ में सम्मिलित हुई. इस दौरान जय दादी के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा.

दादी के जन्म के वक्त महिलाओं के बीच टॉफी का वितरण किया गया. वहीं दादी की विदाई के वक्त सुहाग पिटारी का वितरण किया गया. दादी हमें तेरी...जरूरत है, मेरी दादी... आयेगी...सब काम हो जायेगा...जैसे अनेक भजनों पर भक्त जमकर झूमे. अंत में दादी की भव्य आरती के साथ पाठ समापन हुआ. तत्पश्चात सभी दादी भक्तों के बीच प्रसाद स्वरूप पूड़ी, बुंदिया का वितरण किया गया. मौके पर दादी भक्तों ने कहा कि दादी की असीम कृपा से दादी उत्सव का प्रथम दिन ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ. दूसरे दिन दादी की पूजा अर्चना के बाद शाम में तेरह सुहागन महिलाओं द्वारा महाआरती की जाएगी. साथ ही भजन कीर्तन में धनबाद के सुप्रसिद्ध भजन गायक पंकज मोदी अपनी प्रस्तुतियों से भक्तों को झुमाएंगे. ये कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष स्थापना दिवस पर आयोजित किये जाते हैं.

डीटूएच डीलर मीट का आयोजन

संवाददाता। हजारीबाग

बदलते वक्त के साथ हर कुछ बदल रहा है. लोगों को नई टेक्नोलॉजी की जानकारी और नए प्रोडक्ट की जानकारी देने हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. इसी कड़ी में शहर के मनोकामना होटल में मनी इंटरप्राइजेज की ओर से डिश टीवी डी.टू.एच डीलर मीट का आयोजन किया गया, जिसमें एरिया सेल्स मैनेजर चंदन कुमार सिंह, मनी इंटरप्राइजेज के संचालक संजय कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे. सिंह ने बताया कि किस तरह हम मार्केट में अन्य कंपनियों से बेहतर तरीके से ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं. उन्होंने कंपनी के विभिन्न प्लान को बेहतर तरीके से ग्राहकों के बीच लाने को

कहा. कंपनी समय-समय पर ग्राहकों को तरह-तरह के ऑफर और प्लान देती है. कंपनी द्वारा चलाए जा रहे डिश टीवी, डीटूएच,वाचो, जिंग पर हम सभी को विशेष फोकस करना है. अंत में उन्होंने कहा कि ग्राहक हमारे लिए देवतुल्य के समान है उन्हें कोई तकलीफ ना हो और हमारी कंपनी के प्लान की ओर अपना कदम आगे बढाये, हमें विशेष फोकस करना है. मनी इंटरप्राइजेज के संचालक संजय कुमार ने बताया कि इस बैठक को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य है कि कंपनी के द्वारा दिए गए विभिन्न प्लान को ग्राहकों के बीच अच्छा से रखा जा सके इस बैठक में जिले भर के कई डीलर शामिल हुए, सफलतापूर्वक कार्यक्रम संपन्न हुआ.

आम आदमी का शहर के पॉश इलाके में किराये के मकान-फ्लैट में रहना हुआ मुश्किल

सामान्य तौर पर हर साल 10 प्रतिशत की दर से बढ़ता है किराया

राजधानी रांची सहित अन्य शहरों में बड़ी संख्या में लोग किराये के मकान में रहते हैं. हाल के दिनों में बढ़ती जनसंख्या और महंगाई की वजह से किराये के मकान अब लोगों को भारी पड़ने लगे हैं. किराया दिनों दिन बढ़ता जा रहा है. पांच साल पहले की तुलना में औसतन सभी तरह के मकान, फ्लैट,हॉस्टल, लॉज के किराये में 20 से 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. रिहाईशी इलाकों में तो यह वृद्धि 50 प्रतिशत तक के करीब हुई , जिस कारण हर वर्ग के लिए यह वृद्धि काफी महंगा साबित हो रहा है.आम आदमी के लिए तो शहर के पॉश इलाकों में भाड़े के मकान में रहना काफी मुश्किल हो गया है. इधर हाल के वर्षों में रांची, धनबाद, जमशेदपुर,चक्रधरपुर में किराये के मकानों की मांग बढ़ी है ,तो किराये में भी वृद्धि हुई है. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न शहरों में किराये के मकानों में हुई वृद्धि की पड़ताल की है. पेश है रिपोर्ट...

झारखंड के शहरों में मकान किराये में वृद्धि

बढ़ता किराया बना परेशानी का सबब

बढ़ती जनसंख्या और महंगाई की वजह से मकानों के किराये में हो रही है वृद्धि

शहर के स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए भी लोग भाड़े के मकानों में रह रहे हैं

रांची

रांची में मकानों में किराये पर रहना हुआ महंगा

रेहान अहमद। रांची

राजधानी में किराये के मकान में रहना भी बहुत महंगा हो गया है. शहर के जिस इलाके में भी आप घर तलाशने जाएंगे, किराया बढ़ा हुआ मिलेगा. कुछ खास इलाकों और मुहल्लों में तो जल्द किराये का मकान मिलता भी नहीं. मिलता भी है, तो किराया काफी महंगा होता है. राजधानी में चाहे निजी मकान हो, या फ्लैट या लॉज सभी का किराया पहले की तुलना में महंगा हो गया. इसके अलावा मेंटेनेंस चार्ज, बिजली बिल का भी अलग से भुगतान करना पड़ता है. मकान मालिक बिजली बिल भी प्रति यूनिट 10 रुपये की दर से वसूलते हैं. कांके रोड, बरियातू रोड, बरियातू हाउसिंग कॉलोनी, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा, अशोकनगर, अशोक विहार जैसी कॉलोनियों में 15 से 35-40 हजार तक का मकान-फ्लैट किराये पर मिलता है. बढ़ती महांगाई की वजह से मकान मालिक किराये भी महंगा रख रहे हैं. महंगा किराया देने के बावजूद किराये के मकान में रहनेवालों को तरह-तरह की परेशानियां का भी सामना करना पड़ता है. कभी बिजली, तो कभी पानी का उपयोग कम करने की हिदायत मिलती रहती है.

मकान मालिक बोले- महंगाई बढ़ी, तो किराया बढ़ाया : हरमू के पारस अपार्टमेंट में इस समय श्री बीएचके का 15 हजार रुपये मासिक किराया है. वहीं अन्य अपार्टमेंट में 2 बीएचके का 7 हजार रुपये मासिक किराया है. हरमू के एमडी गुड्डू ने कहा कि उनके यहां 2 बीएचके मकान का किराया 2500 रुपये है. मो इम्तियाज ने बताया कि उनके यहां 1बीएचके के मकान का 1500 रुपये किराया है. पांच साल पहले एक हजार रुपये किराया था. सभी ने कहा कि बढ़ती महंगाई की वजह से ही मकान का किराया बढ़ाया है. बिजजली बिल का अलग से भुगताम

20 साल से किराये के मकान में हूं : रवि कुमार : किरायेदार रवि कुमार ने कहा कि पिछले 20 साल से किराये के ही मकान में रह रहा हूं. मेरा मकान 3 बीएचके का है. इसका किराया 4500 रुपये मासिक है. अपनी कमाई से 4500 रुपये की राशि हर माह अलग कर देता हूं, ताकि किराया समय पर दे सकूं. किराया समय पर नहीं देने पर मकान मालिक किच-किच न करें, इसलिए कोशिश होती है कि किराया समय पर दे दूं. पांच साल पहले इसी मकान का किराया तीन हजार रुपये था, जो अब बढ़कर 45 सौ रुपये हो गया है. किराय के अलावा बिजली बिल अलग देना पड़ता है.

महंगाई के साथ-साथ किराया भी बढ़ता गया : गुड्डू शर्मा : गुड्डू शर्मा ने कहा कि पिछले 15 साल से किराये के मकान में रह रहा हूं. इसका किराया 2500 रुपये मासिक है. शुरू से ही जो कमाता हूं, उसमें से किराये का पैसा वेतन मिलते ही अलग कर देता हूं, ताकि महीना पूरा होने पर मासिक किराया जमा करने में परेशानी नहीं हो.

साल दर साल बढ़ता गया किराया

अपार्टमेंट	मकान	मासिक	पांच साल पूर्व
अपार्टमेंट	3 बीएचके	15 हजार	10,000 हजार
अपाटमेंट	2 बीएचके	7 हजार	4000 हजार
निजी मकान	2 बीएचके	2500	1700
निजी मकान	3 बीएचके	4500	3000
निजी मकान	1 बीएचके	1500	1000

जमशेदपुर

मकान का किराया हो गया है दोगुना : मो. शाकिर

मानगो आजादनगर के रहने वाले मो. शाकिर ने बताया कि वे टाटा स्टील में ठेका कर्मी का काम करते हैं. वह अपने परिवार संग आजादनगर में किराए के मकान में रहते हैं. दो कमरों के लिए उन्हें 3,500 रुपए महीना किराया देना पड़ता है. इसके अलावा 1,000 से 1200 रुपए बिजली बिल का बिल चुकाना होता है. वे इस घर में बीते सात सालों से रह रहे हैं. अब दो दोगुना किराया दे रहे हैं.

खर्च बढ़ा, पर कमाई उतनी नहीं बढ़ी : संतोष कुमार

बिहार के हाजीपुर से जमशेदपुर आकर मानगो के डिमना रोड स्थित डिमना बस्ती में अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ रहने वाले संतोष कुमार बीते 10 सालों से शहर में रहकर राज मिस्त्री का काम कर रहे हैं. संतोष कहते हैं कि इन पांच सालों में खर्च तो बढ़ गया पर कमाई उतनी नहीं बढ़ी. वह एक कमरे के मकान में रहते हैं. जिसमें बाथरूम और किचन जुड़ा हुआ है.

तीन कमरे वाले फ्लैट के देने होते हैं 15 हजार : मो. इमरान

मानगो के आलीशान टावर में रहने वाले मो. इमरान अपने आठ सदस्यों वाले परिवार के साथ तीन कमरों वाले फ्लैट में रहते हैं. इमरान कहते हैं कि उन्हें फ्लैट के लिए 15 हजार रुपए महीने किराया देना होता है. पांच साल पहले 12 हजार रुपए किराया था. बिजली का बिल दो हजार आता है, जो पहले 1300 रुपए के आस–पास आता था. मेंटेनेंस के लिए एक हजार रुपए अलग से देने होते हैं.

तीन लोगों के साथ शेयर करते हैं कमरा : कार्तिक

कार्तिक लोहार मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में रहते हैं और जमशेदपुर के मानगो में किराए के मकान में रहते हैं. कार्तिक मजदूरी करते हैं. उनके साथ दो और साथी कमरे में रहते हैं. बाथरूम कॉमन है. इसके लिए उन्हें कुल 1500 रुपए देने होते हैं. तीन लोगों में किराए की राशि बंट जाती है. बिजली का बिल 300 रुपए आता है.

चक्रधरपुर

भाड़े का घर लेकर रहना हुआ मुश्किल: चंदन महतो

चक्रधरपुर के जामिद गांव निवासी चंदन महतो ने कहा कि गांव में अच्छा प्राइवेट विद्यालय नहीं होने के कारण बच्चों को चक्रधरपुर शहर में एक किराए के कमरे में रहकर बच्चों को पढ़ाना पड़ रहा था. बच्चे को रोजाना गांव से शहर लाने ले जाने में परेशानी होती है. पहले शहर में एक किराये का घर भाड़े में लिया था, उस वक्त महीने का तीन हजार रुपये देना पड़ते थे. लेकिन मकान मालिक ने भाड़ा अब साढ़े चार हजार रुपये कर दिया, इससे भाड़े का घर छोड़ना पड़ा.अब गांव से ही आना-जाना पड़ता है.

फ्लैट का भाड़ा हुआ दोगुना हो रही परेशानी: प्रशांत शर्मा

चक्रधरपुर निवासी प्रशांत शर्मा ने कहा कि भाड़े में फ्लैट लेकर रहना मुश्किल हो गया है. पांच साल पहले दो कमरे वाले फ्लैट का किराया साढ़े पांच हजार रुपये था, अब पांच साल में किराया बढ़कर दस हजार रुपये हो गया है. जिससे काफी परेशानी हो रही है.उन्होंने बताया कि आमदनी में बढ़ोत्तरी नहीं हो रही है, लेकिन खर्च दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है. ऐसी स्थिति में परिवार चलाना भी मुश्किल हो गया है.आने वाले दिनों में किराया और बढ़ेगा. यह मेरे लिए चिंता का कारण बना हुआ है.

घाटशिला

शहर में अब जल्दी नहीं मिलता घर: कुणाल राठौर

चक्रधरपुर निवासी कुणाल राठौर ने कहा कि शहर में अब कम किराये पर जल्दी घर नहीं मिलते हैं.पहले शहर में छोटे व कम भाड़े में घर मिल जाता था, लेकिन दिन प्रतिदिन शहर में भी अब भाड़े के मकानों के दाम में बढ़ोत्तरी हुई है. बढ़े शहर की तहर चक्रधरपुर में भी फ्लैट या अपार्टमेंट का निर्माण होने से कम किराये पर घर मिलना मुश्किल हो गया है.कुणाल राठौर ने बताया कि वर्तमान में वे जिस घर में रहते हैं, पांच साल पूर्व उसका किराया दो हजार रुपये था,लेकिन अब किराया बढ़कर साढ़े चार हजार रुपये हो गया है.

किराये में काफी बढ़ोतरी 20 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि

घाटशिला में मकान किराए में काफी बढ़ोतरी हुई है. पांच साल पहले और आज के किराये के मकान की कीमत में काफी अंतर हो गया है. करीब 20 से 40 प्रतिशत तक किराए में बढ़ोतरी हुई है. पहले एक कमरे का किराया करीब हजार रुपए प्रतिमाह था. अब वह बढकर 1500 से 1800 रुपए हो गया है.वहीं दो कमरे का मकान पहले दो हजार रुपए में आ जाता था. पर अब वह 25 सौ रुपए हो गया है. तीन कमरे वाला मकान पहले 25 सौ रुपए था जो अब 35 सौ रुपए हो गया है.

लातेहार

किराया बढ़ा है और मकान की डिमांड भी बढ़ी है : विजय प्रसाद

लातेहार में ऐसा कोई बड़ा अपार्टमेंट या हाउसिंग कॉलनी नहीं है. लेकिन बाहर से आने वाले लोग यहां किराये का मकान लेकर जरूर रह रहे हैं. हालांकि विगत कुछ एक वर्षों से शहर में ऐसे अपार्टमेंट अवश्य तैयार किये जा रहे हैं, जहां लोग सिंगल बेडरूम या डबल बेड रूम के फ्लेट को किराया में लेकर रह सकें. शहर के जुबली रोड, माको मोड़ एवं काली मंदिर रोड में ऐसे आवासीय परिसर तैयार किये जा रहे हैं. जहां तक कॉमन मकान के किराये की बात है तो कोरोना काल और लॉक डाउन के बाद से शहर में मकान के किराये बढ़ गये हैं. आज से तीन या पांच साल पहले जिस सिंगल बेडरूम का किराया चार हजार रूपये और डबल बेड रूम मकान का किराया छह हजार रूपये था, आज उसका किराया क्रमशः सात से दस हजार रूपये हो गया है. शहर के गायत्री नगर में अपने घर को किराये में लगाने वाले विजय प्रसाद ने बताया कि बाहर से यहां आने वाले लोगों की संख्या बढ़ गयी है. कई कंपनियां और कोलियरियां यहां खुल रही हैं, इस कारण बाहरी लोगों का आना बढ़ गया है. ऐसे में किराये के मकान की डिमांड भी बढ़ गयी है. लोगों को किराये पर घर नहीं मिल पा रहा है. हालांकि कुछ एक इलाके में अपार्टमेंट व कॉलनियां तैयार की जा रही है. लोग किराये पर देने के लिए मकान तैयार कर रहे हैं.

धनबाद में पिछले पांच वर्षों में 20 से 30 फीसदी बढ़ा किराया

धनबाद में प्राइवेट मकान सहित फ्लैट के किराये में 20 से 30 फीसदी का इजाफा हुआ है. इसके साथ ही फ्लैट में रहनेवाले किरायेदार को मेंटेनेंस चार्ज भी देना पड़ता है. ऐसे में उनके ऊपर और ज्यादा बोझ पड़ जाता है...

बीस प्रतिशत बढ़ा किराया, बिजली बिल अलग से : नीरज सिन्हा

बिशुनपुर के प्राइवेट मकान में रहने वाले नीरज सिन्हा ने बताया कि पिछले पांच साल में उनके मकान का किराया बीस फीसदी बढ़ गया है. पांच साल पहले दो कमरे के जिस मकान का किराया चार हजार रुपये प्रति माह था. उसका किराया बढ़ कर पांच हजार हो गया है. इसके अलावा बिजली का बिल का अलग से देना पड़ता है.

किराया थोड़ा कम होता तो अच्छा होता मजबूरी में रहना पड़ रहा है : स्नेहा प्रियदर्शी

गोल इंस्टिट्यूट के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करने वाली स्नेहा प्रियदर्शी ने बताया कि वह इसी साल एडमिशन ली है. इसलिए पहले के किराए का पता नहीं है. वर्तमान में उसे साढ़े सात हजार रुपये महीना किराया देना पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि वह चाहती थी कि थोड़ा किराया कम होता तो अच्छा होता. पर नहीं मिलने की वजह से इसे लेना पड़ा.

हॉस्टल के नाम पर महंगे मिलते हैं किराये के मकान : संजय आनंद

गोल इंस्टिट्यूट के निदेशक संजय आनंद ने बताया कि हॉस्टल के नाम पर उन्हें मकान महंगे दर पर मिलते हैं. आम लोगों ने लिए जिस फ्लैट का किराया आठ से दस हजार रुपये लिया जाता है. वहीं होस्टल के नाम पर उसी फ्लैट का किराया 14,15 हजार हो जाता है. इसके साथ ही प्रतिवर्ष किराए में दस फीसदी का इजाफा किया जाता है.

आरबीआई की दरियादिली

भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2023-24 में भारत सरकार को 2.1 लाख करोड़ रुपये लाभांश के तौर पर देने की घोषणा की है. इस खबर पर सबसे बड़ी प्रतिक्रिया मुंबई के शेयर बाज़ार में देखने को मिली. दलाल स्ट्रीट में शुक्रवार को शेयर के भाव में आग लग गई थी और सेंसेक्स एक दिन में 1,197 अंक ऊपर चढ़ 75,418 अंक की नई ऊंचाई पर पहुंच चुका था. एनएसई की मार्केट पूंजी भी पहली बार 5 ट्रिलियन डॉलर की सीमा को लांध चुकी है. अकेले अडानी समूह को एक दिन में 63,282 करोड़ रुपये अपनी मार्केट कैप में इजाफे के तौर पर मिली है और समूह का बाजार मूल्य 17.50 लाख करोड़ रुपये हो चुका है. अरबीआई के इस मास्टर स्ट्रोक से किन-किन को फायदा होने जा रहा है, या 4 जून को चुनाव परिणाम पर इसका क्या असर पड़ेगा इसका ठीक-ठीक अंदाजा लगा पाना तो मुश्किल है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री के द्वारा हाल ही में निवेशकों को जो भरोसा दिलाया जा रहा था, वह इस कदम से सच होता उन्हें अवश्य दिख रहा होगा. पिछले कुछ दिनों से फलौदी के सट्टा बाजार और मुंबई सट्टा बाजार से जो खबरें आ रही थीं, वह निश्चित रूप से मोदी सरकार के लिए परेशानी का सबब बनी हुई थी. लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने ऐन वक्त पर जो दरियादिली दिखाई है, उससे बड़े-बड़े आर्थिक विशेषज्ञ हैरान हैं. आखिर आरबीआई इतनी बड़ी रकम भारत सरकार को कैसे दे पा रही है? इस सवाल पर तमाम तरह से आर्थिक विशेषज्ञ मनन कर रहे हैं. आरबीआई के पिछले 10 वर्षों के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो 2018-19 में वह ऐसा करिश्मा करने में कामयाब रह पाई थी, जब उसके द्वारा रिकॉर्ड 1,76,051 करोड़ का लाभांश भारत सरकार को सुपुर्द किया गया था. आरबीआई द्वारा भारत सरकार को दिए जाने वाले वार्षिक लाभांश पर एक नजर डालें तो आप इसमें कुछ अनियमितताएं देख सकते हैं. यूपीए सरकार के तीन वर्षों में हम पाएंगे कि यह रकम 15 हजार करोड़ से बढ़कर 33 हजार करोड़ रुपये तक सीमित थी. इसके बाद के वर्षों में इसमें उत्तरोत्तर तेजी देखने को मिलती है, सिवाय वर्ष 2017 के. बता दें कि मनमोहन सिंह सरकार के अंतिम दौर में भारतीय रिजर्व बैंक के मुखिया रघुराम राजन थे, जिनका कार्यकाल नरेंद्र मोदी सरकार के शुरूआती वर्षों में भी जारी रहा. इसके बाद 2016 में रिलायंस समूह से जुड़े एक अधिकारी और अफ्रीका में पले बढ़े बैंकर उर्जित पटेल के हाथों में आरबीआई की कमान सौंपी गई. लेकिन जब तक वे अपने ऑफिस का कामकाज संभाल पाते देश में अचानक नोटबंदी घोषित कर दी गई थी. 500 और 1,000 रुपये के नोट एक दिन आठ बजे रात पीएम नरेंद्र मोदी की भारतीय टेलीविजन पर घोषणा के साथ अवैध घोषित कर दिए गये. इस बारे में आज तक विवाद बना हुआ है कि इसमें उर्जित पटेल की भूमिका थी या नहीं. लेकिन इसके बारे में हाल के वर्षों में खुलासा वित्त मंत्रालय से सेवानिवृत्त वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने अपनी किताब 'वी ऑल्सो मेक पॉलिसी' में जिक्र करते हुए बताया था कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल की तुलना सांप से की थी, जो ढेर सारे धन के ऊपर बैठा हुआ है.

> पिछले कुछ दिनों से फलौदी के सट्टा बाजार और मुंबई सट्टा बाजार से जो खबरें आ रही थीं, वह निश्चित रूप से मोदी सरकार के लिए परेशानी का सबब बनी हुई थी.

सुभाषित

सर्पः क्रूरः खलः क्रूरः सर्पात् क्रूरतरः खलः .
सर्पः शाम्यति मन्त्रैश्च दुर्जनः केन शाम्यति ॥

सांप भी क्रूर होता है और दुष्ट भी क्रूर होता है किन्तु दुष्ट सांप से अधिक क्रूर होता है, क्योंकि सांप के विष का तो मन्त्र से शमन हो सकता है किन्तु दुष्ट के विष का शमन किसी प्रकार से नहीं हो सकता. इसलिए दुष्टों से खुद को बचाने का प्रयास करते रहना चाहिए.

राष्ट्र निर्माण के लिए हर नागरिक जिम्मेदार

देश की जनता को पहली बार ऐसा लगने लगा था कि कोई विकास पुरुष देश का भला करने आया है, लेकिन उसका भ्रम कुछ दिनों में ही टूटने लगा. पहला विश्वास उस दिन डगमगाया, जिस दिन 'नोटबंदी' की घोषणा की गई. लोगों की गाढ़ी मेहनत की कमाई से रखा गया सारा धन बेकार हो गया. उस पर उन्हीं के द्वारा विदेशों में इसकी हंसी उड़ाई गई कि लोग अपनी बेटियों की शादी करने के लिए जिस धन का उपयोग करना चाहते थे, उनके उस प्रयास को उन्होंने नोटबंदी करके ठिकाने लगा दिया.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

राष्ट्र निर्माण में देश के एक-एक नागरिक की भागीदारी हमेशा से रही है, लेकिन आज देश के किसी भी एक नागरिक की नहीं, बल्कि केवल एक नेता की 'गारंटी' पर राष्ट्र निर्माण का दिवास्वप्न दिखाया जा रहा है. ऐसा इसलिए, क्योंकि हम भारतवासी निर्मल-निश्छल मन-स्वभाव के होते हैं. परिणाम यह होता है कि हमारी निश्छलता और सहजता को जो चाहे, कोई भी आसानी से बरगला लेता है और हम पांच वर्ष तक स्वयं को कोसते रहते हैं कि काश, हमने चयन में भूल न की होती. देश के लिए व्यक्तिगत गारंटी का क्या मतलब? वैसे देश तो अपने ग्रंथ (संविधान) के मानदंडों और मापदंडों पर चलता है, जिसे उपेक्षित करके अपनी व्यक्तिगत गारंटी देना निश्चित रूप से समाज को दिग्भ्रमित करने के समान ही माना जा सकता है. आजाद भारत में आज तक किसी भी राष्ट्राध्यक्ष ने सीना ठोककर व्यक्तिगत गारंटी देने की बात नहीं की, क्योंकि वे सामूहिक कोशिश को सर्वोपरि मानते थे और यही सर्वथा उचित भी है. लेकिन, आज चाहे संसद हो या विपक्षी नेतागण, चुनावी सभाओं में हर जगह एक ही बात कही जाती है कि '... की गारंटी है.' हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री को देश की जनता ने अपार प्यार दिया. उनके भाषणों की चर्चा हर जगह होती रहती है, क्योंकि अपनी ओजस्वी बातों से समाज को प्रभावित करने की कला में वह इस कदर पारंगत हैं कि एक समय में यह माना जाने लगा था कि देशहित के लिए बात करने वाला इनसे मजबूत राजनेता आज तक नहीं मिला था. उनके भाषण में वह सब होता था, जिसमें त्रस्त समाज की हर पीड़ा झलकती थी और वह समाज को इन पीड़ाओं से उबारने का दिवास्वप्न भी जमकर दिखाया करते थे. ऐसे में हर कोई एक नई किरण के उगने की उम्मीद में रहता था. समाज के हर वर्ग के लिए कुछ-न-कुछ योजना बताकर कहते थे कि इससे पूरा देश बदल जाएगा, क्योंकि हम 'विश्वगुरु' बनने जा रहे हैं. चाहे उद्योगपतियों की बात हो, चाहे युवाओं को रोजगार देने की बात हो, चाहे समाज को आर्थिक रूप से संपन्न कराने की बात हो या देश के अन्नदाताओं के कल्याण की बात हो. उनके भाषणों में देश के लिए एक संदेश होता था कि यदि आप हमारे साथ जुड़ें, तो आपका भविष्य सुधर जाएगा, आपको पड़ोसी देशों के सामने झुकना नहीं पड़ेगा, सभी देशों से हमारा सम्बन्ध सहज होगा, जिससे देश के विकास को बल मिलेगा और देश भ्रष्टाचार मुक्त होगा. उनका दावा तो यहां तक होता था कि 'न खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगा. देश भ्रष्टाचारियों से मुक्त होगा.' ऐसे में देश में एक नए परिवर्तन की उम्मीद जगने लगी थी. देश की जनता को पहली बार ऐसा लगने लगा था कि कोई विकास पुरुष देश का भला करने आया है, लेकिन उसका भ्रम कुछ दिनों में ही टूटने लगा. पहला विश्वास उस दिन डगमगाया, जिस दिन 'नोटबंदी' की घोषणा की गई. लोगों की गाढ़ी मेहनत की कमाई से रखा गया सारा धन बेकार हो गया. उस पर उन्हीं के द्वारा विदेशों में इसकी हंसी उड़ाई गई कि लोग अपनी बेटियों की शादी करने के लिए जिस धन का उपयोग करना चाहते थे, उनके उस प्रयास को उन्होंने नोटबंदी करके ठिकाने लगा दिया. प्रधानमंत्री जिस प्रकार अपने भाषणों में कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी और उनके परिवार पर सीधा आक्रमण कर रहे हैं, उस पर तो विपक्ष साफ-साफ कहने लगा है कि यह तो हार की बौखलाहट है. जो भी हो, वह देश की जनता द्वारा किए गए मतदान के परिणाम के तौर पर 4 जून को सामने आ जाएंगे, लेकिन आजादी के बाद से अब तक देश में जितने भी चुनाव हुए, उन सभी में इस तरह की कड़वाहट कभी देखने को नहीं मिली. प्रधानमंत्री कहते हैं, 'शहजादे बोल रहे हैं माओवादी की भाषा.' 'भ्रष्टाचार मिटाने आए लोग हजारों करोड़ के घोटाले में जेल के चक्कर काट रहे हैं. कांग्रेस के शहजादे की भाषा पूरी तरह नक्सली भाषा है, माओवादी भाषा है. कांग्रेस पार्टी उद्यम करने वालों को देश का दुश्मन मानती है. जो कारोबारी पैसा नहीं देते, उन पर उनके नेता हमला करते हैं.' कहां पहले इसी भाजपा की सरकार ने यह नारा दिया था कि भारत को कांग्रेस मुक्त करना है, लेकिन अब ऐसी क्या स्थिति हो गई कि प्रधानमंत्री सहित उनके सभी नेता केवल कांग्रेस और राहुल गांधी के नाम पर अपना अभियान चला रहे हैं. जो भी हो देश की जनता ही मतदान करती है, जो बिल्कुल गुप्त होता है. परिणाम से पहले एक कयास ही कोई माहौल देखकर लगा सकता है, लेकिन यह भविष्यवाणी कितनी सच और गलत है, यह तो उन परिणामों पर निर्भर करेगा, जो 4 जून को सामने आएगा. इधर, विपक्षी इंडिया गठबंधन पांच चरणों के आधार पर यह मान चुका है कि अगली सरकार गठबंधन की बनने जा रही है. दूसरी तरफ, वर्तमान प्रधानमंत्री अपने को प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के समकक्ष मानते हुए तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का इजहार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से भाषण देते हुए और कई मीडिया चैनलों पर अपने साक्षात्कार में स्पष्ट कह चुके हैं कि तीसरी बार भी उनके नेतृत्व में ही सरकार बनने जा रही है. सरकार के गुण-दोष पर कोई तभी विश्लेषण कर सकता है, जब वह देश के निर्माण में मतदान करके उसका भागीदार बनता है. इसलिए मतदान जरूर करिए और सत्तारूढ़ और विपक्षी नेताओं पर होने वाले बहस में भागीदार भी बनिए, तभी मजबूत राष्ट्र का निर्माण होगा.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

कूड़ा-वाहन

एक दिन एक व्यक्ति टैक्सी से एअरपोर्ट जा रहा था. टैक्सी वाला कुछ गुनगुनाते हुए बड़े मनोयोग से गाड़ी चला रहा था कि सहसा एक दूसरी कार, पार्किंग से निकल कर तेजी से रोड पर आ गयी. टैक्सी वाले ने तेजी से ब्रेक लगाया, गाड़ी स्किड करने लगी और मात्र एक -आध इंच भर से, सामने वाली कार से भिड़ते -भिड़ते बची. यात्री ने सोचा कि अब टैक्सी वाला उस कार वाले को भला -बुरा कहेगा ...लेकिन इसके उलट सामने वाला ही पीछे मुड़ कर उसे गलियां देने लगा. इसपर टैक्सी वाला नाराज़ होने की बजाये उसकी तरफ हाथ हिलाते हुए मुस्कुराने लगा, और धीरे -धीरे आगे बढ़ गया. यात्री ने आश्चर्य से पूछा "तुमने ऐसा क्यों किया ? गलती तो उस कार वाले की थी ,उसकी वजह से तुम्हारी गाडी लड़ सकती थी और हम होस्पिटलाइज भी हो सकते थे!" "सर जी ", टैक्सी वाला बोला, "बहुत से लोग गार्बेज ट्रक की तरह होते हैं. वे बहुत सारा गार्बेज उठाये हुए चलते हैं, फ्रस्ट्रेटेड, निराशा से भरे हुए, हर किसी से नाराज़. और जब गार्बेज बहुत ज्यादा हो जाता है, तो वे अपना बोझ हल्का करने के लिए उसे दूसरों पर फैकने का मौका खोजने लगते हैं. किन्तु जब ऐसा कोई व्यक्ति मुझे अपना शिकार बनाने की कोशिश करता हैं, तो मैं बस यूँही मुस्कुराकर हाथ हिलाते हुए उनसे दूरी बना लेता हूँ. ऐसे किसी भी व्यक्ति से उनका गार्बेज नहीं लेना चाहिए, अगर ले लिया तो समझो हम भी उन्ही की तरह उसे इधर उधर फेंकने में लग जायेंगे. घर में, ऑफिस में, सड़कों पर ...और माहौल गन्दा कर देंगे, दूषित कर देंगे. हमें इन गार्बेज ट्रक्स को, अपना दिन खराब करने का अवसर नहीं देना चाहिए. ऐसा न हो कि हम हर सुबह किसी अफ़सोस के साथ उठें. ज़िन्दगी बहुत छोटी है, इसलिए उनसे प्यार करो जो हमारे साथ अच्छा व्यवहार करते हैं. किन्तु जो नहीं करते, उन्हें माफ़ कर दो।" मित्रों, बहुत ही गम्भीराता से सोचने की बात है, हम सौद्देश्य ही कूडा वाहन से कूडा उफनवाते है. फिर उसे स्वीकारते है, उसे उठाए घुमते है और फिर यत्र तत्र बिखेरते चलते है. ऐसा करने के पूर्व ही हमें, गार्बेज ट्रक की अवहेलना नहीं कर देनी चाहिए??? और सबसे बड़ी बात कि कहीं हम खुद गार्बेज ट्रक तो नहीं बन रहे? इस कहानी से सीख लेते हुए, हमें विषादग्रस्त व कुंठाग्रस्त लोगों को उत्प्रेरित करने से बचना चाहिए. स्वयं क्रोध कर उनसे उलझने की बजाए उन्हें माफ करने की आदत डालनी चाहिए. सहनशीलता, समता और सहिष्णुता वस्तुतः हमारे अपने व्यक्तित्व को ही स्वच्छ और शुद्ध रखने के अभिप्राय से है, न कि अपने ही गुण-गौरव अभिमान की वृद्धि के लिए. समाज में शिष्टाचार, समतायुक्त आचरण से ही प्रसार पाता है. और इसी आचरण से चारों ओर का वातावरण खुशनुमा और प्रफुल्लित बनता है.

सत्ता की बहार के लिए बिहार में कशमकश

• सियासत

अतुल सिन्हा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिहार में होने वाली चुनावी सभाओं पर गौर करें तो यहां उनके निशाने पर सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी यादव होते हैं. कांग्रेस और राहुल गांधी दूसरे नंबर पर होते हैं और यहां की जातिगत और परिवारवादी राजनीति तीसरे नंबर पर. तेजस्वी यादव को भी उन्होंने राहुल गांधी की तरह शहजादे का खिताब दे रखा है और इंडिया गठबंधन को भ्रष्टाचार, गुंडाराज और जातिगत जनगणना के सवाल पर बांटने वाला गठबंधन करार दिया है. उधर अपने चुनावी गणित और रणनीति की वजह से चर्चा में रहने वाले प्रशांत किशोर भी पांच दौर के चुनावों के बाद ये दावा करने से नहीं चूक रहे कि बिहार में अब भी मोदी या केन्द्र की सरकार को लेकर कोई गुस्सा नहीं है, मोदी लहर भले ही इस बार न हो, लेकिन प्रशांत किशोर को इस बार भी मोदी सरकार बनती दिख रही है और खासकर बिहार में नीतीश कुमार के पलटू राम वाली छवि के बावजूद एनडीए को कोई खास नुकसान होता नहीं दिख रहा है. जबकि चुनाव विश्लेषक और किसी ज़माने में सटीक चुनावी भविष्यवाणियां करने वाले सैफोलॉजिस्ट योगेन्द्र यादव इस बार एनडीए को ढाई सौ के नीचे देख रहे हैं. सबके अपने-अपने चश्मे हैं और अपना-अपना नज़रिया है, जबकि असली फैसला खामोश वोटर यानी जनता को करना है, लेकिन तमाम ज़मीनी सर्वे हवा का रुख कुछ और बताते हैं. इसकी बानगी तेजस्वी यादव और कांग्रेस की सभाओं में उमड़ती जबरदस्त भीड़ के तौर पर देखी जा सकती है. इंडिया गठबंधन जिन अंतर्विरोधों के बाद बना और आखिरी वक्त तक सीटों के बंटवारे को लेकर जो असमंजस रहा, उसे भाजपा और जेडीयू अपने पक्ष में मान रही है और अपनी चुनावी सभाओं में इसे लेकर अब तक गठबंधन पर सवाल उठाती है. भाजपा के 400 पार के दावे में बिहार की 40 सीटें भी शामिल हैं. 2019 में भाजपा ने यहां से जो 17 उम्मीदवार उतारे थे, वह सभी जीते थे, जबकि जेडीयू के 17 में से 16 उम्मीदवार जीते थे. एनडीए के अन्य घटकों में लोक जनशक्ति पार्टी के भी सभी 6 उम्मीदवार जीत गए थे. पिछले आम चुनाव में यानी एनडीए को कुल 40 में से 39 सीटें मिली थीं, जबकि एक सीट कांग्रेस ने जीती थी. सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार भाजपा अपनी सभी सीटें बचा पाएगी, क्या नीतीश की मौकापरस्ती जेडीयू को फिर से पिछली बार जितनी सीटें दिला पाएगी और क्या इस बार एनडीए 39 के आंकड़े तक पहुंच पाएगा? नीतीश के पाला बदलने से भाजपा के दोबारा सरकार में आने के बाद पार्टी के पास सत्ता की ताकत भी है और मशीनरी भी, साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के दौरों से उम्मीदें भी. लेकिन आरजेडी की बढ़ती ताकत, कांग्रेस का पुनर्जीवन और राहुल गांधी की मेहनत ने इंडिया गठबंधन को काफी मजबूती के साथ जनता के सवालों से जोड़कर पेश किया है जिसका असर दिख रहा है. दरअसल, बिहार की राजनीति लगातार कई उतार-चढ़ावों से होकर गुज़रती रही है. यहां वैचारिक और सैद्धांतिक राजनीति का बेशक एक दौर था, लेकिन करीब चार दशक से सारे समीकरण पूरी तरह सत्ता केन्द्रित और जाति आधारित होते गए. वर्ष 1974 के जेपी आंदोलन ने जिस नई राजनीति की नींव रखी थी और जिन मूल्यों और सिद्धांतों की बात होती थी, उसे सत्ता के खेल ने ध्वस्त कर दिया. मौजूदा राजनीति में शीर्ष पर बैठे तमाम नेता खुद को उस दौर के आंदोलनकारी बताते हैं. जेपी ने उन्हें तत्कालीन कांग्रेस सरकार, इंदिरा गांधी की निरंकुशता और इमरजेंसी जैसे कदमों के खिलाफ एकजुट करके सत्ता की राह दिखाई, लेकिन सत्ता का नशा ऐसा चढ़ा कि उस दौर के तमाम नेता भ्रष्टाचार, जातिगत समीकरण और जोड़-तोड़ के खेल में लगे रहे. लेकिन अब युवा नेतृत्व में आई राजनीतिक परिपक्वता और एक ईमानदार, साफ-सुथरी राजनीति की उम्मीद से आम लोगों में बदलाव की चाहत दिखने लगी है. ये नेता अपने भाषणों में मोदी सरकार के वादों के साथ उनकी निरंकुश वाली छवि को उभारने और लोगों के मन में बैठाने की कोशिश करते दिख रहे हैं. दरअसल भाजपा का कट्टर हिन्दुत्व और राम मंदिर जैसे मुद्दे बिहार में उतने असरदार नहीं दिखते, इसलिए यहां मोदी को भी इन नेताओं पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के अलावा कोई बड़ा दांव नहीं दिख रहा. यह संकेत इसलिए भी मिल रहे हैं कि इस बार मोदी मैजिक जैसी कोई चीज़ प्रत्यक्षदर्शी नहीं है और प्रधानमंत्री के भाषणों में सरकार के कामकाज और भावी योजनाओं की बजाय कांग्रेस और आरजेडी पर आक्रामक तरीके से हमला करने के अलावा और कुछ नहीं है.

> मौजूदा राजनीति में शीर्ष पर बैठे तमाम नेता खुद को उस दौर के आंदोलनकारी बताते हैं. जेपी ने उन्हें तत्कालीन कांग्रेस सरकार, इंदिरा गांधी की निरंकुशता और इमरजेंसी जैसे कदमों के खिलाफ एकजुट करके सत्ता की राह दिखाई, लेकिन सत्ता का नशा ऐसा चढ़ा कि उस दौर के तमाम नेता भ्रष्टाचार, जातिगत समीकरण और जोड़-तोड़ के खेल में लगे रहे.

मुकदमों के नतीजे पर टिकी आप की राजनीति

• सामयिकी

कल्याणी शंकर

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले एक दशक में कई बाधाओं को पार किया है. फिर भी, उनका अटूट लचीलापन प्रेरणा का प्रतीक रहा है. वह और उनकी पार्टी इस वक्त शराब नीति मामले में सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं. चुनौतियों के बावजूद केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा उनकी अदम्य कर्मठता का प्रमाण है. 49 दिनों के संक्षिप्त कार्यकाल और 2014 में दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें हारने के बाद, उन्होंने 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में 70 में से 67 सीटें हासिल करके उल्लेखनीय वापसी की. पिछले महीने दिल्ली शराब नीति मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी, जिसमें भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप शामिल हैं, ने आम आदमी पार्टी के भविष्य पर अनिश्चितता की छाया डाल दी है. क्या यह पार्टी की राह का अंत होगा, या क्या वे इस तूफान का सामना कर सकते हैं और अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रख सकते हैं? शीर्ष अदालत द्वारा केजरीवाल को जमानत देने का फैसला, जिससे उन्हें मौजूदा चुनावों में अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने की अनुमति मिल सकी, केजरीवाल के समर्थकों के लिए आशा की किरण है. यह सकारात्मक विकास केजरीवाल की सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है, खासकर अगर उन्हें जनता की सहानुभूति मिलती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथित उत्पीड़न और अपने सहयोगियों की कैद को उजागर करते हुए केजरीवाल खुद को दमित व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं. केजरीवाल और उनकी पार्टी जनता को यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि जेल में उनके साथ कैसा दुर्व्यवहार किया गया और कैसे उन्हें इंसुलिन और मधुमेह की दवा देने से इनकार कर दिया गया. नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी(आप) की स्थापना के बाद से केजरीवाल की गिरफ्तारी पार्टी के लिए सबसे बड़ा संकट है. पार्टी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें आंतरिक संघर्ष, भ्रष्टाचार के आरोप और आम आदमी की पार्टी के रूप में अपनी छवि बनाये रखने की आवश्यकता शामिल है. पिछले कुछ वर्षों में, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के दिनों से केजरीवाल के कई सहयोगियों को हटा दिया गया है, समेत कई ऐसे आरोप हैं. केजरीवाल ने अपने इर्द-गिर्द केंद्रित एक व्यक्तित्व आधारित पार्टी की शुरुआत की है. आम आदमी पार्टी का सत्ता में आना काफी नाटकीय रहा है. इसकी शुरुआत 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से हुई थी. पार्टी कुछ ही महीनों के भीतर सत्ता में आ गई, लेकिन 48 दिनों में केजरीवाल का इस्तीफा आश्चर्यजनक नहीं था. हालांकि, अगले दो विधानसभा चुनावों में उन्होंने भारी बहुमत से जीत हासिल कर वापसी की. इन घटनाओं ने पार्टी के राजनीतिक प्रक्षेप पथ और केजरीवाल के लचीलेपन के बारे में जिज्ञासा जगा दी है. केजरीवाल हमेशा महत्वाकांक्षी रहे हैं. उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया और 2014 में बनारस में मोदी के खिलाफ भी खड़े हुए, लेकिन हार गये. इस साहसिक कदम से केजरीवाल और उनकी पार्टी का रुतबा काफी बढ़ गया. हाल ही में गठित इंडिया गठबंधन, जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक गठबंधन है और जिसका उद्देश्य भाजपा के प्रभुत्व को चुनौती देना है, में आप कांग्रेस के अलावा एक से अधिक राज्यों पर शासन करने वाली एकमात्र पार्टी के रूप में खड़ी है. यह गठबंधन उनकी पार्टी के दिल्ली और पंजाब से बाहर विस्तार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है. भाजपा या वामपंथी दलों के विपरीत इसका कोई ठोस वैचारिक रुख नहीं है. यह एआईएडीएमके, डीएमके, समाजवादी पार्टी, बीजू जनता दल, या राष्ट्रीय जनता दल जैसी क्षेत्रीय या समाजवादी पृष्ठभूमि पर निर्भर नहीं है. इसके बजाय, इसने भ्रष्टाचार-विरोधी और मुफ़्तखोरी संस्कृति के विकास का समर्थन करके शक्ति प्राप्त की है. आप अब दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के साथ लोकसभा चुनाव लड़ रही है, जबकि पंजाब में आप 13 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है. मोदी ने 'मोदी की गारंटी' का वायदा किया है, जबकि केजरीवाल ने दस सूत्री एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है. इस एजेंडे में भारतीय भूमि को चीनी कब्जे से 'मुक्त' कराना शामिल है यदि इंडिया ब्लॉक ने केंद्र में सरकार बनाई. दिल्ली को राज्य का दर्जा दिलाना, 24/7 बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के वायदे केजरीवाल के राष्ट्रीय मुद्दों पर फोकस को दर्शाते हैं. दिल्ली शराब नीति मामला आम आदमी पार्टी के लिए असुविधाजनक हो गया है और भाजपा के लिए सुविधाजनक, चूंकि चुनाव चल रहे हैं.

> पिछले कुछ वर्षों में, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के दिनों से केजरीवाल के कई सहयोगियों को हटा दिया गया है, समेत कई ऐसे आरोप हैं. केजरीवाल ने अपने इर्द-गिर्द केंद्रित एक व्यक्तित्व आधारित पार्टी की शुरुआत की है. आम आदमी पार्टी का सत्ता में आना काफी नाटकीय रहा है. इसकी शुरुआत 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से हुई थी.

मीडिया में अन्यत्र

भारत में 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्श बैठक

कुल 60 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्श बैठक (एटीसीएम) में भाग लेने के लिए केरल के कोच्चि में इकट्ठा हुए हैं. यह बैठक इस महीने के अंत तक चलने की उम्मीद है. एक सालाना आयोजन के तौर पर जाने जाना वाला, यह बैठक संक्षेप में 'परामर्शदाता पक्षों' या उन 29 देशों की बैठक है, जिनके पास अंटार्कटिक महाद्वीप के प्रबंधन से जुड़े मामलों पर मत देने का अधिकार है. इसमें शरीक होने वाले अन्य लोगों में बिना मताधिकार के 'पर्यवेक्षक' की हैसियत वाले देशों के साथ-साथ स्वतंत्र विशेषज्ञ व आमंत्रित पदाधिकारी शामिल हैं. इस बार के एजेंडे में एक दिलचस्प बिंदु पर्यटन से संबंधित है. 'समान विचारधारा' वाले देशों के एक समूह, जिसमें भारत भी शामिल है, ने इस महाद्वीप में पर्यटन को नियंत्रित करने वाले एक नियामक ढांचे को शुरू करने के प्रस्ताव पर जोर डाला है. अन्य महाद्वीपों के उलट, अंटार्कटिक की अपनी कोई स्वदेशी आबादी नहीं है. लाखों हेक्टेयर की अबाधित बर्फ और अपने भौगोलिक अलगाव के साथ, यह महाद्वीप पर्यटकों के रोजमर्रा के जमावड़े या अभिजात वर्ग की नियमित निजी-जेट यात्रा का एक स्थल नहीं है. यही बात इसे बेहद आकर्षक बनाती है. आज के दिन और युग में, जहां नौवहन लायक हर वर्गइंच भूमि क्षणभंगुर है और देखने के वास्ते इस्तेमाल हो रही है, वहीं अंटार्कटिक एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसे निर्जन वनप्रांतर कहा जा सकता है और इसके रहस्य बर्फ के कई किलोमीटर-मोटी चादर की तह में दबे हुए हैं. यह देखते हुए कि 'आकर्षक' अनुभवों का सृजन, संकलन और विपणन एक ऐसा उद्योग है जो जबरदस्त लाभ की गारंटी देता है, अंटार्कटिक अब एक ऐसा 'मोहक दक्षिणी स्थल' है जहां अमीर यात्री जाने की चाहत रखते हैं. तस्मानिया, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों द्वारा हाल ही में किए गए एक संयुक्त अध्ययन में बताया गया है कि यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या 1993 में 8,000 से बढ़कर 2022 में 1,05,000 हो गई है. इनमें सभी वैज्ञानिक अभियान और विभिन्न देशों द्वारा बनाए गए अनुसंधान केन्द्रों पर वैज्ञानिक कर्मियों की दीर्घकालिक मौजूदगी शामिल नहीं है. अब रिपोर्टें बताती हैं कि पर्यटकों की संख्या वैज्ञानिकों से ज्यादा है. निश्चित रूप से, 1966 से विभिन्न परामर्श बैठकों में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बारे में चिंता व्यक्त की गई है. इन बैठकों में उपस्थित लोगों की यह चिंता रही है कि ज्यादा जहाजों और ज्यादा लोगों का मतलब ज्यादा मानव निर्मित प्रदूषक और दुर्घटनाओं व आपदाओं की बढ़ती घटनाएं हैं जो इस इलाके की अनूठी जैव विविधता को अस्त-व्यस्त कर रहीं हैं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

स्थित/अवस्थित

रातूरोड स्थित खादगढ़ा में सब्जी मंडी है. एक खादगढ़ा कांटाटोली में भी अवस्थित है, जहां बिरसा मुंडा बस पड़ाव है. इन वाक्यों पर गौर करने पर हम पाते हैं कि पहले वाक्य में स्थित शब्द है तो दूसरे में अवस्थित. दोनों शब्दों के अर्थ भी एक ही है, लेकिन प्रयोग दोनों शब्दों के अपने अलग ढंग से होते हैं. स्थित और अवस्थित दोनों ही तत्सम विशेषण शब्द हैं. अंतर क्या है? स्थित में अव उपसर्ग के जुड़ने से अवस्थित शब्द की उत्पत्ति हुई है और अंतर प्रयोक्ता के ज्ञान और विवेक पर निर्भर हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार स्थित का अर्थ है किसी स्थान पर ठहरा या टिका हुआ, खड़ा, किसी जगह पर रखा अथवा नियुक्त किया हुआ, उपस्थित, मौजूद, दृढ़, पक्का, बैठा हुआ, आसीन, बसा हुआ. अवस्थित का मतलब है विद्यमान, मौजूद, दृढ़ निश्चय. स्थित और अवस्थित का प्रयोग अक्सर एक दूसरे के स्थान पर भी कर लिया जाता है, लेकिन उनके अर्थों में सूक्ष्म अंतर होता है. जब किसी चीज़ को किसी विशेष स्थान पर मौजूद होने के रूप में वर्णित किया जाता है, तो इसका अर्थ अक्सर यह होता है कि वस्तु या इकाई अपने परिवेश या वातावरण के सापेक्ष एक विशिष्ट तरीके से स्थित है. उदाहरण के लिए, एक घर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित हो सकता है, जो न केवल उसके स्थान को दर्शाता है, बल्कि परिदृश्य के संबंध में उसकी स्थिति को भी दर्शाता है. दूसरी ओर अवस्थित का तात्पर्य सामान्य अर्थ में किसी चीज़ के स्थान या स्थिति से है. यह आम तौर पर उस विशिष्ट स्थान को दर्शाता है, जहां कुछ पाया जाना है. आम तौर पर, स्थित का प्रयोग किसी चीज़ के स्थान और उसके अन्य चीज़ों से संबंध के बारे में ज़्यादा जानकारी देने के लिए किया जाता है, जबकि अवस्थित का इस्तेमाल ज़्यादा आसानी से यह बताने के लिए किया जाता है कि कोई चीज़ कहां है.

विधायकी में आखिर रखा ही क्या है?

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

सच पूछो तो न विधायक बनने में कुछ रखा है और न सांसद बनने में ! दोनों ही पद व्यर्थ हैं. सत्य की खोज में व्यक्ति कभी विधायक बनता है , उसके बाद विधायकी छोड़कर सांसद बन जाता है . फिर सांसदी छोड़कर फिर विधायक का चुनाव लड़ता है ,मगर शांति नहीं मिलती. शांति का असली निवास मंत्री पद है .जिसकी सरकार है, उसकी पांचों उंगलियां घी में हैं. वरना चाहे विधायक हो या सांसद, कोई पूछने वाला नहीं है. आदमी सड़क पर अकेला घूमता है और घर पर दो परांठे खा कर सो जाता है तथा अपने को भाग्यवान मानता है. सदन में भाषण देने के अतिरिक्त सांसद और विधायक के पास अधिकार नाम की कोई चीज नहीं है. जनता के काम क्या बेचारा करा सकता है? वह खुद बेचारी की स्थिति में होता है. विपक्ष के विधायक और सांसद की तो और भी दुर्गति है. न उसकी सरकार सुनती है, न प्रशासन सुनता है. जनता उसके पास शुरू के एक-दो साल तक समस्याओं का पुलिंदा लेकर जाती है और निराश होकर लौट आती है. फिर उसके बाद जाना बंद कर देती है. बेचारा विधायक सुबह से शाम तक मक्खी मारता है. और वह कर भी क्या सकता है? किसी का बाल भी बांका करने की उसकी स्थिति नहीं होती. सत्ता पक्ष में भी अगर कोई विधायक या सांसद बन गया तो कौन सा तीर मार लेगा? सत्ता केवल मंत्री पद में ही निहित होती है. या तो मंत्री या फिर बाकी सब संतरी. स्थिति यही है. जनता बेचारी शुरू के कुछ आम चुनावों में यही समझती रही कि हम विधायक और सांसद जिसको चुनेंगे, वह हमारा भाग्य विधाता बन जाएगा और हमारा भला करके हमें स्वर्ग जैसी सुविधाएं प्रदान करा देगा . लेकिन धीरे-धीरे जनता भी समझदार होती रही और नेतागण उसको मूर्ख नहीं बना पा रहे. आज सबके सामने स्थिति साफ है. मतदाता समझ चुका है कि उसे विधायक या सांसद नहीं चुनना होता है ,बाकायदा सीधे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के लिए बटन दबाना पड़ता है. जिसको जो पसंद है, वह अपनी पसंद के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को चुन ले. लोकतंत्र में सारी शक्ति सरकार के हाथों में है. जैसा सरकार चाहेगी, वैसा देश और प्रदेश बनेगा. इसलिए ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है कि चुनाव में टिकट किसे मिला अथवा किस पार्टी के टिकट पर कौन व्यक्ति चुनाव लड़ रहा है? किसी का कोई महत्व नहीं है. सब शतरंज के मोहरे हैं . असली ताकत सरकार में है.

अगले महीने आ सकता है मोटोरोला का यह दमदार फोन

मोटोरोला नई फ्लिप फोन सीरीज मोटो रेजर 50 को लॉन्च करने की तैयारी में है. इसकी लॉन्चिंग की कोई ऑफिशियल डेट कंपनी की ओर से जारी नहीं की गई है, लेकिन इसके डिजाइन के आदि के बारे में कुछ सूचनाएं लीक हुई हैं. नई सीरीज का बेस वेरिएंट यानी रेजर 50 चीन की टीईएनएए सर्टिफिकेशन पर लिस्ट हो गया है और फोन के डिजाइन को शोकेस किया गया है. उम्मीद जाहिर की जा रही है कि फोन अगले महीने तक भारतीय बाजार में लॉन्च होगी. आइए, इस फोन के डिजाइन, स्टोरेज, डिस्प्ले आदि के बारे में प्राप्त जानकारी साझा करें-

- **डिजाइन**

कंपनी नई सीरीज में बेस वेरिएंट से ही कवर डिस्प्ले ऑफर करने वाली है. वैसे फोन का डिजाइन रेजर 40 सीरिज की तरह ही होगा. जैसी सूचनाएं लीक हुई हैं, उसके मुताबिक कंपनी इस फोन में 1056x1066 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 3.6 इंच का कवर ओएलईडी पैनल देने वाली है. फोन में दिया जाने वाला यह ओएलईडी डिस्प्ले 120हर्ट्ज के रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा. इस फोन का मेन यानी फोल्डिंग डिस्प्ले 1080x2640 पिक्सल रेजॉलूशन वाला है. इस फुल एचडी+ डिस्प्ले का साइज 6.9 इंच है.

- **50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा**

एलईडी फ्लैश के साथ दो कैमरे होंगे जिसमें 50 मेगापिक्सल के मेन लेंस के साथ एक 13 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा शामिल है. वहीं, सेल्फी के लिए 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होगा.

- **दमदार बैटरी**

जानकारी के मुताबिक फोन की बैटरी 3950 मेगाहर्ट्ज की होगी. यह बैटरी 33 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी.

- **16जीबी तक की रैम और 1टीबी स्टोरेज**

बायोमेट्रिक सिक्योरिटी के लिए कंपनी इस फोन में साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर देने वाली है. फोन में 2.5G हर्ट्ज फ्रीक्वेंसी वाला ऑक्टा-कोर प्रोसेसर होगा जो मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300एक्स हो सकता है. जहां तक स्टोरेज का सवाल है, 16जीबी तक की रैम और 1टीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में लॉन्च हो सकता है.

"कल मैंने अमेजन की साइट पर एक खास ब्रांड के एक गैजेट को देखा था. बस उसके फीचर्स देख ऐप को बंद कर दी थी. आज सुबह ही मुझे कॉल आता है कि मैम कल आपने फलां ब्रांड के उस गैजेट को विजिट किया था. क्या उसे लेने में कोई दिक्कत आ रही है?" झारखंड की साहित्यकार रीता गुप्ता ने पिछले दिनों सोशल साइट पर यह अनुभव शेयर कर हमारी प्राइवेसी में स्मार्टफोन की सेंधमारी की जब चर्चा की तो प्रतिक्रिया में ऐसे अनुभवों का बाढ़ सी आ गई. सवाल तो इन दिनों जब-तब उठता ही है कि क्या वाकई हमारे पॉकेट में जो फोन है, वह हमारी ही जासूसी कर रहा?

हमारी प्राइवेसी में स्मार्टफोन की सेंधमारी!

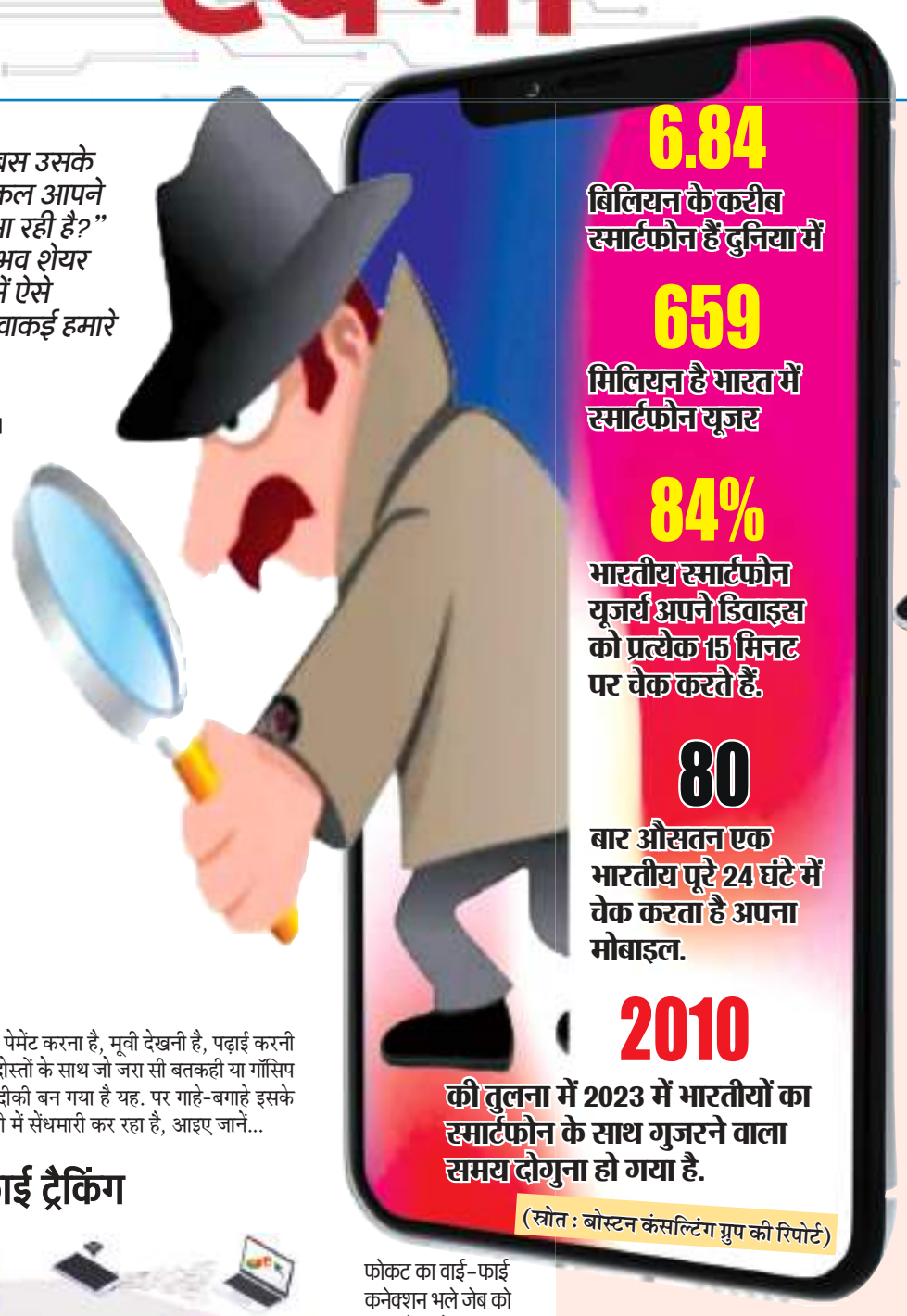

6.84
बिलियन के करीब स्मार्टफोन हैं दुनिया में

659
मिलियन है भारत में स्मार्टफोन यूजर

84%
भारतीय स्मार्टफोन यूजर्य अपने डिवाइस को प्रत्येक 15 मिनट पर चेक करते हैं.

80
बार औसतन एक भारतीय पूरे 24 घंटे में चेक करता है अपना मोबाइल.

2010
की तुलना में 2023 में भारतीयों का स्मार्टफोन के साथ गुजरने वाला समय दोगुना हो गया है.

(स्रोत : बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट)

यह स्मार्टफोन जिससे कुछ घंटे की भी दूरी अब हमें बर्दाश्त नहीं होती, हमारी कितनी मर्ज की दवा बन गया है. पेमेंट करना है, मूवी देखनी है, पढ़ाई करनी है, गेम खेलना है, बातें करनी है, ऑफिस के छोटे-मोटे काम निबटाने हैं, सब के लिए तो यही चाहिए. पहले दोस्तों के साथ जो जरा सी बतकही या गॉसिप कर के हम तरोताजा हो जाते थे, उसके लिए भी तो इसी बित्ते भर के फोन को हाथ में लेते हैं. हमारा सबसे नजदीकी बन गया है यह. पर गाहे-बगाहे इसके खतरे की बात भी उठती रहती है. 24 घंटे, सातो दिन हमारे साथ रहने वाला स्मार्टफोन किस तरह हमारी प्राइवेसी में सेंधमारी कर रहा है, आइए जानें...

जियोट्रैकिंग

सेल टॉवर के मल्टीलैटरेशन के जरिए या फिर इंटीग्रेटिड जीपीएस चिप के जरिए स्मार्टफोन का यह अहम फीचर लोकेशन ट्रैक कर लेता है. गर आपने अपने स्मार्टफोन का जीपीएस डिसेबल भी कर दिया है तो भी दूसरे सेंसर से इसे ट्रैक करना संभव है. किसी तरह की ऑनलाइन धोखाधड़ी या फिशिंग अटैक के मामलों से बचने के लिए कई बार लोकेशन डेटा बंद करना ही सही रहता है.

क्यों चाहिए परमिशन

स्मार्टफोन में जब हम कोई ऐप्स डाउनलोड करते हैं, तो अक्सर जरूरत से ज्यादा मामलों में अनुमति चाहिए होता है. अक्सर हमारी प्रवृति होती है ओके-आके के बटन लगातार दबाते रहने की. लेकिन हमें थोड़ा संदेह होना चाहिए कि आखिर इस नए गेम को हमारे कॉन्टेक्ट्स, जीपीएस और कैमरे की जरूरत क्यों है? तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह है कि हमेशा भरोसेमंद सोर्स जैसे गूगल प्ले स्टोर, ऐप स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करें.

वाई-फाई ट्रैकिंग

फोकट का वाई-फाई कनेक्शन भले जेब को राहत देता हो, पर प्राइवेसी की सेंधमारी की आशंका यहां अधिक बढ़ जाती है. इसके जरिए हैकर्स किसी नेटवर्क पर अनसिक्योर्ड डिवाइस को ऐक्सिस कर लेते हैं.

ऐंटीवायरस सॉफ्टवेयर की कमी

कंप्यूटर में यूजर्स ऐंटीवायरस सॉफ्टवेयर के जरिए बचाव करते हैं लेकिन स्मार्टफोन यूज़र्स के लिए ऐंटीवायरस सॉफ्टवेयर के बारे में अभी अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है. जब हमारा स्मार्टफोन हमारी इतनी सारी सूचनाएं समेटे रहता है तो जाहरि है ऐसे में उसे अतिरक्त सुरक्षा की दरकार है.

कैमरा कर रहा है जासूसी

तकनीकी दिग्गजों ने कई बार आगाह किया है कि फोन में फिजिकल ऐक्सिस के जरिए सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर या फिर रिमोट एक्सप्लॉइटेशन के जरिए हमारे फोन के कैमरे को हमारे ही खिलाफ एक्टिव कर जासूसी की जा सकती है.

माइक्रोफोन सुन रहा है हमारी बातें

हमारे स्मार्टफोन में मौजूद माइक्रोफोन को लेकर भी अक्सर चर्चा होती है कि वह हमारी बातें सुनता है और थर्ड पार्टी तक पहुंचाता है. हालांकि इस बात की अब तक पुष्टि नहीं हुई है, पर आशंका तो बनी ही हुई है.

सिक्योरिटी अपडेट्स की कमी

हमारे स्मार्टफोन के लिए विंडोज़ यूज़र की तरह सिक्योरिटी पैच नहीं मिलते. आईओएस के लिए तो फिर भी स्थिति बेहतर हैं, लेकिन ऐंड्रॉयड के लिए अपडेट्स कम आती हैं.

इन रिसर्च रिपोर्ट में में बेवफा निकला स्मार्टफोन

1. अमरीकी टेलीविज़न एनबीसी4आई ने पिछले दिनों इस बात की जांच की कि क्या फ़ेसबुक आपकी बातें सुनता है. उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा में मास कम्यूनिकेशन्स की प्रोफ़ेसर केली बर्न्स को इसकी जांच के लिए नियुक्त किया. केली ने अपने फ़ोन पर फ़ेसबुक ऐप में माइक्रोफ़ोन फीचर को चालू किया और कहा कि वह अफ़्रीकी सफारी देखना चाहती हैं. उन्होंने कहा कि वहां जाना रोमांचक होगा. एक मिनट भी नहीं हुआ था और उनके फ़ेसबुक फीड में सफारी से संबंधित एक कहानी दिखने लगी.

2. बोस्टन के नार्थइस्टर्न यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में देखा गया कि सभी ऐप के पास आपके स्क्रीन को या जो कुछ भी आप टाइप करते हैं, उन्हें रिकार्ड करने की क्षमता है. रिसर्च टीम ने स्टूडेंट्स द्वारा लिखे गए एक ऑटोमेटेड टेस्ट प्रोग्राम का उपयोग कर एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम में 17,000 से ज्यादा सबसे महत्वपूर्ण ऐप का विश्लेषण किया. इन 17,000 ऐप में से 9,000 ऐप के पास स्क्रीनशॉट्स लेने की क्षमता थी. विश्वविद्यालय के प्राध्यापक क्रिस्टो विल्सन ने कहा, 'अध्ययन में किसी भी प्रकार के ऑडियो लीक का पता नहीं चला. एक भी ऐप ने माइक्रोफोन को एक्टिव नहीं किया.'उन्होंने आगे कहा, 'उसके बाद हमने ऐसी चीजें देखी, जिसकी हमे आशा नहीं थी. ऐप खुद ब खुद स्क्रीनशॉट्स ले रहे थे और थर्ड पार्टी को भेज रहे थे.' बता दें कि यह स्टडी एंड्रॉयड फोन पर किया गया था.

3. 'हेडेक : जर्नल ऑफ हेड एंड फेस पेन' में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि माइग्रेन दर्द का पता लगाने के लिए विकसित ऐप भी थर्ड पार्टी को जानकारियां भेजता है. ये भी निजता का हनन है, क्योंकि मेडिकल ऐप से थर्ड पार्टी को डेटा भेजने के संबंध में कुछ कानूनी सुरक्षा प्रदान की गई है.

इनका कहना है

हां, वो सुन रहा है !

जी हां! वह सुन रहा है! सिर्फ दीवारों के ही कान नहीं होते मोबाइल के भी कान हैं. एक बार बच्चों के साथ बैठक कर मैं कंबोडिया के बारे में बात कर रही थी. फिर जब फोन खोला तो दंग रह गई कि सामने कंबोडिया के पर्यटन से जुड़े दृश्य दिखाए जाने लगे. इतना ही नहीं, टूर पैकेज के विज्ञापन भी आने लगे कि कितने में हम कंबोडिया का टूर कर सकते हैं. ऐसा कई बार हुआ कि घर के सारे सदस्य एक साथ मिलकर बैठते हैं बातें करते हैं कि किसको क्या खरीदना है किस ब्रांड का खरीदना है, चाहे वह कपड़े हो या होम अप्लायंसेज हो.

संगीता कुजारा टाक

यूट्यूब का शॉट या इंस्टाग्राम देखने पर अचानक वो प्रोडक्ट फ्लैश करने लग जाते हैं. ऐसा इसलिए होता है कि जब हम कोई भी ऐप डाउनलोड करते हैं तो वहां पर हम लोगों से परमिशन मांगी जाती है और हम वह परमिशन उन्हें देते हैं. कहानी यहीं से शुरू होती है. परमिशन के बिना ऐप नहीं चलेंगे और आप परमिशन देंगे तो वह आपकी बात सुनेंगे. दरअसल बात पैसों की है, कमाई की है. सारे ई-कॉमर्स वालों को डाटा की जरूरत है यह डाटा हमारे ऐप से आता है, जो हम डाउनलोड करते हैं. इन्हीं डाटा को वह दूसरी कंपनी में भेजते हैं ,और पैसे कमाते हैं. जरूरत है सावधानी की, हमें बिना मतलब के कोई भी ऐप को डाउनलोड नहीं करना चाहिए और डाउनलोड करने से पहले टर्म्स एंड कंडीशंस यानि शर्तें और नियम पढ़ने चाहिए.

तुरंत आ गया कॉल

गौरव माहेश्वरी

एक बार यूं ही घर में कार खरीदने की बात चली. हमने एक साइट पर अपने बजट के अनुकूल कार पसंद करने के लिए उसके फीचर्स देखें. फिर फोन रख दिया. अगले दिन कॉल आ गया, कि आप कार खरीदना चाहते हैं? जाहिर है प्राइवेसी में सेंधमारी का खतरा तो है.

भांपता तो है

मनीषा रानी

मैं लॉयर हूं तो अक्सर केस संबंधी कई संवेदनशील मसले क्लाइंट और साथियों से डिस्कस करती हूं. कभी ऐसा नहीं महसूस हुआ कि मेरी सूचना लीक हुई हो या कोर्ट-कानून से जुड़े मसले मुझे दिखने शुरू हुए हों. ऐसे में स्मार्टफोन की बेवफाई से अब तक वाकिफ नहीं हुई हूं. हां, ये जरूर पाया कि ऑनलाइन शॉपिंग साइट मेरी सर्च को भांप कर वैसी ही चीज मेरे सामने लाता है, जैसा मैं खोजती हूं.

जब गाती हैं जया किशोरी, गाड़ी में बिठा ले रे बाबा...

जया किशोरी की पहचान अपने देश में मोटिवेशनल स्पीकर और कथावाचक के रूप में हैं. उम्र बेशक अभी अधिक नहीं, लेकिन ख्याति बहुत बड़ी है. देश के कोने-कोने में उनके प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित होते हैं और उसमें कथा सुनने हजारों-लाखों भक्त पहुंचते हैं. मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता है. जया के मुख से जो दो भजन खास तौर पर सुने जाते हैं वे कहीं ना कहीं रफ्तार और तकनीक से जुडे हैं- म्हारी गाड़ी तो संभाले म्हारो राजा रणछोर, या गाड़ी में बिठा ले रे बाबा... इसके अलावा अक्सर भक्त उनसे "घड़ी बांध ले श्याम धनी..." सुनाने का भी आग्रह करते हैं. बहुत कम लोगों को पता है कि सादगी की प्रतिमूर्ति जया के पास कार के कलेक्शंस बहुत धांसू हैं. चुटकियों में 0 से 100 की रफ्तार पकड़ने वाली और किसी आरामदेह होटल के कमरे जैसी सुविधा उपलब्ध कराने जैसी केबिन वाली कारें उनके गैराज में हैं, ऐसा रिपोर्ट्स बताते हैं. आइए, उनकी गैराज में शामिल कुछ खास गाड़ियों की करें चर्चा –

शानदार लुक-डिजाइन

टोयॉटो फॉर्च्यूनर

रिपोर्ट के मुताबिक जया किशोरी के गैराज में टोयॉटो फॉर्च्यूनर एसयूवी है. सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी इससे सफर सुकूनदायक रहता है क्योंकि हाईवे पर जहां इसकी रफ्तार उड़ान भरती है, वहीं कच्ची और खराब सड़कों पर भी यह सरपट भागती है. इसकी शुरुआती कीमत करीब साढ़ 33 लाख रुपए है.

रिपोर्ट के मुताबिक जया किशोरी के गैराज में टोयॉटो फॉर्च्यूनर एसयूवी है. सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी इससे सफर सुकूनदायक रहता है क्योंकि हाईवे पर जहां इसकी रफ्तार उड़ान भरती है, वहीं कच्ची और खराब सड़कों पर भी यह सरपट भागती है. इसकी शुरुआती कीमत करीब साढ़ 33 लाख रुपए है.

दमदार इंजन

टोयोटा फॉर्च्यूनर दो इंजन ऑप्शन में आती है, जिसमें 2.7 लीटर पेट्रोल (166पीएस प्रति 245एनएम) और 2.8 लीटर टर्बो डीजल (204पीएस प्रति 500एनएम) में उपलब्ध है. डीजल इंजन के साथ इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है. जहां तक माइलेज की बात है, टोयोटा की डीजल इंजन वाली फॉर्च्यूनर से एक लीटर ईंधन पर करीब 8.0 किलोमीटर की दूरी तय की जा सकती है, वहीं टोयोटा फॉर्च्यूनर पेट्रोल इंजन एसयूवी से एक लीटर ईंधन पर 10.0 किलोमीटर तक का रास्ता नापा जा सकता है.

इस 7 सीटर टोयोटा कार का इंटीरियर व स्टाइल शानदार है. इसमें बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम (स्टैंडर्ड वेरिएंट में 8.0 इंच और लेजेंडर वेरिएंट में 9.0 इंच डिस्प्ले) दिया गया है, जो एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले कनेक्टिविटी सपोर्ट करता है. स्टैंडर्ड वेरिएंट में 18-इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं. वहीं, लेजेंडर वेरिएंट में 20-इंच के ड्यूल टोन अलॉय व्हील्स मिलते हैं. इसके अलावा, लेजेंडर वेरिएंट में 360 डिग्री पार्किंग कैमरा, वायरलैस चार्जिंग, किक-टू-ओपन पावर्ड टेलगेट और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर भी दिए गए हैं. सवारियों की सुरक्षा के लिए इस एसयूवी कार में से 7 एयरबैग, हिल असिस्ट, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल और एबीएस के साथ ईबीडी दिए गए हैं.

एमजी ग्लॉस्टर एसयूवी

करीब 38.80 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाला एमजी (मॉरिस गैराजेस) ग्लॉस्टर एसयूवी भी जया किशोरी के गैराज में ठाठ से खड़ी है और लंबी दूरी के लिए उनकी पसंदीदा कारों में एक है. यह सात सीटर कार लुक व स्टाइल में दमदार है और इसकी केबिन हाईटेक है.

इसका इंजन 1999 सीसी का है जो 213 हॉर्स पावर की ताकत जेनरेट कर सकता है.ड्यूल पैनारोमिक सनरूफ, ऑटो पार्क, इंटेलीजेंट फोर व्हील ड्राइव जैसे फीचर इसकी सवारी का अनुभव दिव्य बनाते हैं.

मर्सिडीज बेंज ए-क्लास लिमोजीन

42 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाली मर्सिडीज बेंज ए-क्लास लिमोजीन लग्जरी कार भी जया किशोरी के गैराज की शोभा है, ऐसा रिपोर्ट्स बताते हैं.

मर्सिडीज-बेंज ए-क्लास लिमोसिन अपने देश में तीन इंजन विकल्पों और दो ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ मिलते हैं.ए 200 वेरिएंट में 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिलता है. यह 161 बीएचपी का पावर और 250 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है. इस इंजन में 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स मिलता है.

वहीं ए 200 डी वेरिएंट में 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है जो 147 बीएचपी का पावर और 320 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है. इस इंजन के साथ 8-स्पीड डीसीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया गया है.

लेकिन ड्राइविंग का ज्यादा आनंद ए 35 एएमजी वेरिएंट में मिलता है. इसमें 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल मिलता है, जो 302 बीएचपी का पावर और 400 एनएम का जबरदस्त टॉर्क जेनरेट करता है. ए 35 एएमजी वेरिएंट सिर्फ 4.8 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है. इस कार की टॉप स्पीड 200 किलोमीटर प्रति घंटा है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ट्रॉफी जीत ली तो क्या... बीसीसीआई को दिखाया ठेंगा

परिवार संग शाहरुख खान ने नियमों की उड़ाईं धज्जियां

एजेंसी। चेन्नई

कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2024 में पहले टेबल टॉपर रही और अब फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराकर तीसरी बार ट्रॉफी जीत ली है. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी में भी कोलकाता के खिलाड़ियों ने दबदबा बना कर रखा.

चैंपियन बनने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर को ट्रॉफी सौंपी गई और उन्होंने पूरी टीम के साथ मिलकर इस खास लम्हे का भरपूर आनंद लिया. इस बीच शाहरुख खान का फ्लाइंग किस देने का वीडियो सामने आया है, जिसमें किंग खान को हर्षित राणा के साथ फ्लाइंग किस देते देखा गया. इसके अलावा उन्होंने पूरी टीम के साथ भी फ्लाइंग किस किया.

हर्षित राणा पर लगा था जुर्माना: केकेआर के स्टाफ ने ट्रॉफी के साथ जो फ्लाइंग किस पोज दिया है, उसे टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने वायरल किया था. दरअसल ये सीजन के शुरुआती मुकाबलों की बात है जब केकेआर का सामना एसआरएच से हुआ था. उस मैच में मयंक अगरवाल को आउट करने के बाद हर्षित राणा ने उन्हें फ्लाइंग किस देकर सेंड-ऑफ किया था. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने माना कि हर्षित द्वारा किया गया इशारा खेल भावना के विपरीत है. नियमों का उल्लंघन करने के लिए बोर्ड ने हर्षित पर जुर्माना लगाया था.

आईपीएल 2024 की ट्रॉफी के साथ पोज

शाहरुख खान की मालिकाना हक वाली टीम कोलकाता नाइट राइडर्स स्टेज पर आईपीएल 2024 की ट्रॉफी के साथ जश्न मना रही थी. ऐसे में किंग खान, गौरी खान और उनके तीनों बच्चों के अलावा जूही चावला और उनके पति जय मेहता भी पूरी केकेआर टीम के साथ फ्लाइंग किस पोज देते हुए नजर आए. कोलकाता टीम का पूरा स्टाफ इस पोज को देने के बाद हंसी रोक नहीं पाया और सबने खूब ठहाके लगाए.

शाहरुख ने पत्नी और बच्चों को गले लगाया : केकेआर के ट्रॉफी जीतने की खुशी शाहरुख खान के चेहरे पर साफ झलक रही थी. इस बीच उन्होंने अपनी पत्नी, गौरी खान को गले लगाने से पहले उनके माथे को चूमा भी था. इसके बेटी सुहाना खान और छोटे बेटे अब्राम खान को भी गले से लगाया. ये बात किसी से छुपी नहीं है कि किंग खान को गौतम गंभीर पर बहुत भरोसा है. गौतम गंभीर की मेंटरशिप में कोलकाता चैंपियन बनी है.

शाहरुख खान व गौतम गंभीर हैं आईपीएल में केकेआर की जीत के असली हीरो

चेन्नई। शाहरुख खान की कोलकाता नाइटराइडर्स ने 2024 की आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम कर ली है. साल 2008 से शुरू हुए आईपीएल में ये तीसरी बार है जब शाहरुख की टीम ने आईपीएल फाइनल में पहुंच कर जीत हासिल की है. टीम के कैप्टन श्रेयस अय्यर और बाकी के खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस तो वजह है ही, जिस वजह से केकेआर ने जीत हासिल की है. लेकिन दो और लोग हैं जो इस जीत के असली हकदार हैं.

टीम के ओनर शाहरुख और टीम के मेंटर गौतम गंभीर. शाहरुख और गौतम गंभीर की कहानी एक सी है. दोनों का डाउनफॉल, दोनों की ट्रोलिंग और दोनों से जुड़े विवाद भी एक जैसे ही हैं. लेकिन एक और चीज है जो दोनों को एक जैसा बनाती है. वो है दोनों का करिश्मा. दोनों लड़खड़ाए लेकिन वापस आए और कुछ इस तरह आए कि रिजल्ट ब्लॉकबस्टर साबित हुआ.

शाहरुख और गंभीर दोनों का बुरा वक्त भी एक जैसा: शाहरुख खान साल 2023 में बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर बेशक बन गए हों, लेकिन उसके थोड़ा सा पहले ही जाएं तो याद आता है कि लोग उनके बारे में क्या-क्या बोलते थे. ये तक कहा जाने लगा था कि शाहरुख का चार्म अब खत्म हो

शाहरुख और गौतम गंभीर ने की एक जैसी वापसी

शाहरुख खान, केकेआर और गौतम गंभीर की कहानी एक जैसी है. तीनों का अच्छा दौर लगभग एक ही समय में घूम-घूमकर वापस आता रहा है. वैसे तो आईपीएल 2008 से शुरू हो गया था, लेकिन बात करते हैं 2011 से. ये वही साल है जब गौतम गंभीर केकेआर से जुड़े. शाहरुख की लगातार फ्लॉप्स के बाद साल 2011 और 12 में डॉन 2 और जब तक है जान आईं. दोनों हिट रहीं. गौतम गंभीर भी 2011 में केकेआर से जुड़े और कैप्टन के तौर पर टीम की कमान संभाली. 2012 में केकेआर ने पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की. मतलब साल 2012 में शाहरुख, केकेआर और गौतम गंभीर तीनों ने वापसी की. इसके पहले गंभीर साल 2011 में विश्वकप विजेता इंडियन टीम का हिस्सा रहे हैं.

शाहरुख और गंभीर ने एक साल के अंदर रचे इतिहास

शाहरुख खान ने साल 2023 में तीन फिल्में दीं. जवान, पठान और डंकी के जरिए वो भारतीय सिनेमा के अकेले ऐसे एक्टर बनकर उभरे जिनकी फिल्मों ने एक साल में ही ढाई हजार करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया. ये इतिहास के पन्नों में दर्ज सचिन तेंदुलकर के उन शतकों की संख्या की तरह है जिनका रिकॉर्ड एक न एक दिन जरूर टूट जाएगा, लेकिन ऐसा करने वाले वो पहले थे. शाहरुख भी ऐसा करने वाले पहले एक्टर हैं. बिल्कुल उसी तर्ज पर ही एक साल के अंदर ही गौतम गंभीर ने भी 26 मई 2024 को एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया जो दुनिया का कोई खिलाड़ी कभी नहीं कर पाया. गौतम गंभीर एक ही टीम के कैप्टन और मेंटर के तौर पर आईपीएल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं.

ब्रीफ खबरें

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम जर्मनी से हारी

ब्रेडा (नीदरलैंड)। भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम को यहां यूरोप दौरे पर जर्मनी के खिलाफ चौथे मैच में 0-1 से शिकस्त का सामना करना पड़ा. जर्मनी ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त बना ली. दूसरे और तीसरे क्वार्टर गोल रहित रहे जिससे जर्मनी की टीम की बढ़त बरकरार रही. भारत ने बराबरी का गोल दागने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन सफलता नहीं मिली. अंतिम क्वार्टर में जर्मनी को बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला लेकिन भारतीय गोलकीपर ने पेनल्टी स्ट्रोक पर विरोधी टीम के प्रयास को नाकाम कर दिया.

शकारी रिचडर्सन 100 मीटर में बनी चैंपियन

नई दिल्ली। गत विश्व चैंपियन अमेरिका की शकारी रिचडर्सन ने डायमंड लीग प्रीफोंटाइन क्लासिक में महिलाओं की 100 मीटर की रेस 10.83 सेकेंड के साथ जीत ली. पुरुषों में अमेरिका के क्रिस्टियन कोलमैन ने 9.95 सेकेंड में सत्र के श्रेष्ठ समय के साथ 100 मीटर की रेस जीती, जबकि केन्या की बिटराइस चेबेट ने 10 हजार मीटर में 28 मिनट 54.14 सेकेंड के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया. महिलाओं की फर्राटा दौड़ में रिचड्र्सन शुरुआती 30 मीटर में पिछड़ रही थी लेकिन उसके बाद उन्होंने रफ्तार पकड़ी.

मैदानकर्मियों व क्यूरेटर के लिए पुरस्कार की घोषणा

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने उन्हें गुमनाम नायक बताते हुए सोमवार को घोषणा की कि सभी 10 नियमित आईपीएल स्थलों के मैदानकर्मियों और क्यूरेटरों को लीग के दौरान शानदार पिचें मुहैया करने के लिए सराहना के तौर पर 25-25 लाख रुपए दिए जाएंगे.आईपीएल 2024 का समापन रविवार को चेन्नई में हुआ जिसमें फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट की जीत के साथ अपनी तीसरी खिताबी जीत दर्ज की. शाह ने एक्स पर लिखा, हमारे सफल टी20 सत्र के गुमनाम नायक मैदानकर्मी हैं.

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय पुरुष हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन

हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक से अर्जेन्टीना 5-4 से पराजित

एजेंसी । एंटवर्प (बेल्जियम)

कप्तान हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग में अर्जेन्टीना पर 5-4 से रोमांचक जीत दर्ज की. हरमनप्रीत (29वें, 50वें और 52वें मिनट) के अलावा अराइजीत सिंह हुंदल (सातवें मिनट) और गुरजंत सिंह (18वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल किए. अर्जेन्टीना के लिए फेडेरिको मोंजा (तीसरे मिनट), निकोलस कीनन (24वें मिनट), तादेओ मारुची (54वें मिनट) और लुकास मार्टिनेज (57वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा.

भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले क्वार्टर में अधिकांश समय गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सटीक पास देकर अर्जेंटीना के सर्कल में घुसे. हालांकि पहला गोल अर्जेंटीना ने दागा जब फेडरिको ने करीब से गोल करके टीम को 1-0 से आगे किया. भारत ने जल्द ही बराबरी हासिल कर ली जब अराइजीत ने शानदार मैदानी गोल किया. भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका और पहला क्वार्टर 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ. भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की. गुरजंत ने बेहतरीन मैदानी गोल दागकर टीम को 2-1 से बढ़त दिलाई.

कीनन ने इसके बाद भारतीय रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए सर्कल में प्रवेश किया और गेंद को गोल में पहुंचा कर स्कोर 2-2 कर दिया. हालांकि भारत ने क्वार्टर में एक मिनट शेष रहते हुए पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और हरमनप्रीत ने भारत को 3-2 से आगे कर दिया. तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने तेजतर्रार हॉकी का प्रदर्शन किया. भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसे गोल में नहीं बदल सका क्योंकि हरमनप्रीत के शॉट को अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक दिया. दोनों टीमों की रक्षापंक्ति मजबूत होने के कारण तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा.चौथे क्वार्टर में भारत अच्छी लय में दिखा.

टीम ने अर्जेंटीना को गलतियां करने के लिए मजबूर किया जिससे मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे पेनल्टी स्ट्रोक में बदल दिया गया और हरमनप्रीत ने गोल करके भारत को 4-2 की बढ़त दिला दी. दो मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया और इस बार भी हरमनप्रीत ने गोल करके भारत को 5-2 से आगे कर दिया. अर्जेंटीना ने तादेओ और लुकास के गोल से हार का अंत कम किया लेकिन भारत को 5-4 से जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाया.

भारत अर्जेन्टीना

- हरमनप्रीत सिंह, अराइजीत सिंह व गरजंत ने किए गोल
- हरमनप्रीत ने गोल करके भारत को 4-2 की बढ़त दिला दी

सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट आज से

पीवी सिंधू की अगुवाई में भारतीय शटलरों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी। सिंगापुर

पीवी सिंधू, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 850,000 डॉलर (लगभग सात करोड़ रुपए) पुरस्कार राशि वाले सिंगापुर ओपन में दमदार प्रदर्शन करके पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की कोशिश करेंगे. पेरिस ओलंपिक में दो महीने ही बचे हैं और चार वर्षों में होने वाले इन खेलों में भाग लेने से पहले खिलाड़ियों को खुद के खेल में सुधार करने के लिए सिंगापुर ओपन 750 के अलावा ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500, इंडोनेशिया सुपर 1000, कनाडा ओपन सुपर 500 में भाग लेने का मौका मिलेगा.

थाईलैंड ओपन में हाल ही में चैंपियन बनी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ओलंपिक के लिए बेहतरीन लय में दिख रही हैं, जबकि सिंधू ने भी रविवार को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहने के बाद अपना दावा मजबूत किया है. लक्ष्य और प्रणय पिछले कुछ समय से चली आ रही खराब लय को पीछे छोड़ पेरिस खेलों से पहले लय हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे. मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ निर्णायक गेम में 11-3 की बढ़त को गंवाने वाली सिंधू यहां डेनमार्क की लीन होजमार्क कजेर्सफेल्ट के खिलाफ सकारात्मक शुरुआत करना चहेंगी.

मलेशिया में सिंधू का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला लगभग 80-80 मिनटों तक चला था जिससे उनके लिए थकान से उबरना भी जरूरी होगा. वह अगर शुरुआती दौर की बाधा को पार करने में सफल रही तो दूसरे दौर में उनके सामने रियो ओलंपिक चैम्पियन स्पेन की कैरोलिना मारिन की चुनौती हो सकती है. पुरुष युगल में विश्व में नंबर एक सात्विक और चिराग के सामने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड की चुनौती होगी. लक्ष्य ने फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में लगातार दो सेमीफाइनल में जगह बना कर ओलंपिक क्वालीफिकेशन में प्रवेश किया था.

यह युवा खिलाड़ी ब्रेक के बाद आ रहा है और पुरुष एकल में उसका सामना दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन से होगा. एक्सेलसेन का हौसला रविवार को मलेशिया मास्टर्स चैम्पियन बनने के बाद काफी बढ़ा हुआ होगा. स्वास्थ्य समस्याओं से उबर रहे आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को थाईलैंड ओपन के शुरुआती दौर में हमवतन मेइराबा लुवांग मैसनाम ने बाहर का रास्ता दिखाया था.

स्टार्क ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए एक प्रारूप छोड़ने के दिए संकेत

एजेंसी ।चेन्नई

राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण लगभग एक दशक तक लुभावनी निजी लीग के आकर्षण से बचने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने संकेत दिया है कि वह अपने कार्यक्रम में अधिक फ्रेंचाइजी क्रिकेट को शामिल करने के लिए एक प्रारूप को छोड़ सकते हैं. हालांकि इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ने यह नहीं बताया कि वह किस प्रारूप को छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह देखते हुए कि अगला 50 ओवर का विश्व कप 2027 में होगा, संभावना है कि यह एकदिवसीय प्रारूप होगा. कोलकाता नाइट राइडर्स ने स्टार्क को नीलामी में रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था. उन्हों समाप्त आईपीएल 2024 के अंत में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने दो नॉकआउट मैचों में पांच विकेट सहित टूर्नामेंट में कुल 17 विकेट लिये.

एम्बाप्पे के विदाई मैच में पीएसजी ने जीता फ्रेंच कप

एजेंसी। पेरिस

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपने स्टार फुटबालर किलियन एम्बाप्पे के विदाई मैच में लियोन पर 2-1 से जीत दर्ज कर फ्रेंच कप पर कब्जा जमा लिया. पीएसजी की जीत में एम्बाप्पे ने कोई गोल नहीं किया, लेकिन क्लब के साथ सात वर्षों के उनके शानदार सफर को ध्यान में रखते हुए फाइनल के बाद साथी खिलाडियों ने उन्हें हवा में उछालकर जश्न मनाया. एम्बाप्पे ने पीएसजी के लिए 308 मैच खेले, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड 256 गोल किए. एम्बाप्पे के अगले सत्र में स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के साथ जुडने की संभावना है. पीएसजी के लिए दोनों गोल पहले हाफ में ओस्मान डेंबेले (22) और फेबियन रुइज (34) ने किए. लियोन के लिए एकमात्र गोल जैक ओब्रायन (55) ने किया.

लेवरकुसेन ने जीता जर्मन कप : नयी दिल्ली। बायर लेवरकुसेन ने जर्मन कप के फाइनल में काइसरस्लॉटर्न को 1-0 से पराजित कर खिताब जीता. कुछ दिन पूर्व पहली बार बुंडेसलीगा जीतने वाले बायर का यह इस सत्र में दूसरा खिताब है.

बार्सिलोना ने महिला चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया

बिलबाओ। पुरुषों की तरह लियोन की महिलाओं को भी यूएफा महिला चैंपियंस लीग के फाइनल में बार्सिलोना के हाथों हार का सामना करना पड़ा. बार्सिलोना ने लियोन को 2-0 से हराकर पिछले चार सत्रों में तीसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीता. एइटाना बोनमाती ने दूसरे हाफ में बार्सिलोना के लिए गोल किया. स्टापेज समय में विश्व की पूर्व श्रेष्ठ फुटबालर एलेक्सिया पुटेलास ने बार्सिलोना के लिए दूसरा गोल किया.

यूएई की अल अइन एशियाई चैंपियंस लीग की विजेता बनीं

अबु धाबी। संयुक्त अरब अमीरात के क्लब अल अइन ने जापानी क्लब योकोहामा मरीनोज को 5-1 से परास्त कर एशियाई चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया. पहले चरण के फाइनल में अल अइन को 2-1 से हार मिली थी. दूसरा चरण जीतकर अल अइन ने 6-3 के औसत से मुकाबला जीता. चेल्सी, एसी मिलान के पूर्व स्ट्राइकर हरनना क्रेस्पो की कोचिंग में खेल रही अल अइन 2003 के बाद पहली बार विजेता बना है.

क्रिकेट | अमेरिका में टूर्नामेंट का पहला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच होगा

अमेरिका में टी20 विश्व कप से क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ने की उम्मीद

- विश्व कप के ज्यादातर मैच कैरेबियाई देशों में होंगे
- न्यूयॉर्क, डलास लॉडरहिल में कुल 16 मैच खेले जाएंगे

एजेंसी ।नयी दिल्ली

क्रिकेट18वीं सदी में अमेरिका में मनोरंजन का एक लोकप्रिय माध्यम था, लेकिन बेसबॉल की बढ़ती लोकप्रियता के बीच यह गुमनाम खेल की तरह हो गया. एक जून से शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप के जरिये यह खेल उत्तरी अमेरिका में बड़े स्तर पर वापसी कर रहा है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह स्थानीय दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ने में सक्षम होगा? विश्व क्रिकेट पर आर्थिक रूप से भारत का दबदबा है, लेकिन वैश्विक स्तर पर इस खेल का संचालन करने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अमेरिका के बाजार में बड़ी संभावनाएं दिखती है. इस टी-20 विश्व कप को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक के लिए एक प्रमुख कदम के रूप में भी देखा जाता है.

विश्व कप के ज्यादातर मैचों (55) का आयोजन कैरेबियाई देशों में होगा. इसमें नॉकआउट चरण के साथ फाइनल मैच भी शामिल है. अमेरिका के तीन स्थानों न्यूयॉर्क, डलास और लॉडरहिल में कुल 16 मैच खेले जायेंगे. टी20 विश्व कप में प्रतिस्पर्धा के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेले जाने वाला मैच अमेरिका में इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला होगा. इसकी मेजबानी न्यूयॉर्क करेगा. यही स्थल नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले मैच की मेजबानी भी करेगा. दुनिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रहे वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा ने भी अमेरिका में टी-20 विश्व कप के मैचों को करने का स्वागत किया.

उन्होंने कहा कि टी-20 क्रिकेट काफी मनोरंजक होता है और लोग इसे देखना चाहते है. अमेरिका के लोग मनोरंजन ही चाहते है. उन्होंने कहा, 'जब आप अमेरिका के किसी व्यक्ति से बात करते है तो वह यही कहता है कि आप पांच दिनों तक एक खेल खेलते हैं और फिर वह ड्रा पर समाप्त हो जाता है. यह सब किस बारे में है? ऐसे में उसे इस खेल के बारे में समझाना मुश्किल हो जाता है.

खेल को लेकर जागरुकता बढ़ेगी: वेनु पिसिके

'यूएसए क्रिकेट' के प्रमुख वेनु पिसिके ने भी माना कि आईसीसी आयोजन से खेल को लेकर जागरूकता बढ़ेगी. इसका आकर्षण हालांकि 2028 ओलंपिक का हिस्सा बनने से और ज्यादा बढ़ेगा. पिसिके ने कहा,' अब तक, क्रिकेट मुख्य रूप से प्रवासियों का खेल है, लेकिन विश्व कप के दौरान विपणन और प्रचार गतिविधियों के कारण इसकी लोकप्रियता में कुछ इजाफा हुआ है. विश्व कप निश्चित रूप से अमेरिका में इस खेल के विस्तार के मौकों को बढ़ावा देगा.' उन्होंने कहा, ' विश्व कप के कारण लोग इस खेल को लेकर जागरूक हो रहे है और फिर क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल होने का अवसर मिल रहा है, जो निश्चित रूप से हर समुदाय को आकर्षित करेगा क्योंकि अमेरिका खेलों के मामले में बड़ा देश है.'

फ्रेंच ओपन: चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका दूसरे दौर में

एजेंसी पेरिस

चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता जापान की टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने इटली की लुसिया ब्रोनजेटी को तीन सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई. ओसाका ने महिला सिंगल्स वर्ग में पहले दौर का मैच 6-1, 4-6, 7-5 से अपने नाम कर लिया. यह उनकी फ्रेंच ओपन में तीन साल में पहली जीत है. इस साल 15 महीने के मातृत्व अवकाश से लौटी ओसाका जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले दौर में हार गई थीं.26 साल ही ओसाका ने पहला सेटा एकतरफा अंदाज में 28 मिनट में ही जीत लिया था लेकिन दूसरे सेट में वह 4-6 से हार गईं. इसके बाद तीसरे सेट में 7-5 से जीत दर्ज करते दूसरे दौर में पहुंच गईं.

वावरिंका ने मरे को हराया

ब्रिटेन के एंडी मरे को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा और उन्हें स्टान वावरिंका ने लगातार सेटों में 6-4, 6-4, 6-2 से मात दी. वावरिंका की मरे के खिलाफ 23 मुकाबलों में यह 10वीं जीत है. दोनों पहली बार 2005 में भिड़े थे. फ्रेंच ओपन में 1980 से वावरिंका सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने यहां 39 बरस या इससे अधिक उम्र में जीत दर्ज की है.

ब्रीफ खबरें

नदी किनारे बरामद हुआ बोलेरो चालक का शव

पूर्वी चंपारण । जिले हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत के वार्ड नंबर 14 डोभी टोला के समीप नदी किनारे से सोमवार की सुबह एक बोलेरो चालक का शव बरामद किया गया है. मृतक वार्ड 12 निवासी दशई सहनी का 23 वर्षीय पुत्र संजीत कुमार सहनी बताया गया है. मिली जानकारी के अनुसार वह शनिवार को बोलेरो गाड़ी चलाकर मंगनुआ गांव से बारातियों को लेकर कोटवा गया था,रात में बारात से लौटने के बाद वह घर नहीं पहुंचा. वही रविवार की सुबह नदी के किनारे उसका शव बरामद हुआ है.

संदिग्धावस्था में नवविवाहिता की मौत

भागलपुर । जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के मकससपुर गांव में सोमवार को एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध अवस्था में कमरे में रस्सी के सहारे फंदे से लटकता हुआ बरामद हुआ है. वहीं मृतका के परिजन द्वारा उसके पति और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया गया है. बताया जा रहा है कि मृतका और उसके पति के बीच दहेज के समान को लेकर अक्सर विवाद हुआ कराता था. मृतका की शादी 6 माह पहले हुई थी. घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई. इसके बाद पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया.

बंद पड़े कार्यालय में आग से अफरातफरी

अररिया : जिले के बथनाहा स्थित सिंचाई परियोजना के बंद पड़े कार्यालय में रविवार की देर रात अचानक आग लग गई, जिससे काफी अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया. सूचना के बाद बथनाहा थानाध्यक्ष धनोज कुमार गुप्ता समेत फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया. आग लगने के कारण का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बंद पड़े इस कार्यालय भवन में नशेड़ियों ने अपना अड्डा बना रखा है,जहां शाम के बाद से ही नशेड़ी जमा होकर गांजा, भांग सहित स्मैक जैसे नशे का पान करते हैं.

नीतीश कुमार ने नालंदा के हिलसा गांव में सभा को संबोधित किया, बोले-

तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे और देश का विकास होगा

संवाददाता । नालंदा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने गृह जिले नालंदा के हिलसा सोमवार को पहुंचे. जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया. नीतीश कुमार जेडीयू प्रत्याशी कौशलेंद्र कुमार के पक्ष में वोट मांगने के लिए पहुंचे थे. सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा है कि बिहार में 40 सीट है 40 सीट जीतेंगे. देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनेंगे और देश का विकास होगा. बिहार के विकास के लिए भी मदद करेंगे. हम अपील करने आए हैं कि हमारे उम्मीदवार कौशलेंद्र कुमार को भारी मतों से विजयी बनाइए. नीतीश कुमार ने लालू परिवार पर साधा. उन्होंने कहा कि 2005 के पहले क्या स्थिति थी? पूरी तरह से जंगल राज था. कोई घर से बाहर नहीं निकलता था, जिससे मुक्ति हमने और बीजेपी ने दिलाई. इतना ही नहीं हिंदू-मुस्लिम को लड़ने वाले से भी हम लोगों ने मुक्ति दिलाई. अब देखा जाए तो हिंदू मुस्लिम एक हैं और लड़ाई नहीं हो रही है. हम लोग हर क्षेत्र में काम कर रहे हैं. शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या फिर सड़क, बिजली पानी हो हर क्षेत्र में काम हुआ है.

मुस्लिम कम्युनिटी से की अपील : सीएम ने आगे कहा कहा कि जो हम लोग के खिलाफ हैं वह मुस्लिम के लिए एक भी काम नहीं किया और बोलता है कि मुस्लिम मेरे साथ है. हम तो मुस्लिम कम्युनिटी के लोगों से कहेंगे कि वह लोग कोई काम देता था. हिंदू मुस्लिम का झगड़ा कराता था. इसको बंद हम और बीजेपी ने कराया इसलिए इधर उधर क्यों जाइएगा. हमलोग ने अब तय कर दिया है कि हम अब कभी नहीं इन लोगो के साथ जाएंगे, क्योंकि बीजेपी के साथ 1995 से हैं और सब दिनों के लिए साथ रहेंगे. बता दें कि इस सभा में मंत्री संजय झा, ललन सिंह, मंत्री श्रवण कुमार, विधायक समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

खास बातें

- 2005 के पहले क्या स्थिति थी? पूरी तरह से जंगल राज था
- हिंदू-मुस्लिम को लड़ानेवालों से भी हमलोगों ने ही मुक्ति दिलाई

लालू-तेजस्वी वार जून के बाद किसी मस्जिद में पड़े रहेंगे : गिरिराज सिंह

पटना । बिहार में ''इंडिया'' और एनडीए गठबंधन के नेता लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर पूरी ताकत झोंके हुए हैं. इसको लेकर जमकर बयानबाजी भी हो रही है और दावे किए जा रहे हैं. इस बीच सोमवार को बीजेपी से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि इस लहर में सब साफ हो जाएंगे. चार जून के बाद लालू यादव और तेजस्वी यादव किसी मस्जिद में पड़े रहेंगे. 400 के पार हो चुका है.

राहुल पर साधा निशाना : वहीं , राहुल पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वो तो अपने ही सुर में चलते हैं. उनको जो पर्चा बना दिया जाता है वही बोलते हैं. बिहार में राहुल के चुनावी दौरा पर उन्होंने कहा कि 'मुस मुड़हएन लोढ़ा होईएन'. अब उनके आने से क्या होगा?

पूर्णिया में दलाल गिरोह का भंडाफोड़, गिरफ्तार

पूर्णिया : पूर्णिया के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक दलाल गिरोह का पर्दाफाश हुआ है. जिसके सदस्य झूठे दावों से मरीजों से धोखाधड़ी करते थे. एक दलाल आफताब आलम को गिरफ्तार किया गया है, जो खुद को गलत तरीके से पप्पू यादव का आदमी बताता था. घटना की जानकारी देते हुए पूर्णिया लाइन बाजार की निवासी अकबरी बेगम ने बताया कि आफताब ने झूठा दावा किया कि वह अपराधी गिरोह पप्पू यादव का आदमी है. उसने पहले 500 रुपये और फिर ब्लड जांच के लिए 1000 रुपये मांगे. इस पर शक होने पर पता चला कि वह एक दलाल है. अधिकारियों ने इस मामले में सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है ताकि दलालों के झूठे दावों पर विश्वास करके मरीजों का शोषण न हो सके.

बच्चों के विवाद में युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले बंजरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जनेरवा गांव में बच्चों के विवाद में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. पुलिस ने हत्या के आरोप में एक नाबालिग को पकड़ा है. मृतक की पहचान जनेरवा गांव निवासी मलबिल मियां के पुत्र दिलशेर मियां (28) के रूप में हुई है. मृतक की पत्नी ने बताया कि वह सुबह में मजदूरी करने गए थे.

काम के बाद पांच बजे घर वापस आए और दरवाजे पर बैठे थे. इस बीच वह बच्चे के लिए दुकान से बिस्किट लेने के लिए चली गई. लौटने पर देखा कि उसके पति के साथ अलाउद्दीन, उसकी पत्नी सबीला और उसका नाबालिग बेटा मारपीट कर रहे थे. इनके हाथ में हल्दी-मिर्च का झोला भी था, जिसमें से मिर्च का पाउडर निकाल कर जमीन पर गिरे उसके पति की आंख और शरीर छिट रहे थे.

उसके चिल्लाने पर आसपास के लोग पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने उसके पति को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के मुख्य आरोपित अलाउद्दीन का नाबालिग बेटा मौके से फरार हो कर मोतिहारी स्टेशन पर पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे पकड़ लिया है. पुलिस उससे पूछताछ कर रही है.

इस बाबत बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि बच्चों के विवाद में मारपीट हुई है. मृतक के शरीर पर मिर्च और हल्दी का पाउडर मिला है. उसके सीने में एक जगह नुकीला कुछ गड़ा हुआ था. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएगा.

लॉ के छात्र की पीट-पीटकर हत्या, मचा हड़कंप

- छात्र परीक्षा देकर कॉलेज से बाहर निकल रहा था, तभी पहले से घात लगाये बदमाशों ने पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना में बेखौफ बदमाशों ने लॉ के छात्र की हत्या कर दी है. बताया जा रहा है कि सात से आठ संख्या में आए बदमाशों ने पीट पीटकर छात्र की हत्या कर दी. वहीं इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है. वहीं पुलिस फिलहाल इस मामले में कार्रवाई कर रही है. दरअसल, पूरा मामला सुल्तानगंज थाना क्षेत्र का है. जहां लॉ के छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है. जानकारी अनुसार छात्र परीक्षा देकर कॉलेज से बाहर निकल रहा था, तभी पहले से घाट लगाए बदमाशों ने पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि सभी बदमाश मास्क पहने हुए थे. फिलहाल घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में ले ली है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

रजौली चेकपोस्ट पर बुर्का पहन करती थी धंधा

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता । नवादा

नवादा में मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित रजौली चेकपोस्ट पर सोमवार को एक बस की तलाशी के दौरान एक महिला तस्कर को विदेशी शराब व बीयर के साथ गिरफ्तार किया है. उत्पाद टीम को महिला तस्कर गिरोह द्वारा बस से शरब की तस्करी किये जाने की सूचना मिली थी. सूचना पर अधीक्षक मद्य निषेध अरुण कुमार मिश्रा ने हर बस की सख्ती से तलाशी लेने का निर्देश दिया. इसी आलोक में जांच टीम ने झारखंड से आ रही श्री सियाराम रथ नामक बस जांच के लिए चेकपोस्ट पर रोका. सघन तलाशी के दौरान एक महिला को शराब की बैग के साथ गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार महिला तस्कर शराब की खेप लेकर कोडरमा से बिहारशरीफ जा रही थी. गिरफ्तार महिला रुबी खातून नालंदा जिले के बिहारशरीफ थाने के छज्जू मोहल्ले के मोहम्मद इरफान की पत्नी बतायी जाती है. उसके पास से कुल 30 बोतल विदेशी शराब बरामद की गयी. जिसमें रॉयल स्टैग व्हिस्की का 750 एमएल का 6 बोतल व गॉडफादर बीयर 500 एमएल का 24 बोतल शामिल हैं. इसकी कुल मात्रा 16.5 लीटर आंकी गयी.

पप्पू ने भाजपा विधायक को दी खुली चुनौती

मधुबनी । मधुबनी में 20 मई को बुर्का पहनकर फर्जी मतदान की कोशिश के आरोप में तीन फर्जी महिला मतदाता सहित चार लोगों को पुलिस ने बूथ पर से ही गिरफ्तार किया था. इसके बाद ग्रामीणों ने जाले थाना पर हमला कर चारों को भगा दिया था. पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को जेल भेज दिया है. अब इस मामले में निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव गिरफ्तार किए गए लोगों के घर पहुंचे. इनके परिजनों से मुलाकात की. उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों के साथ आतंकियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है. पुलिस के डर से पूरा गांव दहशत में है. यादव ने राजद प्रत्याशी अली अशरफ फातमी पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि सिर्फ मुस्लिमों का वोट लेना ही इनका मकसद है.

सीवान से रोहतास लोकसभा चुनाव कराने जा रहे थे पुलिसकर्मी

आरा में नागालैंड के जवान की बस में मौत

संवाददाता । पटना

आरा में नागालैंड के एक पुलिस जवान की चलती बस में मौत हो गई. जवान सोमवार को सीवान से चुनाव कराकर रोहतास चुनाव कराने जा रहे थे. इसी दौरान कोईलवर क्षेत्र के कोईलवर के आस-पास जवान की अचानक मौत हो गई. इसके बाद बस में मौजूद नागालैंड पुलिस के जवानों ने इसकी सूचना जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी को दी. घटना को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में खलबली मच गई. बताया जाता है कि जवान अपने बटालियन के साथ सीवान जिले से सातवें चरण का चुनाव कराने के लिए वाहन से रोहतास जा रहा था. इस दौरान अचानक रास्ते में कोईलवर के पास उनकी तबीयत बिगड़ गई. असहज महसूस करने के बाद साथी जवानों के सहयोग से इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया. वहां चेकअप के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद इसकी सूचना स्थानीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई और देर रात जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया.

इसके बाद भोजपुर डीएम महेन्द्र कुमार व एसपी नीरज कुमार सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली. मिली जानकारी के अनुसार मृतक जवान नागालैंड के मोकोकचुंग थाना क्षेत्र खेंसा गांव निवासी एलेमरेन के 42 वर्षीय पुत्र अकंगलूबा नसा है.

शव नागालैंड भेजने की तैयारी

भोजपुर डीएम महेंद्र कुमार ने बताया कि नागालैंड पुलिस बटालियन के जवान अकंगलूबा सीवान से चुनाव करा कर सातवें चरण का चुनाव कराने के लिए रोहतास जा रहे थे. उसी क्रम में उनकी तबीयत खराब हो गई. फिर आरा शहर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद उनके बटालियन के कमांडेंट एवं परिजनों से बात करने के बाद उनके शव का पोस्टमार्टम कराकर नागालैंड भेजने की प्रक्रिया की जा रही है. शव का पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को उनके बटालियन को सौंप दिया गया.

कारोबार

पांच साल में 5,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर का लक्ष्य

नयी दिल्ली : आरएनजीं डायनेमिक्स (आरईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखा है और वर्ष 2029 तक 5,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर लेने का लक्ष्य तय किया है. आरईडी ने बयान में कहा कि इस समय 575 करोड़ रुपये मूल्य की कई परियोजनाएं क्रियान्वयन के अलग चरण में हैं. कंपनी ने कहा, आरएनजीं डायनेमिक्स 2029 तक ऑर्डर बुक 5,000 करोड़ रुपये तक हो जाने का लक्ष्य लेकर चल रही है. कंपनी को यह कारोबार मुख्य रूप से चार क्षेत्रों से आएगा.

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस को 108 गुना अभिदान

नयी दिल्ली । कार्यस्थल प्रदाता ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के अंतिम दिन सोमवार को 108.17 गुना अभिदान मिला है. एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 599 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत कुल 86,29,670 शेयरों की पेशकश के मुकाबले कुल 93,34,36,374 शेयरों के लिए बोलियां लगाई गईं. गैर-संस्थागत निवेशकों के खंड को 129.27 गुना अभिदान मिला जबकि पात्र संस्थागत खरीदारों की श्रेणी को 116.95 गुना अभिदान मिला.

सोभा लिमिटेड इस साल राइट्स इश्यू लाएगा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड ने अगले पांच साल में अपनी इक्विटी पूंजी को चार गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है और वह चालू वित्त वर्ष में करीब 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए राइट्स इश्यू लाने वाली है. दुबई स्थित सोभा ग्रुप की कंपनी सोभा लिमिटेड के निदेशक मंडल ने राइट्स इश्यू के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है. कंपनी के चेयरमैन रवि मेनन ने हाल ही में दुबई में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि वह कंपनी की इक्विटी बढ़ाने की योजना के तहत राइट्स इश्यू लाने जा रहे हैं.

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने भारत को डिस्काउंट पर कच्चा तेल देना शुरू किया था

भारत से रूस को निर्यात में आई तेजी

भाषा । नयी दिल्ली

दुनिया में भले ही कुछ देशों के बीच जंग चल रही है, लेकिन भारत का विदेशों के साथ ट्रेड जारी है. यह ट्रेड चाहे रूस हो या यूएस या पश्चिमी देश सभी के साथ स्वतंत्र नीति के साथ भारत सरकार ट्रेड कर रही है. इस मामले में सबसे आगे रूस है, जो लंबे समय यूक्रेन के साथ जंग में व्यस्त है. इसके बाद भी पिछले साल भारत से रूस को एक्सपोर्ट में काफी तेजी देखने को मिली. यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं. इस कारण भारत से इंजीनियरिंग वस्तुओं, मशीनरी और मशीन पार्ट्स तथा विमान कुलपुर्जों के निर्यात में काफी तेजी देखने को मिली. लेकिन दवा, चाय, कॉफी और तम्बाकू जैसी पारंपरिक वस्तुओं के निर्यात में स्थिरता या गिरावट रही. कारोबार में लगी संस्थाओं का कहना है कि भारत से आयात करने में जबरदस्त दिलचस्पी देखने को मिली है लेकिन प्रतिबंधों के डर और ट्रांजैक्शंस को पूरा करने में बैंकों की आनाकानी ने निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है. जानकारों का मानना है कि रूस को कुछ सामान यूएई के माध्यम से भेजा जा सकता है, जिसे यूक्रेन और रूस में तनाव से काफी फायदा हुआ है.

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने भारत को डिस्काउंट पर कच्चा तेल देना शुरू किया था. इस कारण रूस से बड़े पैमाने पर क्रूड का आयात किया जा रहा है. इससे रूस भारत का चौथा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर बन गया है.

दोनों देशों के बीच 65.7 अरब डॉलर का ट्रेड होने का अनुमान है. हालांकि इसमें भारत का व्यापार घाटा 57 अरब डॉलर है जो भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार घाटा है. चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा सबसे ज्यादा है. हालांकि हाल ही में रूसी निर्यातकों को अधिक स्वतंत्र रूप से निवेश करने की अनुमति देने के लिए कदम उठाए गए हैं. रूस में निर्यात के अवसरों का पता लगाने के लिए कई व्यापार मिशन भी बनाए गए हैं, जिनमें से कुछ रुपी बैलेंस का यूज कर सकते हैं. लेकिन एक्सपोर्टर्स इस बात से भी चिंतित हैं कि बैंक ट्रांजैक्शन को पूरा करने में आनाकानी कर रहे हैं. एक बड़े एक्सपोर्टर ने कहा कि अधिकांश भारतीय बैंक संभावित प्रतिबंधों के डर से इस बिजनस में हाथ नहीं डालना चाहते हैं.

स्वर बैंक जैसी रूसी संस्थाएं अपनी भारतीय ब्रांच के जरिए फंड के तैयार हैं. लेकिन घरेलू बैंक इससे बचना चाहते हैं. पिछले दो वर्षों से रूस के साथ सभी तरह का कारोबार बंद करने वाले एक अन्य निर्यातक ने कहा कि मेरी सलाह है कि वे सभी निर्यात एक छोटी सहायक कंपनी के माध्यम से करें ताकि कारोबार के अन्य हिस्सों पर किसी तरह का प्रतिबंध न लगे. हालांकि, एक जर्मन खरीदार इस निर्यातक से माल खरीद रहा है और फिर रूस को निर्यात कर रहा है. रूस पर प्रतिबंधों के बाद ऑटो कम्पोनेंट जैसे क्षेत्रों में काफी रुचि देखी गई थी, लेकिन अमेरिकी खरीदारों और ग्लोबल कार कंपनियों के साथ भारतीय कंपनियों के एक्सपोजर के कारण वे इससे दूरी बना रही है. ताजा आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि 2023-24 में रूस को निर्यात 35% से अधिक बढ़कर 4.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि भारत का कुछ एक्सपोर्ट 3% गिरा है. 1.2 अरब डॉलर की वृद्धि में से लगभग आधी वृद्धि मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित मशीन भागों के कारण हुई.

रूसी मीडिया के मुताबिक पिछले साल दिसंबर में पहली बार में व्यापार 50 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया. पिछले साल भारत और रूस के बीच कुल व्यापार 65 अरब डॉलर रहा.

भारत रूस

- दवा और तंबाकू के निर्यात में स्थिरता या गिरावट रही
- दोनों देशों के बीच 65 .7 अरब डॉलर ट्रेड का अनुमान

शेयर बाजारों में सेंसेक्स 76,000 के शिखर पर पहुंचने के बाद फिसला

एजेंसियां । मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली गिरावट रही. कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय पहली बार रिकॉर्ड 76,000 अंक के स्तर के पार चला गया था जबकि एनएसई निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में बिकवाली दबाव से इनमें गिरावट आई. कारोबार के अंतिम आधे घंटे में निवेशकों की मुनाफावसूली से बाजार में उतार-चढ़ाव आया. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मामूली 19.89 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,390.50 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान चुनिंदा बैंकों, वित्तीय तथा आईटी शेयरों में लिवाली से यह 599.29 अंक उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 76,009.68 अंक तक चला गया था. हालांकि, निवेशकों ने रिकॉर्ड स्तर पर मुनाफावसूली की और सूचकांक दिन के उच्चतम स्तर से करीब 835 अंक लुढ़क गया तथा 75,175.27 अंक तक आ गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 24.65 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 22,932.45 अंक पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 153.7 अंक चढ़कर रिकॉर्ड 23,110.80 अंक पर पहुंच गया था. हालांकि, कारोबार समाप्त होने से पहले तेल, ऊर्जा और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से यह करीब 240 अंक टूट गया. सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर करीब एक प्रतिशत नीचे आया. इससे मानक सूचकांक नुकसान में आ गया. आईटीसी के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नुकसान में रहा. शेयर बाजार में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले और वैश्विक बाजारों में तेजी से लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड तेजी रही. आम चुनाव के नतीजे चार जून को आएंगे. इससे पहले, सेंसेक्स नौ अप्रैल को पहली बार ऐतिहासिक 75,000 अंक के स्तर के पार गया था. यह 31 कारोबारी सत्र में 1,000 अंक चढ़कर सोमवार को कारोबार के दौरान 76,000 अंक के स्तर पर पर पहुंचा. सेंसेक्स छह मार्च को 74,000 अंक पर पहुंचने के बाद 21 कारोबारी दिवस में नौ अप्रैल को 75,000 अंक के स्तर पर पहुंचा था. सेंसेक्स की कंपनियों में विप्रो, एनटीपीसी, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज नुकसान में रहीं. दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो तथा भारतीय स्टेट बैंक लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं.

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, तेजड़ियों को 23,000 के स्तर पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है. निवेशक चुनाव के नतीजे आने से पहले उथल-पुथल से बचने को उच्चस्तर पर मुनाफावसूली कर रहे हैं. उन्होंने कहा, कंपनियों की कमाई में वृद्धि बेहतर रहने, निजी पूंजीगत व्यय में गति आने की उम्मीद और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली कम होने जैसे कारणों से बाजार पर सकारात्मक असर हो रहा है.'

दूरगामी असर टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के लिए 56 अरब डॉलर का पे-पैकेज देने का प्रस्ताव रखा है

मस्क को मिलेगा अमेरिका का सबसे बड़ा पे पैकेज

भाषा । नयी दिल्ली

खास बातें

- कंपनी का मार्केट कैप 571.63 अरब डॉलर है
- एलन मस्क 2008 में टेस्ला के सीईओ बने थे

दुनिया का सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को अमेरिका का कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा पे पैकेज मिलने जा रहा है.

टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के लिए 56 अरब डॉलर का पे पैकेज देने का प्रस्ताव रखा है. इसके लिए कंपनी के शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मांगी गई है. लेकिन प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म ग्लास लेविस ने टेस्ला के शेयरहोल्डर्स से इस प्रस्ताव को रिजेक्ट करने की अपील की है. फर्म का कहना है कि मस्क को दिए जाने वाला पैकेज बहुत बड़ा है. इसका कंपनी पर दूरगामी असर होगा. कंपनी के बोर्ड को मस्क का करीबी माना जाता है. इसलिए माना जा रहा है कि इस पैकेज से कंपनी पर मस्क की पकड़ और मजबूत होगी. मस्क के लिए जो पैकेज प्रपोज किया गया है, उसमें कोई सैलरी या कैश बोनस नहीं है. इसमें टेस्ला के मार्केट वैल्यू के आधार पर मस्क को रिवॉर्ड्स दिया जाएगा.

अभी कंपनी का मार्केट कैप 571.63 अरब डॉलर है. टेस्ला बोर्ड के चेयरमैन रॉबिन डेनहम ने पिछले महीने एक इंटरव्यू में कहा था कि मस्क इस पे पैकेज के हकदार हैं, क्योंकि कंपनी ने रेवेन्यू और स्टॉक प्राइस के मोर्चे पर टारगेट हासिल किया है. मस्क 2008 में टेस्ला के सीईओ बने थे. हाल के वर्षों में कंपनी के रिजल्ट में काफी सुधार आया है. 2018 में कंपनी को 2.2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था जबकि पिछले साल उसे 15 अरब डॉलर का प्रॉफिट हुआ. प्रॉक्सी एडवाइजर ने साथ ही शेयरहोल्डर्स से एलन मस्क के भाई किंबल मस्क को फिर से बोर्ड में सेलेक्शन का विरोध करने की अपील की है. दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क कई कंपनियां चलाते हैं. इनमें टेस्ला के अलावा माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स और स्पेसएक्स भी शामिल हैं. ब्लूमबर्ग बिलिनयेर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 191 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में बर्नार्ड अरनॉल्ट (211 अरब डॉलर) और जेफ बेजोस (203 अरब डॉलर) के बाद तीसरे नंबर पर हैं. इस साल उनकी नेटवर्थ में 38.6 अरब डॉलर की गिरावट आई है. टेस्ला दुनिया की 14वीं सबसे मूल्यवान कंपनी है.

केएएल एयरवेज, कलानिधि मारन ने कहा

स्पाइसजेट से मांगेंगे 1,323 करोड़ रुपये का हर्जाना

एजेंसियां । नयी दिल्ली

केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने सोमवार को कहा कि वे स्पाइसजेट और उसके प्रमुख अजय सिंह से 1,323 करोड़ रुपये से अधिक का हर्जाना मांगेंगे. साथ ही दोनों पक्षों के बीच जारी विवाद मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के हाल के आदेश को चुनौती देंगे. अदालत की खंडपीठ ने 17 मई को एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश को रद्द कर दिया. आदेश में मध्यस्थता न्यायाधिकरण के उस निर्णय को बरकरार रखा गया था, जिसमें स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह को ब्याज के साथ 579 करोड़ रुपये मारन को वापस करने के लिए कहा गया था. पीठ ने 31 जुलाई, 2023 को पारित एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली सिंह और स्पाइसजेट की अपील को स्वीकार कर लिया और मध्यस्थता न्यायाधिकरण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नये सिरे से विचार करने के लिए मामले को संबंधित अदालत में वापस भेज दिया. इस संदर्भ में, मारन और उनकी कंपनी केएएल एयरवेज ने अपने कानूनी सलाहकार से परामर्श के बाद फैसले को चुनौती देने का निर्णय किया है. केएएल एयरवेज और मारन का मानना है कि उपरोक्त निर्णय में खामियां हैं.

ब्रीफ खबरें

तूफान से कम से कम 18 लोगों की मौत

ह्यूस्टन । मध्य अमेरिका के टेक्सास, ओक्लाहोमा और अर्कांसस राज्यों में आये शक्तिशाली तूफान के कारण दो बच्चों सहित कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, कई मकान तबाह हो गये और बढ़ते तापमान के बीच हजारों लोगों को बिजली के बिना रहने के लिए मजबूर होना पड़ा. सीबीएस न्यूज की खबर के मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने रविवार को बताया कि शनिवार को आए तूफान की वजह से करीब 100 लोग घायल हो गये हालांकि सटीक आंकड़ा बता पाना थोड़ा मुश्किल है.

थाने पर हमले मामले में 25 गिरफ्तार

दावणगेरे (कर्नाटक) । कर्नाटक के चन्नगिरी थाने पर भीड़ द्वारा हमला करने के संबंध में पुलिस ने अब तक कम से कम 25 लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों के मुताबिक, दावणगेरे में चन्नगिरी कस्बे के एक थाने में शनिवार सुबह एक व्यक्ति की कथित तौर पर हिरासत में मौत के बाद गुस्साई भीड़ ने थाने में तोड़फोड़ की और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया. इस घटना में कम से कम 11 पुलिसकर्मी घायल हुए थे. पुलिस ने बताया कि थाने पर भीड़ द्वारा हमला किये जाने के संबंध में 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया और संदिग्धों को जेल भेज दिया गया.

नये राष्ट्रपति के समर्थन में पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

ताइपे । ताइवान में नये राष्ट्रपति के उद्घाटन भाषण के जवाब में चीन द्वारा आस-पास के क्षेत्र में सैन्य अभ्यास करने के तुरंत बाद अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नये नेता से मुलाकात कर अपना समर्थन जाहिर किया.अमेरिकी कांग्रेस में ताइवान कॉकस के सह-अध्यक्ष प्रतिनिधि एंडी बार ने कहा कि अमेरिका, ताइवान की सेना, कूटनीति और अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है. अमेरिका, ताइवान में यथास्थिति और शांति बनाए रखना चाहता है.

भूस्खलन में 2,000 लोग जिंदा दफन हुए

मेलबर्न । पापुआ न्यू गिनी सरकार ने कहा है कि शुक्रवार को हुए भूस्खलन के कारण 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए है. सरकार ने बताया कि उसने राहत कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है. इससे पहले आईओएम ने पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका जताई थी. सरकार का आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के आंकड़ों से करीब तिगुना है. भूस्खलन के बाद से हताहत हुए लोगों की संख्या का अनुमान अलग-अलग है और अभी यह स्पष्ट नहीं है.

पुणे कार हादसा : दो चिकित्सक गिरफ्तार

पुणे । पुणे पुलिस ने उस कार दुर्घटना के मामले में रक्त के नमूनों से छेड़छाड़ करने और सबूतों को नष्ट करने के आरोप में यहां ससून सर्वोपचार रुग्णालय के दो चिकित्सकों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 17 वर्षीय एक किशोर कथित तौर पर लिप्त बताया जाता है. अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें अस्पताल के फोरेंसिक विभाग के प्रमुख भी शामिल हैं. पुलिस अधिकारी ने बताया, उन्हें रक्त के नमूने से छेड़छाड़ करने और सबूतों को नष्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.

कोलकाता : चक्रवाती तूफान 'रेमल'

24 ब्लॉक प्रभावित, 15000 घर क्षतिग्रस्त

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चक्रवाती तूफान रेमल से 24 ब्लॉक (प्रखंड) और 79 नगरपालिका वार्ड में करीब 15,000 घर प्रभावित हुए हैं जिनमें अधिकतर दक्षिणी तटीय इलाकों में हैं. अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में कम से कम 2,140 पेड़ उखड़ गए और बिजली के 337 खंभे भी गिर गए. उन्होंने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार कम से कम 14,941 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से 13,938 आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं जबकि 1,003 पूरी तरह ढह गए हैं. अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि प्रशासन ने 2,07,060 लोगों को 1,438 सुरक्षित आश्रय गृहों में स्थानांतरित कर दिया है.

अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में चक्रवात से संबंधित घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और इसके तटीय क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है. राज्य आपदा प्रबंधन के एक अधिकारी ने कहा कि मध्य कोलकाता के एंटाली के बिबीर बागान इलाके में रविवार को लगातार बारिश के कारण दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई.

ट्रेन सेवाएं सुबह तीन घंटे तक निलंबित रहीं : पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि इस बीच सियालदह दक्षिण खंड में ट्रेन सेवाएं सुबह तीन घंटे तक निलंबित रहीं. हालांकि पूर्वाह्न नौ बजे से सेवा फिर से बहाल कर दी गयी. भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चक्रवाती तूफान के मद्देनजर कोलकाता हवाईअड्डे से उड़ान सेवाएं 21 घंटे तक निलंबित रही थीं. हालांकि सोमवार सुबह सेवाएं फिर से शुरू कर दी गई. एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पार्क स्ट्रीट और एस्प्लेनेड स्टेशन की पटरियों पर जलभराव के कारण गिरीश पार्क और महानायक उत्तम कुमार स्टेशनों के बीच कोलकाता मेट्रो का परिचालन बाधित हुआ. उन्होंने बताया कि दक्षिणेश्वर से गिरीश पार्क तक और कवि सुभाष से महानायक उत्तम कुमार तक मेट्रो सेवाएं सामान्य हैं. कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम ने बताया कि नगर निगम स्थिति से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर कोशिश कर रहा है. हकीम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, चक्रवात अम्फान के समय की स्थिति के मुकाबले हालात उतने खराब नहीं हैं. यातायात को बहाल करने के लिए सड़कों से पेड़ों को हटाया जा रहा है.

तीन घायल, मेट्रो रेल सेवा प्रभावित

बांग्लादेश के तटीय हिस्सों में 'रेमल' का कहर, सात की जान गई

ढाका : चक्रवाती तूफान 'रेमल' के बांग्लादेश के तटीय इलाकों में पहुंचने के बाद कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी. 'रेमल' के तट से टकराने पर 120 किलोमीटर (किमी) प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं और सैकड़ों गांवों में पानी भर गया. ढाका के सोमोय टीवी की खबर के मुताबिक, बारिसल, भोला और चट्टोग्राम में पांच लोगों की मौत हो गयी. वहीं मोंगला में एक ट्रॉलर डूब गया, जिससे एक बच्चा समेत दो लोग लापता हो गए.

दिल्ली अस्पताल आग

पांच नवजात शिशुओं के शव परिजन को सौंपे गये

एजेंसी । नयी दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने के कारण मारे गए सात में से पांच नवजात शिशुओं के शव पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजन को सौंप दिए गए हैं. पुलिस ने सोमवार को बताया कि दो अन्य शिशुओं के शव सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजन को सौंपे जाएंगे. पुलिस ने बताया कि ऐसा दावा किया गया है कि एक नवजात शिशु की मौत आग लगने से कुछ घंटे पहले हो गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम के बाद ही की जा सकती है. पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लग जाने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी और पांच अन्य घायल हो गए थे.

राजकोट गेम जोन आग मामला

छह अधिकारी हुए निलंबित

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात सरकार ने सोमवार को राजकोट स्थित 'गेम जोन' में लगी आग के मामले में छह अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया. 'गेम जोन' में शनिवार शाम लगी भीषण आग में चार बच्चों सहित 27 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग झुलस गए. एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन अधिकारियों को आवश्यक स्वीकृति के बिना इस गेम जोन को संचालित करने की अनुमति देकर घोर लापरवाही बरतने का जिम्मेदार ठहराया गया है. संबंधित विभागों द्वारा पारित आदेशों के अनुसार, जिन लोगों को निलंबित किया गया है, उनमें नगर नियोजन विभाग के सहायक अभियंता जयदीप चौधरी, आरएमसी के सहायक नगर योजनाकार गौतम जोशी, उप कार्यकारी अभियंता एम आर सुमा एवं पारस कोठिया और पुलिस निरीक्षक वी आर पटेल और एन आई राठौड़ शामिल हैं.

लॉस एंजिलिस

पूर्व अभिनेता जॉनी वेक्टर को गोली मार कर दी हत्या

लॉस एंजिलिस । प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक 'जनरल हॉस्पिटल' के पूर्व अभिनेता जॉनी वेक्टर की लॉस एंजिलिस में गोली लगने से मौत हो गई. उनके परिवार ने रविवार को यह जानकारी दी. परिजनों के मुताबिक, जब वेक्टर ने उनकी कार से कैटेलिटिक कनवर्टर चुरा रहे तीन चोरों को पकड़ने की कोशिश की तो बदमाशों ने उनपर गोलियां बरसा दीं. लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, शनिवार को दोपहर तीन बजे यह घटना हुई थी. उन्होंने 2020 से 2022 तक एबीसी सोप ओपेरा में ब्रैंडो कॉर्बिन की भूमिका निभाई. उन्होंने 'स्टेशन 19', 'एनसीआईएस', 'वेस्टवर्ल्ड' और वीडियो गेम 'कॉल ऑफ ड्यूटीः वैनगार्ड' सहित कई फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों में काम किया था.

ओडिशा में किसी को बिजली का बिल नहीं देना पड़ेगा : पटनायक

ओडिशा । ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को राज्य में मुफ्त बिजली का ऐलान किया.पटनायक ने केंद्रपाड़ा में एक रैली को संबोधित करने के दौरान कहा कि जुलाई से ओडिशा में किसी को बिजली का बिल नहीं देना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि बीजेडी सरकार लोगों को मुफ्त बिजली देगी. इस रैली में बीजेडी नेता और 5टी के चेयरमैन वीके पांडियन भी मौजूद रहे. इस दौरान वीके पांडियन ने कहा कि लोगों को सरकार की बीएसकेवाई योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवा मिलती रहेगी. उन्होंने कहा कि लोगों को मुफ्त बिजली भी दी जाएगी. पांडियन ने कहा कि 9 जून को नवीन बाबू मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे.

पाकिस्तान के विद्यालय भवन में आग लगी

1400 छात्राओं को बाहर निकाला

एजेंसी । पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक पहाड़ी इलाके में भीषण आग की चपेट में आयी एक स्कूल की इमारत से सोमवार को लगभग 1,400 छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया. जियो न्यूज ने एक बचाव अधिकारी के हवाले से बताया कि आग हरिपुर जिले के सिरिकोट गांव में सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में उस समय लगी जब सैकड़ों छात्राएं अंदर थीं. उन्होंने बताया कि स्थानीय निवासियों के साथ अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाना शुरू किया. अधिकारी ने कहा कि पहाड़ी इलाका होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा. हरिपुर के रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फराज जलाल ने कहा कि वहां लगभग 1,400 छात्राएं थीं और उन सभी को स्कूल की इमारत से सुरक्षित निकाल लिया गया. प्रवक्ता ने कहा कि विद्यालय की इमारत आग से पूरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. बचाव विभाग ने पुष्टि की कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है और कहा कि स्कूल भवन का आधा हिस्सा लकड़ी से बना हुआ था.

पिकअप वाहन पलटने से चार लोगों की मौत

गुना (मध्य प्रदेश) । मध्य प्रदेश के गुना जिले में सोमवार को एक पिकअप वाहन के डिवाइडर से टकराने के बाद पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पीड़ित कानपुर से कर्नाटक जा रहे थे, तभी सुबह करीब साढ़े तीन बजे म्याना कस्बे के पास यह दुर्घटना हुई. म्याना थाना प्रभारी संजीत मावई ने बताया कि वाहन के चालक को झपकी आ गई, जिसके बाद वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया. अधिकारी ने बताया कि विष्णु रामपाल, मीर चोखेलाल और विकास सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने गुना जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया.

स्वाति मालीवाल मारपीट मामला

अदालत ने बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज की

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिन पर मुख्यमंत्री आवास पर आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने का आरोप है. मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मुख्यमंत्री के निजी सहायक कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी. मामले में विस्तृत आदेश का इंतजार है. सुनवाई के दौरान, राज्यसभा सदस्य मालीवाल ने अदालत से कहा कि अगर कुमार को रिहा किया गया, तो उनकी जान को खतरा है और उनके परिवार को गंभीर खतरा है. मालीवाल ने दावा किया कि घटना के बारे में एक यूट्यूबर द्वारा एकतरफा वीडियो बनाया गया था, जिसके बाद उन्हें धमकियां मिलनी शुरू हो गई. तेरह मई को घटना के दिन से मुख्यमंत्री आवास के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें से एक में मालीवाल को सुरक्षाकर्मियों के साथ बहस करते हुए देखा जा सकता है, जबकि दूसरे में वह सिविल लाइंस में मुख्यमंत्री आवास से बाहर निकलती दिखाई देती हैं.

गितानस नौसेदा फिर से चुने गए राष्ट्रपति

कोपनहेगन । लिथुआनिया के निवर्तमान राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने अपने प्रतिद्वंदी और देश की प्रधानमंत्री इंग्रिडा सिमोनिटे को भारी मतों के अंतर से हराकर एक बार फिर राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत हासिल की है. लिथुआनिया के केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक, नौसेदा को 74.5 प्रतिशत और सिमोनिटे को 24.1 प्रतिशत वोट मिले हैं. नौसेदा (60) एक उदारवादी रूढ़िवादी नेता हैं और यूक्रेन के प्रबल समर्थक रहे हैं. लिथुआनिया के समाचार पत्र बाल्टिक न्यूज के अनुसार, नौसेदा ने रविवार रात मतपत्रों की गिनती के बाद कहा, लिथुआनिया की स्वतंत्रता एक नाजुक जहाज की तरह है, जिसे हमें टूटने से बचाना चाहिए.

केजरीवाल ने अमृतसर में व्यापारियों को किया संबोधित, बोले-

शाह ने सरकार गिराने की धमकी दी

- हमारे पास तो कुल 92 सीटें (विधायक) हैं. आप (सरकार) कैसे गिरा सकते हैं?

एजेंसी । चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकसभा चुनाव के बाद पंजाब में भगवंत मान नीत सरकार को गिराने की धमकी देने का आरोप लगाया और कहा कि वे तानाशाही है. शाह ने रविवार को लुधियाना में एक चुनावी रैली में लोगों से लोकसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की अपील की और कहा कि भाजपा की जीत के बाद भगवंत मान सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी. सोमवार को केजरीवाल ने अमृतसर में व्यापारियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, क्या आपने अमित शाह का बयान सुना है? उन्होंने धमकी दी है. शुरुआत में उन्होंने पंजाबियों को बहुत गालियां दीं. उन्होंने (शाह) धमकी दी है कि चार जून के बाद पंजाब सरकार गिर जाएगी और भगवंत मान मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे. उन्होंने कहा, हमारे पास 92 सीटें (विधायक) हैं. आप (सरकार) कैसे गिरा सकते हैं? (देश में) तानाशाही है. केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता खुलेआम कह रहे हैं कि वे विधायकों को सीबीआई और ईडी से धमकाएंगे और फिर उन्हें खरीद लेंगे.

आप नेता ने कहा, मैं उनसे (शाह से) कहना चाहता हूं...पंजाब के लोगों को धमकाओ मत, अन्यथा वे आपके लिए पंजाब में प्रवेश करना मुश्किल कर देंगे. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी शाह की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की. मान ने कहा, क्या आपमें सरकार गिराने की हिम्मत है? हमारे पास 92 सीटें हैं. वे हमें धमकी दे रहे हैं. क्या आप यहां वोट मांगने आ रहे हैं या सरकार गिराने की धमकी दे रहे हैं?

नोएडा : भेल अधिकारी ने की खुदकुशी

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के एक अधिकारी के फ्लैट से एक महिला का शव पंखे के फंदे से लटका हुआ मिला. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. पुलिस के मुताबिक, महिला भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) में उपप्रबंधक (एचआर) के पद पर तैनात थी. महिला के पिता ने आईआरएस अधिकारी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया, जिसके बाद अधिकारी को रविवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया. पुलिस ने बताया कि आरोपी अधिकारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. वहीं मृतक महिला के पिता ने आरोप लगाया कि आईआरएस अधिकारी ने उनकी बेटी से शादी करने का वादा किया था.

प्रियंका गांधी ने हिमाचल प्रदेश के चंबा की चुनावी रैली में कहा-

भाजपावालों को हर कीमत पर सत्ता चाहिए

- भाजपा वाले अपने मकसद को पूरा करने के लिए धन-बल का इस्तेमाल करते हैं
- कांग्रेस 55 साल सत्ता में रही पर सबसे अमीर पार्टी नहीं बन सकी, लेकिन भाजपा 10 साल में बन गई

एजेंसी । शिमला

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के नेताओं का एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना है और वे अपने इस मकसद को पूरा करने के लिए भ्रष्ट आचरण करते हैं, धन बल का इस्तेमाल करते हैं, विधायकों को रिश्वत देते हैं और भगवान के नाम पर लोगों को गुमराह करते हैं. प्रियंका ने हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक रैली में कहा, मोदी ने राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई कांग्रेस सरकार को भ्रष्ट आचरण के जरिए और धन बल का उपयोग करके गिराने का हर संभव प्रयास किया. कांगड़ा लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार आनंद शर्मा के लिए प्रचार कर रहीं प्रियंका ने जनता से पूछा कि क्या वे ऐसे नेता को पसंद करेंगे? उन्होंने कहा कि कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रही लेकिन सबसे अमीर पार्टी नहीं बन सकी, जबकि भाजपा केवल 10 वर्ष में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई.

लोस चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी रैली को संबोधित किया, बोले-

जाने वाली है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की नौकरी

एजेंसी । कुशीनगर (उप्र)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दावा किया कि चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस की हार का ठीकरा पार्टी नेताओं राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी पर नहीं बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर फूटेगा और उनकी नौकरी जाने वाली है.

शाह ने कुशीनगर में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि इस लोकसभा चुनाव के बाद भी नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे और कांग्रेस के लोग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को दोष देंगे. उन्होंने कहा, चार जून को मोदी जी की, भाजपा की विजय निश्चित है. चार तारीख की दोपहर को आप देखना, राहुल बाबा के लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे कि हम ईवीएम के कारण हार गये. हार का ठीकरा भाई-बहन (राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा) पर नहीं फूटेगा. यह ठीकरा खरगे साहब पर फूटेगा और उनकी नौकरी जाने वाली है.

शाह ने दावा किया, छह चरण का चुनाव समाप्त हो गया है. मेरे पास पांच चरण का आंकड़ा है. पांच चरण में मोदी जी 310 सीटें जीत चुके हैं. छठा चरण हो गया है. अब सातवां होने वाला है. आप लोगों को 400 पार कराना है.

आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया जाएगा

उन्होंने दावा किया, मैं चार तारीख का परिणाम बताता हूं. राहुल बाबा, आपकी पार्टी को 40 सीटें भी नहीं मिलेंगी और अखिलेश बाबू (समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव) आपके प्रति सहानुभूति से मैं बात करूं तो आपको चार सीटें भी नहीं आ रही हैं. शाह ने दावा किया कि अगर जनता ने गलती से भी सपा और कांग्रेस को जिताया तो पिछड़े, अति पिछड़े और दलित वर्गों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि कर्नाटक और हैदराबाद में यही काम किया गया है तथा बंगाल में भी किया था मगर उच्च न्यायालय ने उस पर रोक लगा दी. उन्होंने कहा, मुस्लिम आरक्षण संविधान सम्मत नहीं है और विपक्ष अपने वोट बैंक को जिंदा करने के लिए मुस्लिम आरक्षण की बात करता है, जिसका सीधा खामियाजा पिछड़े वर्ग को भुगतना पड़ेगा.

कांग्रेस ने राम मंदिर मुद्दे को 70 साल तक लटकाये रखा

उन्होंने सपा पर अयोध्या में कार सेवकों पर गोली चलवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह चुनाव कार सेवकों पर गोली चलवाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच है. शाह ने दावा किया कि कांग्रेस ने राम मंदिर मुद्दे को 70 साल तक लटकाये रखा, मगर मोदी ने पांच साल में मंदिर के लिए भूमि पूजन भी किया और उसकी प्राण-प्रतिष्ठा भी कर दी. गृह मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने औरंगजेब का तोड़ा हुआ काशी विश्वनाथ मंदिर बनवाया और सोमनाथ का मंदिर भी सोने का बन रहा है. उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी हमें डरा रही है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है. इसका पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) नहीं मांगिये. अरे राहुल बाबा... आपकी पार्टी डरती होगी एटम बम से. हम तो भाजपा वाले हैं, डरते नहीं हैं. पीओके भारत का है, रहेगा और उसको हम लेकर रहेंगे.

एसआईटी के सामने 31 मई को पेश होंगे प्रज्वल रेवन्ना

- बोले-भगवान, जनता व परिवार का आशीर्वाद मुझ पर बना रहे

एजेंसी । बेंगलुरु

विदेश जाने के ठीक एक महीने बाद कर्नाटक के हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने कहा है कि वह 31 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होंगे, जो उनपर लगे कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रहा है.

कन्नड़ टीवी चैनल एशियानेट सुवर्ण न्यूज पर प्रसारित वीडियो बयान में प्रज्वल रेवन्ना ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से शुक्रवार, 31 मई को सुबह 10 बजे एसआईटी के सामने पेश होकर जांच में सहयोग करूंगा और इनपर (आरोपों पर) जवाब दूंगा. मुझे न्यायालय पर भरोसा है और विश्वास है कि मैं न्यायालय के माध्यम से झूठे मामलों में पाक-साफ साबित होऊंगा. प्रज्वल की पार्टी जनता दल (सेक्युलर) या उनके परिवार की ओर से तत्काल इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है. उन्होंने कहा, भगवान, जनता और परिवार का आशीर्वाद मुझ पर बना रहे. मैं निश्चित रूप से शुक्रवार 31 मई को एसआईटी के सामने उपस्थित होऊंगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)